रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:39 | शनिवार,11 अक्टूबर

ब्रीफ न्यूज

बिहार में एनडीए सहयोगियों के बीच बन गई बात

एजंसी

नई दिल्ली बिहार विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर एनडीए में बड़ी सहमति बनती दिख रही है। पिछले कुछ दिनों से खबरें थीं कि चिराग पासवान अड़े हुए हैं और 40 विधानसभा सीटों से कम पर राजी नहीं हैं। अब सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि वह 25 सीट पर सहमत हो सकते हैं। इसकी एवज में उन्हें भाजपा से केंद्र से लेकर बिहार सरकार तक में ज्यादा महत्व और मंत्रालय दिए जाने का भरोसा मिला है। इसके अलावा उनकी पार्टी को एक राज्यसभा सीट भी ऑफर की जा सकती है। भाजपा की ओर से मिले इस भरोसे के बाद चिराग पासवान 25 सीटें लड़ ? पर ही राजी हो सकते हैं। इसके संकेत चिराग पासवान के बयान से भी मिल रहे हैं। चिराग पासवान का कहना है कि एनडीए में सब ऑल इज वेल है और जल्दी ही सीट बंटवारे को लेकर ऐलान हो जाएगा। फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा जा रहा है, लेकिन यह माना जा रहा है कि 25 सीटों पर चिराग राजी हो सकते हैं। गुरुवार को दोनों पक्षों की ओर से मीटिंग हुई थी, जिसमें भाजपा और एलजेपी के कई नेता दिन भर मौजूद रहे। इस मीटिंग में नित्यानंदराय के अलावा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद थे।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों के निर्माण और बिक्री की मिलेगी इजाजत

एजंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में हरित पटाखों के निर्माण और बिक्री की अनुमति मांगने वाली याचिकाओं पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने इस मुद्दे पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सहित विभिन्न पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के राज्यों का भी प्रतिनिधित्व कर रहे मेहता ने शीर्ष अदालत से दीपावली, गुरु पर्व और क्रिसमस जैसे अवसरों पर दिल्ली-एनसीआर में हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति देने का आग्रह किया।

माननीय राज्यपाल से पुलिस महानिदेशक ने राजभवन में मुलाकात की रांची। माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज राज्य के पुलिस महानिदेशक श्री अनुराग गुप्ता ने राज भवन में भेंट की तथा राज्यपाल महोदय को झारखण्ड राज्यस्तरीय पुलिस ड्यूटी मीट-2025 के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित किया।

साल 2025 के नोबेल पुरस्कार की हुई घोषणा, लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई ने मारी बाजीसराहना करते हुए बोले-

ट्रंप हुए बेआबरू, वेनेजुएला की मारिया मचाडो को शांति का नोबेल

संवादाता

नई दिल्ली : वेनेजुएला में लोकतंत्र की डगर पर लगातार संघर्ष करती रही मारिया मचाडो को इस साल शांति का नोबेल पुरस्कार दिया गया है। 20 साल से वे तानाशाही के खिलाफ खड़ी रही हैं और देश में लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए शांतिपूर्ण तरीकों से लड़ती रही हैं। नोबेल समिति ने कहा कि आज दुनिया के कई हिस्सों में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है और तानाशाही बढ़ रही है। ऐसे समय में मचाडो जैसे साहसी नेताओं की हिम्मत, लोगों में उम्मीद की किरण जगाती है। समिति ने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र ही स्थायी शांति की कुंजी है। जब सत्ता हिंसा और डर के सहारे जनता को दबाने लगे,

तो ऐसे नेताओं को सम्मान देना बेहद जरूरी हो जाता है। मारिया मचाडो ने सुमाते नामक संगठन की स्थापना की, जो देश में लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए काम करता है। वे लगातार मुफ्त और निष्पक्ष चुनावों की मांग करती रही हैं। वे पहली बार तब सुर्खियों में आईं, जब 14 जनवरी 2012 को उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति उगो शावेज का लंबा भाषण रोक दिया। संसद में शावेज नौ घंटे 45 मिनट तक बोल रहे थे, तभी मचाडो ने उन्हें चिल्लाकर चोर कहा और जनता की जब्त की गई संपत्ति लौटाने की मांग की। इस साहसिक कदम ने उन्हें वेनेजुएला में विपक्ष की सशक्त आवाज बना दिया। 2024 के चुनाव से पहले मचाडो विपक्ष की राष्ट्रपति उम्मीदवार थीं, लेकिन सरकार ने उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी। इसके बाद उन्होंने दूसरी पार्टी के प्रतिनिधि एडमंडो गोंजालेज उर्रुतिया का समर्थन किया, जिसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी समर्थन मिला। चुनाव में मचाडो की समर्थक पार्टी ने जीत दर्ज की,

रातू थाना क्षेत्र स्थित कोकरे टांड़ इलाके के पास पुलिस व क्रिमिनल्स के बीच हुई मुठभेड़

रांची में एनकाउंटर, राहुल दुबे गैंग के दो घायल अपराधियों समेत चार अरेस्ट

हथियारों का जखीरा बरामद, इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रही पुलिस

संवादाता

- ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर को अपराधियों के जमा होने की मिली थी सूचना
- सीसीटीवी फुटेज व मोबाइल नेटवर्क लोकेशन के आधार पर अन्यअपराधियों की तलाश में जुटी पुलिस

रांचीः शुक्रवार की सुबह झारखंड की राजधानी रांची उस समय दहल उठी, जब अचानक गोलियों कीबौछार होने लगी। इस दौरान दो अपराधियों को गोली लगी, जिसके बाद दोनों घायल सहित चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल, सुबह करीब तीन बजे रांची के रातू थाना क्षेत्र स्थित कोकरे टांड़ इलाके के पास पुलिस के साथ कुख्यात राहुल दुबे गैंग के अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान कुछ देर तक दोनों ओर से फायरिंग होती रही। एनकाउंटर के दौरान पुलिस की फायरिंग से दो अपराधियों को गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अन्य दो अपराधियों को भी धर दबोचा। घायल अपराधियों की पहचान साजन अंसारी और अमित गुप्ता के रूप में की गई है। इसके बाद पुलिस ने घायल अपराधियों को इलाज के अस्पताल भेजा। अन्य दो गिरफ्तार आरोपियों में आतिश दास और देवानंद दास शामिल हैं। साजन अंसारी के खिलाफ 12 मामले दर्ज है, अमित गुप्ता के खिलाफ चार, आतिश दास के खिलाफ 13 और देवानंद दास के खिलाफ एक मामला दर्ज है। इधर, एनकाउंटर के बाद पुलिस ने मौके से हथियारों का जखीरा बरामद किया। इसके बाद शाम में रांची के एसएसपी राकेश रंजन ने पूरे मामले का खुलासा किया। एसएसपी ने बताया कि खलारी थाना क्षेत्र में पुलिस टीम पर हुए हमले में पकड़े गए अपराधी शामिल रहे हैं। इस हमले में एक हवलदार को गोली लगी थी। इस दौरान अपराधी गोलीबारी कर दहशत फैलाने निकले थे। पुलिस ने भी तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। रातू के होचर स्थित पार्क इंबु रेस्टोरेंट के पास पुलिस का अपराधियों से आमना-सामना हुआ। इस दौरान गैंग के दो अपराधियों

घटनास्थल पर पहुंचे रांची एसएसपी, लिया जायजाकिया विचार

दोनों ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर समेत अन्य पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले का जांच की। एनकाउंटर के बाद सर्च ऑपरेशन के दौरान रांची पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। जब्त हथियारों में आठ बेहतरीन पिस्टल और दर्जनों कारतूस शामिल हैं। पुलिस ने इस दौरान एफएसएल की टीम को भी बुलाया।

पुलिस को देखते ही शुरू कर दी फायरिंग

जानकारी के अनुसार, रांची एसएसपी राकेश रंजन को गुरुवार देर रात सूचना मिली थी कि कुख्यात अपराधी राहुल दुबे गैंग के कुछ सदस्य खलारी थाना क्षेत्र मेंकिसी बड़ी आपराधिक वारदात की योजना बना रहे हैं। इस सूचना के बाद एसएसपी ने तुरंत विशेष पुलिस टीम का गठन किया। पुलिस की टीम जैसे ही रातू से खलारी जाने वाले रोड में अपराधियों को घेरने की कोशिश की, बदमाशों ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी।

कोयलांचल क्षेत्र में राहुल दुबे गैंग की सक्रियता

रांची, खलारी, रामगढ़ सहित झारखंड के सभी कोयलांचल क्षेत्रों में राहुल दुबे का गैंग सक्रिए है। इस गैंग पर कोयलांचल क्षेत्र में रंगदारी, लूट, फिरौती और ठेकेदारी से जुड़े अपराधों में शामिल होने के कई आरोप हैं। सोशल मीडिया में इन दिनों राहुलडूबे और सुजीत के गिरोह के बीच जंग छिड़ी हुई है। दोनों गैंग एक दूसरे को चेतावनी दे रहे हैं। जगह-जगह हमले कराकर सोशल मीडिया में पोस्ट शेयर कर जिम्मेदारी ले रहे हैं। कोयलांचल में अपनी बादशाहत कायम रखने के लिए दोनों गैंगआमने-सामने हैं।

अफगानिस्तान में फिर से दूतावास शुरू करेगा भारत

बैठक में किसी देश के झंडे का नहीं हो पाया इस्तेमाल

नई दिल्ली, काबुल (एजेंसी)। भारत फिर से अफगानिस्तान में अपना दूतावास शुरू करेगा। विदेश मंत्री जयशंकर ने शुक्रवार को तालिबान सरकार के विदेश मंत्री अमीर खान मुंाकी के साथ द्विपक्षीय बैठक में इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि भारत काबुल में अपने तकनीकी मिशन को दूतावास में बदलेगा। 2021 में तालिबान के साा में आने के बाद भारत ने दूतावास बंद कर दिया था लेकिन एक साल बाद व्यापार, चिकित्सा सहायता और मानवीय सहायता की सुविधा के लिए एक छोटा मिशन खोला था। दिल्ली में हुई जयशंकर और मुंाकी की बैठक में किसी भी देश के झंडे का इस्तेमाल नही किया गया। दरअसल भारत ने अफगानिस्तान में अब तक तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है। मुंााकी गुरुवार को एक हफ्ते की यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के साा में आने के बाद काबुल से दिल्ली तक यह पहली मंत्री स्तर की यात्रा है।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन में स्पीकर ने कहा लोकतंत्र की ताकत सत्ता नहीं, जवाबदेही में है

एजेंसी

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) : 68वां राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन 5 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025 तक बारबाडोस की राजधानी ब्रिजटाउन में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन के प्लेनरी सत्र के अंतिम कार्यशाला में झारखंड विधानसभा के माननीय अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने 'राष्ट्रीय संसद बनाम प्रांतीय, प्रादेशिक और विकेंद्रीकृत विधान- शक्ति के पृथक्करण की रक्षा और संरक्षण'

विषय पर अपना विचार रखकर भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। स्पीकर ने कहा कि सत्ता को हमेशा जवाबदेही और नैतिक व्यवस्था द्वारा नियंत्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने मोंटेस्क्यू के शक्ति पृथक्करण सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका आधार भारत के प्राचीन ग्रंथों में पहले से निहित था, जहां यह माना गया कि 'स्थिरता तभी आती है जब अधिकार विभाजित और सामंजस्यपूर्ण हो, न कि केंद्रित।' महतो ने संविधान निर्माता डॉ.भीमराव अंबेडकर का उद्धरण देते हुए कहा, 'संघवाद का मूल सिद्धांत यह है कि विधायी और कार्यकारी अधिकार केंद्र और राज्यों के बीच संविधान द्वारा विभाजित होते हैं, न कि किसी कानून द्वारा।'

सारंडा में आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आकर सीआरपीएफ के दो जवान घायल, उड़ाई पुलिया

संवाददाता

रांची : सारंडा जंगल में नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया। इसमें सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर व एक अन्य जवान घायल हो गए हैं। वहीं, दूसरी जगह नक्सलियों ने एक पुलिया को भी विस्फोट से उड़ा दिया है। दोनों घटनाएं शुक्रवार शाम की बताई जा रही हैं। जानकारी के अनुसार जिला पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा बल के जवान सारंडा के जराईकेला थाना क्षेत्र के सामठा क्षेत्र के बाबूडेरा इलाके में नक्सल विरोधी अभियान चला रहे थे।

इसी दौरान घात लगाए नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर दिया, जिसमें सीआरपीएफ-60 बटालियन के इंस्पेक्टर केके मिश्रा घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मेडिकल टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। पश्चिमी सिंहभूम के पुलिस अधीक्षक अमित रेनु ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सुरक्षा बल नक्सल विरोधी अभियान में थे,

न्यूज स्टडी | बाजार समितियों, चैंबर और प्रगतिशील किसानों के साथ मंत्री ने की बैठक, बोली-

किसानों को दिलाएंगे बाजार, उत्पादों का मिलेगा वाजिब दाम

संवादादता

रांची : राज्य सरकार झारखंड के किसानों को उनका उत्पाद सही दाम पर बेचने और बिचौलियों से मुक्ति दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने जा रही है। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गुरुवार को राज्य की सभी 28 बाजार समितियों के सचिवों, चैंबर ऑफ कॉमर्स, प्रगतिशील किसानों और एफपीओ प्रतिनिधियों के साथ मैराथन बैठक कर व्यापक चर्चा की। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बाजार समितियों के संचालन और सुदृढ़ीकरण के लिए एक मानक परिचालन प्रक्रिया तैयार की जाएगी। मंत्री ने कहा कि

किसानोंको उनके उत्पाद का उचित मूल्य, समय पर भुगतान और पर्याप्त बाजार उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में बाजार समितियों के आय-व्यय, सुविधाओं की कमी, सुरक्षा व्यवस्था, कोल्ड स्टोरेज और गोदाम निर्माण जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि 'किसानों के पास जितने अधिक विकल्प होंगे, उन्हें उतना ही लाभ मिलेगा। ई-नाम पोर्टल के जरिये किसानों को डिजिटल मार्केट से जोड़ने पर बल दिया जाएगा।' उन्होंने यह भी कहा कि वैजफेड के सहयोग से किसानों के उत्पादों की बिक्री के नये अवसर बनाए जाएंगे। मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष रविंद्र सिंह ने कहा कि किसानों के हित में जो भी कदम उठाने की जरूरत होगी, वह सरकार उठाएगी। विभागीय सचिव अबू बक्कर सिद्दीकी ने सभी बाजार समिति सचिवों से शिकायतों से बचते हुए पारदर्शी व परिणाममुखी कार्यशैली अपनाने की सलाह दी। बैठक में कृषि निदेशक भोर सिंह यादव,

मुख्यमंत्री राहत कोष से मिला पीड़ित परिवार को 50 हजार का चेक

संवाददाता

रांची। कैंसर पीड़ित जमील अख्तर हिंदपीढ़ी के रहने वाले हैं। उनका इलाज हॉस्पिटल में चल रहा है। फ़्र ३५२३ अकरम रशीद और समाजसेवी बब्बर भाई के सहयोग से मुख्यमंत्री राहत कोष से राज्य सभा सांसद महुआ माजी के द्वारा 50 हजार रुपए का चेक दिलाने में अहम भूमिका निभाए हैं। अकरम रशीद और बाबर भाई के सहयोग से पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से चेक मिलने पर पीड़ित परिवार वालों ने महुआ माजी अकरम रशीद और बब्बर भाई का शुक्रिया अदा किया है। पीड़ित परिवार की सुमैला खातून ने कहा कि मैं कह नहीं सकती कि उनलोगों ने मेरे लिए बहुत बड़ा काम किया। मैं उन लोगों का हमेशा एहसानमंद रहूंगी।

पश्चिम बंगाल और ओडिशा पुलिस के साथ झारखंड पुलिस अधिकारियों की बैठक, पड़ोसी राज्य भी अलर्ट

रांची, संवाददाता ।

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर एक तरफ जहां झारखंड पुलिस अपनी तैयारी में जुटी हुई है. वहीं पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल और ओडिशा पुलिस भी झारखंड पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर घाटशिला उपचुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने में सहयोग करेंगे.

तीन राज्यों के अधिकारियों ने की बैठक

घाटशिला उपचुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाने के लिए इंटर स्टेट बैठकों का दौर शुरू हो गया है. शुक्रवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में आईजी अभियान सह राज्य पुलिस नोडल पदाधिकारी झारखंड डॉक्टर माइकल राज की अध्यक्षता में 45-घाटशिला (अ०ज०जा०) विधानसभा उप-निर्वाचन, 2025 के सीमावर्ती क्षेत्र ओडिशा और पश्चिम बंगाल के पुलिस पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 11 नवंबर को होने वाले 45-घाटशिला (अ०ज०जा०) विधानसभा उप-निर्वाचन, 2025 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में संयुक्त रूप से अपराधियों, असामाजिक तत्वों और नक्सलियों के विरूद्ध सार्थक कार्रवाई करने के साथ साथ अवैध शराब, मादक पदार्थ, अवैध आग्नेयास्त्र, अवैध धन के अन्तर्राज्यीय संचरण की रोकथाम और अन्तर्राज्यीय चेक पोस्ट स्थापित करने के संबंध में व्यापक रूप से समीक्षा की गई.

बार्डर इलाके में सतर्कता

घाटशिला निर्वाचन क्षेत्र के सीमावर्ती जिलों में पश्चिम बंगाल का झारग्राम और पुरुलिया, ओडिशा राज्य के सीमावर्ती जिला मयूरभंज में विशेष रूप से मिरर चेक पोस्ट सक्रिय करने, अंतर्राज्यीय वांछित अपराधियों, वारंटियों, हिस्ट्रीशीटरों के बारे में संयुक्त रूप से वांछित कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया. इनके अलावा इन अपराधियों की आसूचना साझा करते हुये सक्रिय अंतर्राज्यीय संगठित अपराध एवं आपराधिक गिरोहों के विरूद्ध संयुक्त कारगर कार्रवाई करने की कार्ययोजना के रूप-रेखा पर ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल के पुलिस पदाधिकारियों को सहयोग करने के लिए अनुरोध किया गया.

बैठक में कौन-कौन हुए शामिल

इस बैठक में झारखंड पुलिस की ओर से धनंजय कुमार सिंह, पुलिस उप-महानिरीक्षक, चुनाव कोषांग, पुलिस मुख्यालय, झारखंड, अश्विनी कुमार सिन्हा, पुलिस उप-महानिरीक्षक, चुनाव कोषांग, पुलिस मुख्यालय, झारखंड भौतिक रूप से एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनुरंजन किस्पोट्टा, क्षेत्रीय डीआईजी, चाईबासा, पीयुष पाण्डेय, वरीय पुलिस अधीक्षक, जमशेदपुर, डॉ० सत्यजीत नायक, पुलिस उप-महानिरीक्षक केंद्रीय क्षेत्र, ओडिशा, वरूण गुंटूपल्ली, पुलिस अधीक्षक, मयूरभंज, ओडिशा, अभिजीत बनर्जी, पुलिस अधीक्षक, पुरूलिया, पश्चिम बंगाल, अरिजीत सिन्हा, पुलिस अधीक्षक, झाड़ग्राम, पश्चिम बंगाल उपस्थित रहे.

कुड़मी की एसटी मांग के विरोध में आदिवासियों का महाजुटान 12 को

मोरहाबादी से निकलेगी विशाल रैली, डॉ रामदयाल मुंडा फुटबॉल मैदान में होगी जनसभा

रांची, संवाददाता ।

कुड़मी समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) की मांग के विरोध में आदिवासी समाज एकजुट हो रहा है. आदिवासी अस्तित्व बचाओ मोर्चा के बैनर तले 12 अक्तूबर को विशाल रैली निकाली जाएगी. रैली मोरहाबादी मैदान से शुरू होकर डॉ रामदयाल मुंडा फुटबॉल मैदान तक पहुंचेगी, जहां जनसभा का आयोजन होगा. कार्यक्रम की जानकारी केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की और सामाजिक कार्यकर्ता ग्लैडसन डुंगडुंग ने शुक्रवार को दी. अजय तिर्की ने कहा कि यह आंदोलन केवल आरक्षण का नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता और अस्तित्व की रक्षा का संघर्ष है. अजय तिर्की ने बताया कि आदिवासी महाजुटान के स्थान में बदलाव की घोषणा की है. अब यह आयोजन पद्मश्री डॉ राम दयाल मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोरहाबादी में किया जाएगा. यह स्थल परिवर्तन प्रशासनिक सुविधा और जनसहभागिता को ध्यान में रखकर किया गया है. ग्लैडसन डुंगडुंग ने कहा कि कुड़मी समाज झूठा नैरेटिव फैला रहा है और खुद को राढ़ सभ्यता से जोड़कर भ्रम पैदा कर रहा है. उन्होंने बताया कि आदिवासी समाज ने ऐतिहासिक दस्तावेजों के साथ यह साबित किया है कि कुड़मी कभी भी अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में नहीं रहे हैं. इसके बावजूद वे जबरन एसटी दर्जा पाने के लिए आंदोलन कर रहे हैं, जो पूरी तरह असंवैधानिक है. उन्होंने आरोप लगाया कि कुड़मी नेताओं को केवल चुनाव के समय आदिवासियों की याद आती है, जबकि वे सामाजिक और संवैधानिक संस्थाओं को मानने से इंकार करते हैं. डुंगडुंग ने कहा कि यह आरक्षण या सुविधा की लड़ाई नहीं, बल्कि आदिवासियों के अस्तित्व, पहचान और सम्मान की लड़ाई है. मौके पर प्रकाश हंस, दिनेश मुंडा, विजय करमाली, मनोज मुंडा मिट्ठू, रुपलाल मांझी, भोला मुर्मू, बहाराम मुर्मू, सुनिल टूडू, गोवरधन मरांडी और सेवा लाल मांझी समेत कई समाजसेवी मौजूद थे.

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का औचक निरीक्षण, बिना बिल दवा बेचने पर लगाई रोक

रांची, संवाददाता ।

मध्यप्रदेश में खांसी की दवा पीने से बच्चों की मौत के बाद झारखंड सरकार अलर्ट हो गई है. इसी क्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने आज रांची के अल्बर्ट एक्का चौक स्थित जय हिन्द फार्मा का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान मंत्री ने करीब 20 खांसी की सिरप समेत कई अन्य दवाओं को जांच के लिए जब्त किया. स्वास्थ्य मंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि झारखंड में स्वास्थ्य के साथ कोई खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने कहा कि मैं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से पूछता हूं कि जिन बच्चों की मौत हुई, उनकी जवाबदेही कौन लेगा. डॉ अंसारी ने कहा कि झारखंड में इस तरह की लापरवाही नहीं होने दी जाएगी. यदि जांच में कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी. साथ ही उन्होंने सभी मेडिकल दुकानों को बिना बिल दवा देने से सख्ती से मना किया है. उन्होंने कहा कि लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ विभाग सख्त रुख अपनाएगा. जनता की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है.

रांची विश्वविद्यालय ने बंद किया चांसलर पोर्टल, अब नहीं होगा स्नातक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन नामांकन

रांची, संवाददाता ।

रांची विश्वविद्यालय में इस वर्ष स्नातक में दाखिले को लेकर छात्रों में जबरदस्त उत्साह दिखा. विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, इस शैक्षणिक सत्र में कुल 71,840 आवेदन प्राप्त हुए.वहीं विश्वविद्यालय से संबद्ध 39 कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए लगभग 45,000 सीटें निर्धारित हैं. अब तक 41,356 विद्यार्थियों का नामांकन पूरा किया जा चुका है, जबकि शेष सीटों को लेकर अब विश्वविद्यालय ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से स्थिति स्पष्ट कर रहा है. रांची विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया पूरी करने के साथ-साथ अब ध्यान शैक्षणिक सत्र को नियमित करने पर केंद्रित किया गया है. इसी उद्देश्य से फिलहाल चांसलर पोर्टल को बंद कर दिया गया है. पिछले कुछ वर्षों से नामांकन में हो रही देरी के कारण सत्र लगातार पीछे खिसक रहा था. विश्वविद्यालय प्रबंधन ने अब इस समस्या को प्राथमिकता से दूर करने की दिशा में कदम उठाया है.

रांची यूनिवर्सिटी के डीएसडब्ल्यू ने दी जानकारी

इस संबंध में रांची विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू सुदेश कुमार साहू ने बताया कि विश्वविद्यालय का सत्र काफी लेट हो चुका है और इसे अब नियमित करना प्रशासन की प्राथमिकता है. उन्होंने कहा, इस बार विश्वविद्यालय ने समय पर नामांकन की प्रक्रिया रोककर आगे का शैक्षणिक कैलेंडर समयबद्ध करने का निर्णय लिया है. नियमित सत्र से न केवल शिक्षण कार्य समय पर पूरा होगा, बल्कि छात्रसंघ चुनाव भी तय समय पर कराए जा सकेंगे.

ग्रामीण क्षेत्र के कॉलेजों में अब भी खाली हैं सीटें

विश्वविद्यालय की रिपोर्ट के अनुसार, शहरी क्षेत्र के लगभग सभी कॉलेजों में सीटें भर चुकी हैं, लेकिन कुछ ग्रामीण इलाकों के कॉलेजों में अब भी कई सीटें खाली हैं. विशेष रूप से कुछ सामान्य पाठ्यक्रमों और वोकेशनल सब्जेक्ट्स में सीटें खाली हैं. इस स्थिति को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने ग्रामीण क्षेत्रों के कॉलेजों को ऑफलाइन नामांकन की अनुमति दी है. अधिकारियों का कहना है कि जिन कॉलेजों में सत्र की शुरूआत नहीं हो पाई है। वहां नामांकन प्रक्रिया पूरी होते ही कक्षाएं शुरू कर दी जाएंगी. विश्वविद्यालय ने सभी कॉलेजों को यह भी निर्देश दिया है कि वे नामांकन के बाद तुरंत क्लास संचालन की रिपोर्ट विश्वविद्यालय को भेजें, ताकि सत्र में और देरी न हो. रांची विश्वविद्यालय का प्रयास है कि आने वाले शैक्षणिक वर्षों में नामांकन, परीक्षा और परिणाम की प्रक्रिया तय समय पर पूरी की जाए. बीते वर्षों में कोविड-19 और तकनीकी कारणों से विश्वविद्यालय का सत्र लगातार पिछड़ता गया था. जिसके चलते परीक्षा में विलंब और छात्रसंघ चुनाव में भी बाधा उत्पन्न हुई थी. इस वर्ष विश्वविद्यालय प्रशासन ने पहले से ही शैक्षणिक कैलेंडर तैयार कर लिया है और सभी कॉलेजों को इसका पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है. सेशन नियमित होने से छात्रों को सबसे बड़ी राहत मिलेगी. समय पर परीक्षा और परिणाम जारी होने से उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में उन्हें सुविधा मिलेगी.

सीसीएल जन आरोग्य केंद्र, गांधीनगर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

रांची, संवाददाता ।

रांची के गांधीनगर कॉलोनी में आज सीसीएल जन आरोग्य केंद्र की ओर से एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया शिविर में 119 लोगों की जांच की गई और डॉक्टरों ने मरीजों को जरूरी सलाह और दवाएं दीं. जांच में खास तौर पर हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) की जांच की गई. सभी को दवाएं भी मुफ्त में दी गई. सीसीएल समय-समय पर ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित करता है ताकि आसपास के लोगों और जरूरतमंदों को बेहतर इलाज मिल सके.शिविर को सफल बनाने में डॉ. प्रीति तिग्गा (सीएमओ, सीएसआर इंचार्ज) के साथ डॉ. अनिता होरो, डॉ. अनिता कुमारी, डॉ. नीलू कुमारी, डॉ. अम्बरीश, डॉ. शिल्पी झा, डॉ. आशिमा, डॉ. पायल, डॉ. बेंजामिन, मुन्ना कुमार सिंह, कमलेश पंडित और सभी पैरामेडिकल स्टाफ का अहम योगदान रहा।

सेंट जेवियर्स स्कूल में 'प्रोजेक्ट साईन' पायलट प्रोजेक्ट का सफल समापन

रांची, संवाददाता ।

सेंट जेवियर्स स्कूल डोरंडा में 'प्रोजेक्ट साईन' पायलट परियोजना का चौथा और अंतिम मूल्यांकन दिवस सफलता पूर्वक संपन्न हुआ. यह पायलट प्रोजेक्ट काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन्स द्वारा संचालित एक नवाचारी पहल है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को और अधिक समग्र, रुचिकर और विद्यार्थीकेंद्रित बनाना है. आज कक्षा 3 के विद्यार्थियों ने डिजिटल और गेम-आधारित मूल्यांकन में अत्यंत उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लिया. मूल्यांकन प्रक्रिया को पूरी तरह से तनाव-मुक्त, सहभागितापूर्ण और शिक्षाप्रद बनाने का प्रयास किया गया. विद्यालय के प्राचार्य फादर फुलदेव सोरेंग एसजे ने कहा सेंट जेवियर्स स्कूल का इस पायलट परियोजना के लिए चयन होना हमारे लिए गौरव की बात है. यह पहल विद्यार्थियों में आत्ममूल्यांकन की भावना जगाने और उन्हें 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक सशक्त प्रयास है. उन्होंने इसे सीखने और आत्मविकास की यात्रा बताया, जिसमें शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी तीनों की समान भागीदारी है. फाजर सोरेंग ने अभिभावकों से इस पहल को गंभीरता से लेने और विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से सहयोग देने की अपील की. इस परियोजना के सफल संचालन और तकनीकी समन्वय की ज़िम्मेदारी डॉ. संतोष कुमार, विभागाध्यक्ष - कंप्यूटर साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने निभाई. उन्होंने बताया कि कक्षा 3, 6 और 9 के छात्रों का मूल्यांकन डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किया गया, जिससे उनकी व्यक्तिगत प्रगति और कौशलों का विश्लेषण सटीक रूप से किया जा सका. विद्यालय प्रशासन ने स्थानीय मीडिया का भी आभार प्रकट किया, जिन्होंने परियोजना के हर चरण को समर्पित रूप से कवर किया और इसे एक सकारात्मक मंच प्रदान किया.फादर सोरेंग ने अंत में कहा कि सेंट जेवियर्स स्कूल विद्यार्थियों के समग्र विकास और मूल्य-आधारित शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और प्रोजेक्ट साईन इस दिशा में एक अहम मील का पत्थर है.

दिवाली-छठ पर विधि-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर डीजीपी की बैठक 13 को

रांची, संवाददाता ।

आगामी दीपावली और छठ महापर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध की रोकथाम को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक होगी. यह बैठक 13 अक्टूबर को शाम चार बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगी, जिसकी अध्यक्षता डीजीपी अनुराग गुप्ता करेंगे. बता दें कि फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के विशेष अनुरोध पर यह हाई लेवल बैठक आयोजित की जा रही है. इस बैठक मुख्य उद्देश्य दीपावली और छठ महापर्व के मद्देनजर राज्य में शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करना और किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाना है. डीजीपी ने सभी एसपी को निर्देश दिया है कि वे बैठक से पहले अपने-अपने जिले के चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करें. इसका उद्देश्य उनकी समस्याओं, सुझावों और चिंताओं को जानना और उन्हें आगामी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में प्रस्तुत करना है. अपरिहार्य कारणों से यदि कोई एसएसपी, एसपी बैठक में शामिल नहीं हो पाते हैं, तो वे जिले के किसी वरीय अधिकारी को अपनी ओर से बैठक में शामिल होने के लिए नामित करेंगे. यह बैठक राज्य में पुलिस और व्यापारिक समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, ताकि त्योहारी सीजन में आम जनता और व्यापारियों दोनों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सके.

पारस एचईसी हॉस्पिटल में बिना चीर-फाड़ के गॉलब्लैडर और आंत के कैंसर का सफल इलाज

डुओडनल और बाइलरी स्टेंटिंग तकनीक से मरीजों को मिली राहत

रांची, संवाददाता ।

हाल के वर्षों में गॉलब्लैडर (पित्ताशय) और आंत के कैंसर के मामले तेजी से बढ़े हैं। इन कैंसरों में मरीजों को अक्सर दो प्रमुख समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इनमें आहार मार्ग में रुकावट और पित्त नली में रुकावट। जब तक इन रुकावटों को दूर नहीं किया जाता, तब तक कैंसर का आगे का उपचार जैसे कीमोथेरेपी या रेडियोथेरेपी संभव नहीं हो पाता। अब पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची में इन दोनों रुकावटों का सफल इलाज बिना किसी सर्जरी या चीर-फाड़ के किया जा रहा है। यह प्रक्रिया स्टेंट के माध्यम से की जाती है, जिसे डुओडनल स्टेंटिंग कहा जाता है। पिछले छह महीनों में अस्पताल में चार मरीजों का सफलतापूर्वक डुओडनल स्टेंटिंग किया जा चुका है।

पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी विभाग के ब्रिगेडियर डॉ आलोक चंद्रा ने कहा कि कैंसर के मरीजों में रुकावट एक बड़ी समस्या होती है। जब आहार या पित्त मार्ग अवरुद्ध हो जाता है, तो मरीज न तो भोजन कर पाते हैं और न ही कीमोथेरेपी या रेडियोथेरेपी आगे बढ़ पाती है। डुओडनल और बाइलरी स्टेंटिंग जैसी आधुनिक तकनीक से हम बिना चीर-फाड़ के इन रुकावटों को दूर कर मरीजों की जीवन गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार ला रहे हैं। डुओडनल स्टेंटिंग एक न्यूनतम इनवेसिव (बिना सर्जरी वाली) प्रक्रिया है जिसमें एक पतली नली (स्टेंट) को आहार मार्ग या पित्त नली में डाला जाता है ताकि रुकावट को खोला जा सके और भोजन या पित्त का प्रवाह सामान्य हो सके।

डॉ चंद्रा ने कहा कि इस प्रक्रिया में प्लास्टिक या मेटल स्टेंट का उपयोग किया जाता है। प्लास्टिक स्टेंट लगभग 3 महीने तक प्रभावी रहता है। मेटल स्टेंट 1.5 से 2 साल तक कायम रहता है। पारस हॉस्पिटल की यह पहल उन कैंसर पीड़ित मरीजों के लिए राहत का संदेश है जो रुकावट की समस्या के कारण आगे का उपचार नहीं करा पाते थे। अब वे अपना इलाज करवा सकते हैं, बल्कि आगे की कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी भी सुगमता से करवा सकते हैं। पारस हॉस्पिटल के फैसिलिटी निदेशक डॉक्टर नीतेश कुमार ने कहा कि पारस हॉस्पिटल में आयुष्मान भारत योजना और राज्य सरकार के स्वास्थ्य योजना के लाभार्थियों का इलाज किया जा रहा है। कैंसर के मरीज यहां सरकार के स्वास्थ्य योजना के तहत इलाज करवा सकते हैं। एक ही छत के नीचे कैंसर से जुड़ी सभी बीमारियों का इलाज अनुभवी डॉक्टरों के द्वारा किया जा रहा है।

तीन साल बाद रांची में अंतरराष्ट्रीय वनडे, 30 नवंबर को भिड़ेंगी भारत और दक्षिण अफ्रीका

रांची, संवाददाता ।

झारखंड की राजधानी एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के रोमांच से सराबोर होने वाली है. लगभग तीन साल के लंबे अंतराल के बाद रांची के झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन इंटरनेशनल स्टेडियम में वनडे मुकाबला आयोजित किया जा रहा है. यह मैच भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला होगा, जो 30 नवंबर 2025 को खेला जाएगा. यह मुकाबला झारखंड के क्रिकेट प्रेमियों के लिए उत्साह का बड़ा मौका लेकर आया है. पिछली बार अक्टूबर 2022 में भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें इसी मैदान पर आमने-सामने आई थीं, जिसमें भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 विकेट से जीत दर्ज की थी. अब एक बार फिर वही इतिहास दोहराने के लिए टीम इंडिया तैयार है. भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज के तहत दूसरा वनडे 3 दिसंबर को रायपुर और तीसरा 6 दिसंबर को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा. इस दौरे में तीनों प्रारूपों टेस्ट, वनडे और टी20 के मैच शामिल हैं. झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों ने बताया कि यह मैच रांची के लिए गर्व का क्षण है. इसके साथ ही यह भी संकेत दिया कि जनवरी 2026 में भारत दौरे पर आने वाली न्यूजीलैंड टीम के कार्यक्रम में भी रांची को एक और अंतरराष्ट्रीय मुकाबला मिलने की संभावना है.

मैच से पांच दिन पहले शुरू होगी टिकट बिक्री

भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे मुकाबले के लिए टिकट बिक्री की प्रक्रिया मैच से पांच दिन पहले शुरू होगी. दर्शक स्टेडियम के वेस्ट गेट के पास स्थित टिकट काउंटर से टिकट खरीद सकेंगे. फिलहाल, ऑनलाइन टिकट बिक्री को लेकर खरउअ ने अंतिम निर्णय नहीं लिया है. पिछली प्रतियोगिताओं की तरह इस बार भी टिकट बिक्री, सुरक्षा व्यवस्था और दर्शकों की सुविधा के लिए समान प्रणाली लागू रहेगी. स्टेडियम प्रबंधन ने बताया कि पिच, ग्राउंड स्टाफ और आउटफील्ड का काम पूरा कर लिया गया है. मैदान की स्थिति अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है और दर्शकों के बैठने की व्यवस्था को भी बेहतर बनाया गया है. स्टेडियम के आसपास पार्किंग, सुरक्षा जांच और एंट्री गेटों पर भीड़ प्रबंधन के लिए विस्तृत योजना तैयार की जा रही है.

महिला क्रिकेट में भी खास रहा मैदान

जेएससीए स्टेडियम सिर्फ पुरुष अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ही नहीं, बल्कि महिला क्रिकेट के लिए भी अहम रहा है. यहां अब तक तीन वनडे और तीन टी20 महिला अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित हो चुके हैं. झारखंड की महिला क्रिकेटर शिखा पांडे, रश्मि कुमारी और पूजा वैद्य, प्रियंका सवैया जैसे खिलाड़ियों में इसी मैदान से निखार आया है.

खेल प्रेमियों में उत्साह

झारखंड के क्रिकेट प्रेमियों में इस मैच को लेकर जबरदस्त उत्साह है. रांची और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है. होटल और ट्रैवल एजेंसियों में अग्रिम बुकिंग शुरू हो चुकी है. खरउअ ने भी दर्शकों की सुविधा के लिए विशेष बस सेवा और पार्किंग प्लान तैयार करने की जानकारी दी है. स्टेडियम में करीब 38000 दर्शकों के बैठने की क्षमता है. जेएससीए प्रबंधन का कहना है कि यह मुकाबला रांची के लिए एक यादगार आयोजन होगा, जो राज्य में क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव और खेल के प्रति लोगों के जुनून को दर्शाएगा.

औचक निरीक्षण से उड़ी नींद – डॉ. इरफान अंसारी ने दी कड़ी चेतावनी: स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ नहीं चलेगा!

स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं – मंत्री ने कफ-सिरप पर त्वरित जांच और सख्त कार्रवाई का एलान किया

- फर्जी दवाओं पर 'नो टॉलरेंस' – जय हिंद फार्मा से नमूने जब्त, पूरे राज्य में अभियान शुरू
- दवा मानक पर स्टेट ऑफ इमरजेंसी ड्रग्स निदेशालय को जांच रिपोर्ट तुरंत सौंपने के निर्देशश्
- डॉ. इरफान का क्लियर संदेश: स्वास्थ्य से समझौता नहीं – जो भी दोषी पाया जाएगा, सख्त दण्ड
- दवा उद्योग को चेतावनी: झारखंड में अब कोई गड़बड़ी नहीं चलेगी – मंत्री ने की कार्रवाई की घोषणा

संवाददाता । रांची

रांची:झारखंड के माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने आज रांची स्थित जय हिंद फार्मा मेडिकल दुकान का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने दुकान में उपलब्ध सभी कंपनियों के कफ सिरप के सैम्पल प्राप्त कर राज्य ड्रग्स निदेशक को सुपुर्द किया और निर्देश दिया कि सभी नमूनों की गुणवत्ता जांच शीघ्र की जाए तथा अभिलंब जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

डॉ. अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि झारखंड के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और मानक के अनुरूप दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसी दिशा में आज से पूरे राज्य में एक विशेष अभियान की शुरूआत की गई है, जिसके तहत सभी मेडिकल स्टोर्स, थोक विक्रेताओं और दवा डिपो का औचक निरीक्षण किया जाएगा।

मंत्री ने सभी ड्रग्स पदाधिकारियों और मेडिकल स्टोर संचालकों को सख्त निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, डुप्लीकेसी या फर्जी दवा बिक्री को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने पर संबंधित स्टोर को तुरंत सील किया जाएगा, लाइसेंस रद्द किया जाएगा और आवश्यकतानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. अंसारी ने कहा की ह्लस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर नहीं होने दूंगा। बहुत मुश्किल से पूरे राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए मैं दिन-रात मेहनत कर रहा हूं। मेरा आग्रह है कि सभी अधिकारी, मेडिकल संचालक और जनता इस मुहिम में मेरा साथ दें। जो भी गलत कार्य में शामिल हैं, वे तुरंत सचेत हो जाएं – अन्यथा कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य के प्रत्येक जिले में ड्रग्स निरीक्षण टीमें गठित की जा रही हैं, जो बाजार में उपलब्ध सभी कफ सिरप, एंटीबायोटिक और पेन रिलीवर दवाओं का नमूना लेकर जांच करेंगी।उन्होंने बताया कि राज्य ड्रग्स निदेशालय को निर्देश दिए गए हैं कि वे 24 घंटे के भीतर प्राथमिक जांच रिपोर्ट और 72 घंटे के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

फर्जी दवाओं पर नो टॉलरेंस रांची के जय हिंद फार्मा से नमूने जब्त,

पूरे राज्य में अभियान शुरू

संवाददाता । रांची

रांची : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने रांची के शहीद अलबर्ट एक्का चोक स्थित जय हिंद फार्मा मेडिकल दुकान का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने दुकान में उपलब्ध सभी कंपनियों के कफ सिरप के सैम्पल प्राप्त कर राज्य ड्रग्स निदेशक को सुपुर्द किया और निर्देश दिया कि सभी नमूनों की गुणवत्ता जांच शीघ्र की जाए तथा अभिलंब जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

डॉ. अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि झारखंड के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और मानक के अनुरूप दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसी दिशा में आज से पूरे राज्य में एक विशेष अभियान की शुरूआत की गई है, जिसके तहत सभी मेडिकल स्टोर्स, थोक विक्रेताओं और दवा डिपो का औचक निरीक्षण किया जाएगा। मंत्री ने सभी ड्रग्स पदाधिकारियों और मेडिकल स्टोर संचालकों को सख्त निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, डुप्लीकेसी या फर्जी दवा बिक्री को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने पर संबंधित स्टोर को तुरंत सील किया जाएगा, लाइसेंस रद्द किया जाएगा और आवश्यकतानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. अंसारी ने कहा की स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर नहीं होने दूंगा। बहुत मुश्किल से पूरे राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए मैं दिन-रात मेहनत कर रहा हूं। मेरा आग्रह है कि सभी अधिकारी, मेडिकल संचालक और जनता इस मुहिम में मेरा साथ दें। जो भी गलत कार्य में शामिल हैं, वे तुरंत सचेत हो जाएं अन्यथा कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य के प्रत्येक जिले में ड्रग्स निरीक्षण टीमें गठित की जा रही हैं, जो बाजार में उपलब्ध सभी कफ सिरप, एंटीबायोटिक और पेन रिलीवर दवाओं का नमूना लेकर जांच करेंगी।उन्होंने बताया कि राज्य ड्रग्स निदेशालय को निर्देश दिए गए हैं कि वे 24 घंटे के भीतर प्राथमिक जांच रिपोर्ट और 72 घंटे के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग को मिली एम.एससी. नर्सिंग की मान्यता

संवाददाता । रांची

मांडर : मांडर स्थित भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, कन्दरी, रांची के अंतर्गत संचालित सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग को झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग और झारखंड परिचारिका परिषद् से एम.एससी. नर्सिंग कोर्स प्रारंभ करने की मान्यता प्राप्त हो गई है।संस्था के सचिव श्री नितिन परासर ने बताया कि कॉलेज इस नए कोर्स को संचालित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। महाविद्यालय में अनुभवी शिक्षकगण, आधुनिक कक्षाएं, पुस्तकालय, व्यावहारिक प्रयोगशालाएँ, कंप्यूटर लैब, सभागार, परिवहन सुविधाएँ और रांची के विभिन्न अस्पतालों में प्रशिक्षण हेतु क्लीनिकल पोस्टिंग उपलब्ध है। इसके साथ ही कॉलेज में कैंपस चयन और प्लेसमेंट की सुविधाएं भी प्रदान की जाएँगी।यह कदम नर्सिंग शिक्षा के क्षेत्र में मांडर और आसपास के क्षेत्रों के छात्रों के लिए नई संभावनाओं का मार्ग खोल रहा है।

आंदोलनकारियों ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया अबुआ हेमंत की उदारता व आंदोलनकारियों के संघर्ष से संभव हुआ प्रक्रिया ; पुष्कर महतो

संवाददाता । रांची

रांची : झारखंड आंदोलनकारियों के पुत्र पुत्री के लिए हेमंत सोरेन सरकार द्वारा झारखंड राज्य के गठन हेतु किए गए आंदोलनकारियों के आश्रितों ,पुत्र - पुत्री, पोता- पोती के नियुक्ति कॉलम अलग से आदर्श जाने पर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने आभार व्यक्त किया है. यहां नियुक्ति कॉलम झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के द्वारा मान्यता दिए दी गई है. राज्य सरकार के प्रत्येक नियुक्ति में कॉलम अलग से दशार्या जाएगा. तृतीय वर्ग एवं चतुर्थ वर्ग की सभी नियुक्ति में यह कॉलम अंकित रहेगा जब तक झारखंड के चिन्हित एक-एक आंदोलनकारी के पुत्र - पुत्री, पोता - पोती की नियुक्ति समाप्त नहीं हो जाते हैं.वर्तमान में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के द्वारा विज्ञापन संख्या 7./ 2025 झारखंड कक्षपाल प्रतियोगिता परीक्षा 2025 से ही यह लागू होगा.उक्त जानकारी झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य प्रताप चंद्र किचिंगिया ने झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो एवं उपाध्यक्ष इजहार राही के साथ लगभग 4 घंटे बातचीत के दौरान पूर्ण जानकारियां दी गई. किचिंगिया ने बताया कि राज्य सरकार,गृह कारा आपदा प्रबंधन विभाग, 28अप्रैल 2025 को गजट नोटिफिकेशन के द्वारा 5 प्रतिशत क्षैतिज के आधार पर तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग की नियुक्तियों में लिया जाएगा. यह आंदोलनकारियों का अधिकार है. पूरे पारदर्शिता के साथ आंदोलनकारियों के आश्रित ,पुत्र- पुत्रियों की नियुक्तियां लिए जाएंगे. आयोग द्वारा उन्हें आवश्यकता अनुसार सहयोग भी किए जाएंगे.मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो , उपाध्यक्ष इजहार राही, जबीउल्लाह अंसारी, जिला अध्यक्ष सुबोध कुमार लकड़ा व पुष्पा बारदेवा ने आज अंजुमन इस्लामिया कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उक्त जानकारी दी.प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि अबुआ हेमंत सरकार की उदारता व आंदोलनकारियों केसंघर्ष से संभव हुआ है ।

प्रोफेसर सलाहुद्दीन अंसारी के निधन पर

झारखंड लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. जमाल अहमद ने प्रोफेसर सलाहुद्दीन अंसारी के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की

वह हमारे हृदय में सदैव जीवित रहेंगे

संवाददाता । रांची

रांची ।शुक्रवार, 10 अक्टूबर को झारखंड लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. जमाल अहमद ने प्रोफेसर सलाहुद्दीन अंसारी के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को एक दुखद समाचार प्राप्त हुआ कि प्रसिद्ध समाजसेवी और पूर्व सांसद, महामहिम प्रोफेसर सलाहुद्दीन साहब का उनके आवास पर निधन हो गया।ईश्वर की बनाई सृष्टि उनके निधन पर शोक व्यक्त कर रही है। वे एक प्रसिद्ध समाजसेवी, सहृदय शिक्षक और विश्वसनीय राजनीतिक नेता थे। उन्होंने समाज की भलाई के लिए दूसरों की मदद करने, कल्याण को बढ़ावा देने और सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए कदम उठाए, सामाजिक समस्याओं के समाधान और जरूरतमंदों की मदद के लिए अपनी सेवाएं दीं, जिससे सामाजिक सद्भाव और विकास को बढ़ावा मिला। साथ ही, वे एक महान शिक्षक, सहृदय नेता और एक नैतिक व्यक्ति थे जिन्होंने न केवल ज्ञान का प्रसार किया बल्कि छात्रों के चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हम उनके मार्गदर्शन, प्रेम और शिक्षण शैली को सदैव याद रखेंगे। एक शिक्षक के रूप में उनकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकती। हम इस महान राजनीतिक नेता के निधन पर गहरा दुख और शोक व्यक्त करते हैं। उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का अंत है। उन्होंने अपना जीवन राष्ट्र, जनता और देश की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके नेतृत्व, सिद्धांतनिष्ठा और निस्वार्थ सेवा को सदैव स्मरण किया जाएगा। आप केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय नेता, एक विचारशील व्यक्ति और आशा के प्रतीक थे। आपकी सोच में विशालता, आपके निर्णयों में दूरदर्शिता और आपके कार्यों में ईमानदारी थी। आपका व्यक्तित्व आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकाश स्तंभ बना रहेगा। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को क्षमा करें, उन्हें जन्नत में सर्वोच्च स्थान प्रदान करें और उनके परिवार, प्रियजनों और समस्त राष्ट्र को धैर्य प्रदान करें। वह हमारे हृदय में सदैव जीवित रहेंगे।

गरीबों के थाली में फिर लौटेगी मिठास मंत्री डॉ. इरफान अंसारी

संवाददाता । रांची

रांची:यह विभाग सीधे जनता की थाली से जुड़ा है, लापरवाही बर्दाश्त नहीं – समीक्षा बैठक में सख्त हुए खाद्य आपूर्ति मंत्री

दिवाली से पहले हर गरीब परिवार को चीनी, दाल और धोती-साड़ी – मंत्री बोले, जनता को तकलीफ हुई तो मैं चैन से नहीं बैठूंगा

केंद्र की बेरुखी पर झारखंड सरकार का प्रहार – राज्य खुद खरीदेगा दाल, जल्द मिलेगी राहत

झारखंड के खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने आज विभागीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि यह विभाग सीधे जनता की रसोई से जुड़ा हुआ है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा झ *ह्लअगर हमारी जनता को कष्ट होगा, तो मैं चैन से नहीं बैठूंगा।

मंत्री ने कहा कि राज्य के लगभग 9 लाख गरीब परिवारों को पिछले 9 महीनों से चीनी नहीं मिल पा रही थी, लेकिन अब सरकार ने निर्णय लिया है कि दिवाली से पहले हर गरीब परिवार की थाली में मिठास लौटेगी। उन्होंने कहा कि चीनी आपूर्तिकताओं को सख्त निर्देश दिए गए हैं ताकि त्योहार के समय किसी को परेशानी न हो।

मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र की उदासीनता के कारण दाल की आपूर्ति में देरी हो रही है। कई बार पत्राचार के बावजूद केंद्र ने इस पर गंभीरता नहीं दिखाई है, ऊपर से राज्य का कोटा भी कम कर दिया गया है। इसके बावजूद राज्य सरकार ने खुद से दाल खरीद के लिए निविदा जारी कर दी है, ताकि जल्द हर लाभुक को दाल उपलब्ध कराई जा सके।

मंत्री ने बताया कि दिवाली से पहले हर अंत्योदय परिवार के घर धोती, साड़ी और लूंगी पहुंचा दी जाएगी। इस बार इन वस्त्रों के साथ गुरुजी की तस्वीर भी दी जाएगी, जो राज्य की परंपरा और सम्मान का प्रतीक है।बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए –

¦NFSA IYf DSD एवं वितरण अक्टूबर माह में मिशन मोड में कराने का निर्देश ताकि त्योहारों के समय किसी को अनाज की कमी न हो।

॰चीनी आपूर्ति को लेकर सख्त आदेश, त्योहार से पहले सभी जिलों में सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए।

॰जिन पाँच जिलों में धोती/लुंगी/साड़ी वितरण में विलंब हुआ है, वहाँ गति बढ़ाने का निर्देश दिया गया।

॰6,12,489 अपात्र राशन कार्डधारियों को हटाकर 7,92,545 नए योग्य लाभुकों को जोड़ा गया, जिससे पात्र परिवारों को अब लाभ मिलेगा।

॰प्रत्येक जिले में 100 गंभीर/असाध्य रोगियों के लिए विशेष कोटा सुरक्षित रखने का आदेश दिया गया, ताकि उन्हें समय पर इलाज के लिए राहत मिल सके।

ए-ढडर मशीनों के उन्नयन हेतु अगले तीन माह में 4ॠमशीनों की आपूर्ति और स्थापना का आदेश दिया गया।

॰गढ़वा के केतार गोदाम से चावल/खाद्यान्न की कथित गबन पर उपायुक्त गढ़वा से विस्तृत रिपोर्ट माँगी गई है।मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनता के हित में लगातार काम कर रही है और हर गरीब के थाली तक भोजन, चीनी, दाल और वस्त्र पहुँचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ब्रीफ न्यूज

पुलिस और राहुल दुबे गैंग के बीच मुठभेड़, 2 अपराधियों को लगी गोली, हथियार का जखीरा बरामद

संवाददाता । रांची

रांची : रांची पुलिस और राहुल दुबे गैंग के बीच मुठभेड़, 2 अपराधियों को लगी गोली, हथियार का जखीरा बरामद ।घटनास्थल पर पहुंचे रांची एसएसपी। अपराधी किसी कारोबारी को मारने की योजना बना कर पहुंचे थे,उससे पहले रांची पुलिस ने बड़ी घटना को टाल दिया।रांची के रातू इलाके में हुए इस एनकाउंटर में पुलिस ने हथियारों का बड़ा जखीरा भी जब्त किया है। दोनों बदमाशों के एनकाउंटर के बाद मौके से 10 पिस्टल बरामद की गई है ।रातू में कोकडेटांड के पास शुक्रवार सुबह करीब पुलिस और राहुल दुबे गैंग के बीच मुठभेड़ की घटना हुई है। जिसमें दो अपराधी घायल है। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में राहुल दुबे गैंग के दो अपराधियों को गोली लगी हुई है वहीं पुलिस ने घटनास्थल से भारी संख्या में हथियार का जखीरा बरामद किया है।

उल्लेखनीय है कि रांची के एसएसपी राकेश रंजन को सूचना मिली थी कि राहुल दुबे गैंग के कुछ अपराधी खलारी इलाके में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने वाले हैं। इस सूचना पर अपराधियों को पकड़ने के लिये एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया पुलिस की टीम जैसे ही रातू से खलारी रोड इलाके में पहुंची अपराधियों ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी।अपराधियों द्वारा फायरिंग किये जाने के बाद पुलिस की तरफ से भी जवाबी फायरिंग की हुई है इस जवाबी कार्रवाई में दो अपराधियों को गोली लगी है। वहीं पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में हथियार का जखीरा बरामद किया है पुलिस आसपास के क्षेत्र में सघन अभियान चला रही है।

डी ए वी नीरजा सहाय पब्लिक स्कूल में सड़क सुरक्षा पर सेमिनार का हुआ आयोजन

संवाददाता । रांची

रांची : आज दिनांक 10 अक्टूबर 2025 दिन शुक्रवार को कांके स्थित डी ए वी नीरजा सहाय पब्लिक स्कूल में समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट कि ओर से सड़क सुरक्षा पर जागरूकता हेतु एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 10 एवं कक्षा 11 के सैकड़ों छात्र छात्राओ ने इस सेमिनार में भाग लिया ।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर रांची के ट्रैफिक डीएसपी श्री प्रमोद केशरी जी , डी ए वी नीरजा सहाय पब्लिक स्कूल कि प्राचार्या श्रीमती किरण यादव एवं जिला सड़क सुरक्षा अभियंता रांची श्री गौरव कुमार जी उपस्थित थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, नटराज योग संस्थान के निदेशक आर्य प्रहलाद भगत जी उपस्थित थे ।इस सेमिनार में छात्र - छात्राओ को सड़क सुरक्षा के प्रति कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गई। साथ ही साथ उन्हें सड़क पर वाहन चलाते समय ट्रैफिफ नियमों का पालन करने पर भी जोर दिया गया ।18 साल के कम उम्र के विद्यार्थियों को वाहन चलाना दंडनीय अपराध है। इसके लिए उन्हें, उनके अभिभावकों को भी नियम की अवहेलना करने हेतु आर्थिक दंड के साथ कारावास का भी प्रावधान है। हमेशा दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का इस्तेमाल जरूर करें। साथ ही चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का इस्तेमाल जरूर करें। इस सेमिनार के माध्यम से विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा हेतु अपने घर, पड़ोस और समाज के हर लोगों को सड़क सुरक्षा हेतु जागरूकता हेतु भी सकारात्मक संदेश दिया गया ।जीवन अनमोल है अगर किसी सड़क पर दुर्घटना हुई हो तो रील न बनाए मानवता को ध्यान में रखकर तुरंत मददगार को हॉस्पिटल पहुंचाएं और नेक नागरिक होने का परिचय स्थापित करें। इस अवसर पर सभी बच्चों को सड़क सुरक्षा हेतु पुस्तिका भी प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यालय के संजीव प्रसाद, रविन्द्र सिंह, अनामिका हर्षवर्धन, उपेन्द्र कुमार समेत कई शिक्षक शिक्षिकाएं सहित सैकड़ों छात्र छात्राएं उपस्थित थे ।

जेएफए एजीएम: हजारीबाग और दुमका में नई फुटबॉल कमेटी का गठन

संवाददाता । रांची

रांची :रांची. झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन का एनुअल जनरल मीटिंग (ँ) देवघर जिला के मधुपुर में संपन्न हुआ. जेएफए के महासचिव गुलाम रब्बानी ने सत्र 2024 25 का ऑडिट रिपोर्ट पेश किया जिसे सर्वसम्मति से हाउस ने पारित कर दिया. बैठक में गुलाम रब्बानी ने बताया कि दुमका और हजारीबाग जिला में नई फुटबॉल कमेटी का गठन किया गया है. उन्होंने बताया कि दोनों जिला के उपायुक्त ने कमेटी का गठन करके जेएफए के पास भेजा.ँ में दोनों जिला के कमेटी को सर्वसम्मति से पास किया. हजारीबाग जिला में वर्किंग प्रेसिडेंट की जिम्मेदारी आलोक कुमार को और महासचिव कोलेश्वर गोप को बनाया गया. वहीं, दुमका में वर्किंग प्रेसिडेंट आलोक सोरेन और महासचिव फरीद खान को बनाया गया. देवघर जिला के अध्यक्ष विद्रोह मित्रा को झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन का उपाध्यक्ष बनाया गया. एजीएम में 20 जिला के प्रतिनिधि शामिल हुए. अंतर जिला फुटबाल टूनामेंट धनबाद गोड्डा सरायकेला और कोडरमा में कराने का निर्णय लिया गया. छोटानागपुर एथलेटिक एसोसिएशन रांची के महासचिव आसिफ नईम ने जेएफए के 2023-25 तक के उपलब्धि रिपोर्ट को हाउस के सामने पढ़कर सुनाया.

टाटीसिलवे रेलवे स्टेशन पर ह्यऑपरेशन नार्कोस के तहत 37 किलो गांजा बरामद

संवाददाता । रांची

रांची :कमांडेंट श्री पवन कुमार के निर्देशन में रेलवे सुरक्षा बल लगातार सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रही है। इसी क्रम में दिनांक 09 अक्टूबर 2025 को आरपीएफ पोस्ट रांची एवं फ्लाइंग टीम रांची द्वारा ह्लऑपरेशन नार्कोसह्व के तहत तातीसिलवे रेलवे स्टेशन पर संयुक्त जांच अभियान चलाया गया ।जांच के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर दो संदिग्ध व्यक्ति बैठे पाए गए। पूछताछ में उनकी पहचान निम्नवत हुई झरामू बिन, उम्र लगभग 30 वर्ष, पिता झ गोपीचंद बिन, निवासी झ मुशहरी, थाना एवं प्रखंड झ धनहा, जिला झ पश्चिम चंपारण (बिहार), 2. सुंतनी गमांगा, उम्र लगभग 24 वर्ष, पिता झ स्व. अशदिया गमांगा, निवासी झ बैलकहोलीया, थाना झ शे ?गाड़ा, जिला झ गंजाम (ओडिशा), प्राथमिक पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उनके बैगों में भूरा प्लास्टिक में लिपटा गांजा रखा हुआ है।

सड़क दुर्घटना मुआवजा दावा अब छह माह में अनिवार्य, नहीं तो दावा होगा निरस्त

डीएलएसए की कार्यशाला में दी गई कानूनी प्रक्रिया, हिट एंड रन मामलों में मुआवजे की स्पष्ट व्यवस्था

पलामू, संवाददाता

झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के निर्देश पर एवं पलामू जिले के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीराम शर्मा के मार्गदर्शन में शुक्रवार को उप विकास आयुक्त सभागार में ह्लमोटर दुर्घटना दावा अधिनियमह्व के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर न्यायिक पदाधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं पीएलवी को सड़क दुर्घटना के मामलों में मुआवजा प्राप्त करने की प्रक्रिया, कानूनी अधिकारों तथा सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई। कार्यशाला का उद्घाटन जिला एवं सत्र न्यायाधीश षष्टम राजकुमार मिश्रा, जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) के सचिव राकेश रंजन तथा सदर एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान जिले के विभिन्न थाना के पुलिस पदाधिकारी, अधिवक्ता व लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सदस्य उपस्थित रहे।

छह माह में दावा नहीं करने पर नहीं मिलेगा मुआवजा

जिला एवं सत्र न्यायाधीश षष्टम राजकुमार मिश्रा ने कहा कि मोटर दुर्घटना के मामलों में मुआवजा दावा छह माह के भीतर दायर करना अनिवार्य है। हिट एंड रन मामलों में घायल को 50 हजार रुपये तथा मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये का मुआवजा डीटीओ कार्यालय के माध्यम से दिया जाता है। उन्होंने बताया कि यदि दुर्घटना में सरकारी वाहन शामिल है तो राज्य सरकार पूर्ण मुआवजा प्रदान करती है।

फॉर्म आधारित प्रक्रिया की दी गई जानकारी

डीएलएसए सचिव राकेश रंजन ने बताया कि एफएआर फॉर्म ए में भरा जाता है। फॉर्म दो को 10 दिन के अंदर तैयार कर पीड़ित को देना होता है। फॉर्म तीन (ड्राइवर संबंधी) और फॉर्म चार (ऑनर संबंधी) 30 दिन में जमा करना आवश्यक है। फॉर्म पांच (अंतरिम दुर्घटना रिपोर्ट) 50 दिन में ट्रिब्यूनल में और फॉर्म सात (विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट) 60 दिन में प्रस्तुत करना होता है।

घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले को मिलेगा इनाम

सदर एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद ने कहा कि सड़क हादसों के मुख्य कारण तेज रफ्तार और शराब सेवन हैं। उन्होंने कहा कि ह्लगोल्डन आवरह्व में घायल को शीघ्र उपचार मिलना सबसे जरूरी होता है। यदि कोई व्यक्ति घायल को अस्पताल पहुंचाता है तो उसे सरकार की ओर से इनाम दिया जाता है और न ही उसे पुलिस या अदालत में कोई परेशानी होती है। सरकार द्वारा 50 हजार रुपये तक के निःशुल्क इलाज की व्यवस्था भी की गई है।

अनुसंधानकताओं की भूमिका महत्वपूर्ण

अधिवक्ता चितेश मिश्र ने कहा कि अनुसंधानकताओं की लापरवाही से कई बार बड़ा मुआवजा भी नहीं मिल पाता। इसलिए प्रत्येक अधिकारी को निर्धारित समयसीमा के भीतर फॉर्म व रिपोर्ट जमा करनी चाहिए, जिससे पीड़ितों को समय पर न्याय और मुआवजा मिल सके। लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि तीन लाख रुपये से कम वार्षिक आय वाले लोगों के मुकदमे डीएलएसए के माध्यम से निशुल्क लड़े जाते हैं। बंदियों को भी जेल में जाकर विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। कार्यक्रम में लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ अमिताभ चंद्र सिंह, वीर विक्रम वक्स राय, उत्तम कुमार, देव कुमार शुक्ला सहित कई अधिवक्ता, पुलिस पदाधिकारी व पीएलवी मौजूद रहे।

भारतमाला परियोजना में खुली पोल : सरकारी जमीन पर फर्जी दावे, राजस्व कर्मियों पर सवाल

बोकारो, संवाददाता

भारतमाला सड़क निर्माण परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होते ही जिले के कई गांवों में सरकारी (मजरूआ) जमीन पर किए गए फर्जी दावों का खुलासा हुआ है। जांच में पाया गया कि जिन भूखंडों पर लोगों ने मुआवजा लेने का दावा किया है, वे वास्तव में सरकारी जमीनें हैं। सूत्रों के अनुसार, संबंधित भूमि का रिकॉर्ड जिला अभिलेखागार में ह्लमजरूआ आमह्व के रूप में दर्ज है। इसके बावजूद कुछ भू-माफियाओं ने जाली हुकुमनामा और फर्जी दस्तावेज तैयार कर इन जमीनों को निजी नाम पर बंदोबस्त करा लिया और बाद में बेच भी दिया। बताया जा रहा है कि इस पूरे खेल में राजस्व विभाग के कुछ कर्मियों, हल्का कर्मचारियों, आंचल कार्यालय के अधिकारियों और स्थानीय दलालों की मिलीभगत रही है। भूमि अधिग्रहण के सर्वे के दौरान जब वास्तविक रेकॉर्ड की जांच हुई, तो इन फजीर्वाड़ों की परतें खुलनी शुरू हो गईं। जानकारों का कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच की जाए तो बोकारो जिले के लगभग सभी अंचलों – विशेषकर चास अंचल – में मजरूआ जमीनों का फर्जी हुकुमनामा बनाकर बंदोबस्त किया गया है। यहां तक कि बन भूमि (फॉरेस्ट लैंड) को भी भू-माफियाओं ने जाली कागजात के सहारे बेच डाला है। स्थानीय ग्रामीणों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा सरकारी जमीन को कब्जाधारियों से मुक्त कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि फर्जी दस्तावेज बनाकर मुआवजा लेने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

मिलिट्री हॉस्पिटल रामगढ़ में चला जागरूकता अभियान

डॉ रेनू गहलोत ने मानसिक स्वास्थ्य पर दी जानकारी.

रामगढ़, संवाददाता

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मिलिट्री हॉस्पिटल रामगढ़ में जागरूकता अभियान लोगों के बीच चलाया गया जिसमें ओपीडी परिसर में आए मरीजों को मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी डॉ रेनू गहलोत राय द्वारा दी गई उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े बहुत सी मिथक धारणाओं को परिवर्तित करने की बात लोगों से कहीं. मानसिक बीमारियों के लक्षण कारण उपचार के बारे में लोगों को बताया गया. इस मौके पर रेनू गहलोत ने कहा की बहुत सी मानसिक बीमारियां है जो बिना दवा के मनोचिकित्सा के माध्यम से ठीक किया जाता है लोगों से अपील की गई की मानसिक बीमारियों के प्रति धारणाओं को बदलने की कोशिश करें और आवश्यकता पड़ने पर मानसिक रोग विशेषज्ञ की सहयता जरूर ले. इस कार्यक्रम में दर्जनों लोगो ने हिस्सा लिया.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में हुई दिव्यांग मतदाताओं को लेकर बैठक

सुगम मतदान कराने को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

जमशेदपुर, संवाददाता

घाटशिला उपचुनाव के मद्देनजर दिव्यांग मतदाताओं की मतदान प्रक्रिया में सहज एवं सुलभ भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समाहरणालय सभागार में शुक्रवार जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम, सुलभ मतदान केंद्रों की तैयारी एवं मतदान दिवस पर आवश्यक सहयोगी व्यवस्थाओं (वॉलंटियर की नियुक्ति एवं ससमय प्रशिक्षण) पर चर्चा भी की गई। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित विभागों एवं संस्थाओं को निर्देश दिया कि सभी मतदान केंद्रों पर दिव्यांगजनों के लिए रैंप, व्हीलचेयर, शौचालय, ब्रेल सुविधा, हेल्प डेस्क एवं परिवहन सुविधा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता को मतदान का समान अवसर और सम्मानजनक सुविधा मिलना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कुछ कमियां रह गई हों तो सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करें। ताकि कोई भी मतदाता सुगम मतदान से वंचित न रहे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने यह भी बताया कि जिला प्रशासन की ओर से सभी मतदान केन्द्रों पर दिव्यांगजनों के लिए आवश्यक सुविधाएं बहाल की गई हैं। कमियों की पुनर्समीक्षा की जा रही है। निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शानुसार दिव्यांगजनों के लिए सभी जरूरी सुविधाओं-व्यवस्थाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने का निर्देश भी दिया गया है। मौके पर उप विकास आयुक्त, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, भवन प्रमंडल के अभियंता, दिव्यांगजन से जुड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधि समेत अन्य भी मौजूद थे व उपस्थित थे।

मोर्चा ने की आक्रोश रैली में शामिल होने की अपील

जमशेदपुर, संवाददाता

कौमी सिख मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह अधिवक्ता कुलविंदर सिंह ने शहर एवं जिला के प्रगतिशील विचारधारा वाले लोगों से शनिवार को प्रस्तावित आक्रोश रैली में शामिल होने की अपील की है। उनके अनुसार देश के चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति बीआर गवई पर अधिवक्ता राकेश किशोर ने जूता नहीं चलाया है। वरन देश के संविधान और सामाजिक न्याय एवं सांप्रदायिक सद्भाव पर जूता चलाया है। इसके साथ ही उक्त हमलावर अधिवक्ता के समर्थक सोशल मीडिया में खुलेआम कह रहे हैं कि चीफ जस्टिस इस देश के दलित नहीं वरन बौद्ध हैं। ऐसा कहकर वह इस देश के अल्पसंख्यक वर्ग को सीधे तौर पर धमका रहे हैं कि जब मुख्य न्यायाधीश को भी कुछ नहीं समझते हैं तो आम अल्पसंख्यक नागरिक उनके ठेंगे पर हैं। उन्हें इस देश की लोकतांत्रिक संस्थानों पर ना कोई भरोसा है ना ही किसी का भय है। कुलविंदर सिंह के अनुसार कल आम बागान से अंबेडकरवादियों द्वारा पूर्वाह्न ग्यारह बजे आक्रोश जुलूस निकाला जा रहा है। उसमें शामिल होकर देश की विभिन्नता में एकता की भावना और लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करना है। उन्होंने राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के बंधन से ऊपर उठकर इसमें शामिल होने की सभी से अपील भी की है। जुलूस उपायुक्त कार्यालय जाएगा और वहां माननीय राष्ट्रपति को प्रेषित मांग पत्र सौंपेगा। वहीं मनुवाद का पुतला भी फूंका जाएगा।

उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में पंचायत शिविर आवेदनों के निष्पादन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

कोडरमा, संवाददाता

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों के दौरान प्राप्त आवेदनों के निष्पादन को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों पर हुई प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक में निम्नलिखित प्रमुख योजनाओं पर विशेष रूप से चर्चा की गई। जिसमें सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, मुख्यमंत्री स्व-रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना, प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, बिरसा कूंप सर्वधन योजना, वन पट्टा एवं साइकिल वितरण योजना (कल्याण विभाग द्वारा संचालित),सोना सोबरन धोती साड़ी योजना पशुपालन एवं गव्य विकास से संबंधित योजनाएं शामिल है। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि पंचायत शिविरों के माध्यम से प्राप्त सभी आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लाभुकों को योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आवेदनों के निष्पादन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और इसके लिए विभागीय समन्वय एवं समयबद्ध कार्रवाई आवश्यक है। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त रवि जैन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती कनक कुमारी तिर्की, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रकाश बैठा, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा नीतीश कुमार निशांत, सहित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आजसू नेताओं ने ओबीसी आरक्षण श्रेणी बढ़ाने की मांग की

पलामू, संवाददाता

राज्य भर में विभिन्न राजनीतिक दल द्वारा ओबीसी आरक्षण कोटा को बढ़ाने को लेकर गोलबंद हो रही है आजसू पार्टी के नेताओ ने भी पलामू प्रमंडल में सड़क से सदन तक आंदोलन करने के मूड में है हुसैनाबाद में पार्टी के केंद्रीय सदस्य मंजीत मेहता,जिला उपाध्यक्ष कमलेश मेहता व जिला सचिव रोहित महतो ने संयुक्त रूप प्रेसवार्ता कर जानकारी दिया की इस दौरान केंद्रीय सदस्य मंजीत ने बताया कि राज्य सरकार ने ओबीसी लोगों को ठगने का काम कर रही है हेमन्त सरकार राज्य के बहुसंख्यक समाज को हासिये पर लाकर खड़ा कर दिया है।कमलेश मेहता ने कहा कि हमलोग सरकार से 14 प्रतिष्ठित से 27 प्रतिशत आरक्षण बढ़ाये नही तो आजसू उग्र आंदोलन करेगी, रोहित महतो ने हेमन्त की सरकार दिशा हीन हो गयी है राज्य के आदिवासी मूलवासी समाज आपस मे लड़ रहे है सरकार मूकदर्शक की भूमिका में है यह सरकार राज्य के हजरों आंदोलनकारियों की बलिदान पर सत्ता की मलाई चाभने में व्यस्त है।

प्रखंड मुख्यालय सभागार में ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं की हुई समीक्षा बैठक

कोडरमा, संवाददाता

प्रखंड मुख्यालय सभागार में ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं का समीक्षा बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो की अध्यक्षता में शुकवार को किया गया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी पंचायत सचिव को निर्देश दिए कि पंचायत भवन का सुचारू रूप से क्रियान्वयन करेंगे। ज्ञान केंद्र में बच्चों की उपस्थिति दर्ज करेंगे।सरकार आपके द्वारा से प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार निष्पादन करेंगे।मनरेगा के तहत कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता को पोषण वाटिका के लिए स्थल चयन करने को कहा गया।प्रखंड में चल रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा किये। मनरेगा अंतर्गत प्रति ग्राम कम से कम 5 योजनाओं का क्रियान्वयन करने एवं मानव दिवस सृजन का निदेश ग्राम रोजगार सेवक,पंचायत सचिव एवं कनिय अभियंता को दिए। अबुआ आवास एवं पी एम आवास योजना अंतर्गत चल रहे सभी लंबित आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण करने को बात कही गई। बी आर सी को छात्रों की छात्रवृत्ति शत प्रतिशत करने ,विद्यालयों की चाहरदिवारी एवं पाकशाला की दुरुस्त करने की बात कही गई। बैठक में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा रवि शंकर , बीपी आर ओ सियाराम सिंह, सहायक अभियंता चितरंजन कुमार, प्रखंड समन्वयक रवि कुमार, शशि कुमार यादव ,सभी कनीय अभियंता, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक,जनसेवक, बी एफ टी एवं प्रखंड के कर्मी मौजूद रहे।

बीएसएल विस्तारीकरण और बीजीएच को सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाने की मांग तेज

बोकारो, संवाददाता

बोकारो स्टील प्लांट की स्थगित विस्तारीकरण परियोजना को शीघ्र प्रारंभ करने और बीजीएच को सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाने की मांग को लेकर जारी महाहस्ताक्षर अभियान के तहत प्लांट के हजारों कर्मचारियों और ठेका कर्मियों ने प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड लिखकर अपनी भावनाएँ व्यक्त कीं। अभियान के अंतर्गत ब्लास्ट फर्नेस में ठेका कर्मी जन्मजय गोस्वामी, कोक ओवन में नीतेश चौधरी तथा आएमएचपी-सिंटर प्लांट में सेल कर्मी सागर कुमार के नेतृत्व में सैकड़ों कर्मचारियों ने पोस्टकार्ड भेजे। अभियान के संयोजक कुमार अमित ने बताया कि बोकारो की जनता के इस अभियान का प्रभाव ही है कि प्रधानमंत्री ने इस्पात सचिव संदीप पौण्ड्रीक को बोकारो भेजकर स्थिति की जानकारी लेने का निर्देश दिया। उनके दौरे से प्लांट विस्तारीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि सेल प्रबंधन की समाज से संवादहीनता ही समस्याओं की जड़ है। जनता के विश्वास और संवाद से ही समाधान संभव है। अब तक दस हजार से अधिक नागरिक प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड भेज चुके हैं, और यह अभियान परियोजना के धरातल पर उतरने तक जारी रहेगा।

32 सूत्री मांगों को लेकर जमसं के साथ ढ़ोरी क्षत्रीय प्रबंधन की वार्ता संपन्न

मजदूरों की समस्या का समाधान करना प्रबंधन का दायित्व है : जीएम

बेरमो, संवाददाता

सीसीएल ढोरी जीएम कार्यालय सभागार में कोयला श्रमिकों की मूलभूत 'सुविधाओं के साथ-साथ अन्य 32 सूत्री मांगों को लेकर जमसं के साथ ढ़ोरी क्षत्रीय प्रबंधन की वार्ता हुई। करीब दो घंटे तक चली वार्ता में संघ द्वारा कोयला श्रमिकों की समस्याओं को लेकर महाप्रबंधक रंजय सिंहा व अन्य कोयला अधिकारियों के बीच कई मांगों को प्रबंधन ने ऑन स्पॉट हल किया। जबकि अन्य मांगों पर समाधान करने का आश्वासन दिया। वार्ता में संघ के एरिया अध्यक्ष धीरज पांडेय और एरिया सचिव विकास सिंह ने मजदूरों के लंबित 32 सूत्री मांगों को पूरा करने की बात कही। इस दौरान समयानुसार 'मांगों 'का समाधान नहीं होने पर विकास सिंह ने प्रबंधन के प्रति नाराजगी जाहिर की. कहा कि वर्तमान समय में मजदूरों की समस्याओं का अंबार लगा हुआ है, जिसका समाधान करने के बजाय प्रबंधन मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने कहा कि परियोजना के विभिन्न विभागों में संवेदनशील व अति संवेदनशील पदों पर वर्षों से एक ही जगह कार्यरत कर्मियों का स्थानांतरण करने, बीमार श्रमिकों का बेहतर इलाज की व्यवस्था कराने, उत्पादन कार्य में सुरक्षा नियमों का पालन करने, सिविल विभाग एवं अन्य विभागों के द्वारा प्राक्कलन के अनुसार कार्य कराने ,कोल कर्मियों मजदूरों के जर्जर हो चुके आवासों की मरम्मत नहीं कराई जा रही है। श्रमिक कालोनियों में कूड़ा -कचड़ा भरा पड़ा है. सीसीएल की ओर से बिना फिल्टर किए ही पाइपलाइन से पानी सप्लाई की जा रही है, जो पीने योग्य नहीं। मजबूरन लोगों को बोतलबंद पानी खरीदकर पीना पड़ता है। वहीं, बिजली की आंख मिचौली से भी लोग परेशान रहते हैं। साथ ही बच्चों की पढ़ाई में प्रभावित होती है। कोयला श्रमिकों का कंपनी के नियमानुसार प्रमोशन, क्वार्टर आंवटन, संवेदनशील पदो पर कार्य कर कर्मियो का स्थानांतरण, खदान के शौचालय मे पानी की व्यवस्था आदि मांग शामिल है। अगर प्रबंधन उन समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं करेगा तो जमसं की ओर से आंदोलन किया जाएगा। महाप्रबंधक ने कहा कि प्रबंधन भी चाहता है कि समस्या हर संभव दूर किया जा सकें। मजदूरो की समस्या का समाधान करना प्रबंधन का दायित्व है. इस अवसर पर पीओ शैलेश प्रसाद व रंजीत कुमार ,मैनेजर मुनीनाथ सिंह, क्षेत्रीय सिक्युरिटी ऑफिसर सुरेश सिंह ,कार्मिक प्रबंधक सीताराम यूके व अभिषेक सिंहा सहित चन्द्रभान सिह, आशीष झा,नवीन श्रीवास्तव, उज्जवल मुखर्जी, मुकेश कुमार, चंदन तिवारथा, प्रकाश कुमार, अख्तर अंसारी, गौतम कुमार, राजेश नायक, जितेंद्र यादव, दीपक कुमार, संत कुमार भट्ट, वीर नाथ राधवर, दीपक कुमार, भोला यादव, महादेव दास, गोपाल नायक, समरेश सिंह, प्रदीप सिंह, ललन यादव, शगुन दास, संजय जयसवाल आदि सैकड़ों लोग मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

माफियामुक्ति और शुद्ध के लिए युद्ध अभियान चलाएगी कांग्रेसः डॉ अखिलेश

पटना (एजेंसी) : बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में राज्यसभा सांसद और कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। राज्यसभा सांसद डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि पूरे बिहार में माफियाओं का कब्जा है और मिलावट खोरी अपने चरम पर है। भाजपा जदयू राज में समूचा बिहार 20 सालों से माफि याओं की गिरफ्त में है चारों ओर से बिहार को लूटा गया है कांग्रेस पार्टी ने 12 माफि या चिन्हित किए हैं। सरकार में आते माफि या मुक्त बिहार होगा और शुद्ध के लिए युद्ध होगा। चप्पे चप्पे पर जाएंगे सारे माफि या मारे जाएंगे। संवाददाता सम्मेलन का संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने किया। संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष कौकब कादरी, कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, सौरभ सिन्हा, ज्ञान रंजन मौजूद थे।

राज्यव्यापी संघन अभियान में 2,09,912 लीटर अवैध शराब जब्त

पटना (एजेंसी) : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान राज्य में पूर्ण शराबबंदी कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग द्वारा 01 अक्टूबर से 09 अक्टूबर तक राज्यव्यापी सघन अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान 2,09,912 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है। मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के सचिव अजय यादव ने आज पत्रकार वार्ता में कहा कि इस अवधि में कुल 33,767 छापेमारियां की गई, जिनमें से 5,865 मामलों में अभियोग दर्ज किए गए तथा 6,580 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। अभियान के दौरान 2,09,912 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए विभाग द्वारा राज्य के सभी सीमावर्ती जिलों, प्रमुख चेक पोस्टों, दरियाई क्षेत्रों, ढाबा-रेस्तरांओं एवं संवेदनशील स्थलों पर 24x7 सतर्क निगरानी रखी जा रही है। अजय यादव ने कहा कि मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग द्वारा राज्य में शराब की बिक्री, भंडारण, निर्माण और सेवन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए व्यापक कार्रवाई जारी है।

चुनाव को लेकर डिस्पैच सेंटर का किया गया निरीक्षण

भागलपुर (एजेंसी) : बिहार विधानसभा आम निर्वाचन के अंतर्गत भागलपुर में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने को लेकर शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-जिलाधिकारी डॉ नवल किशोर चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक नवगछिया सुश्री प्रेरणा कुमार द्वारा उप विकास आयुक्त प्रदीप कुमार सिंह एवं अनुमंडल पदाधिकारी नवगछिया ऋतुराज प्रताप सिंह के साथ 153- गोपालपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए बनाए गए डिस्पैच सेंटर इंटर स्तरीय उच्च विद्यालय नवगछिया का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने वहां वाहन पार्किंग स्थल, डिस्पैच काउंटर एवं ईवीएम/वीवीपैट के रखरखाव के लिए चिन्हित कमरों का अवलोकन किया तथा वहां उपस्थित अनुमंडल पदाधिकारी नवगछिया को ईवीएम एवं वीवीपैट के उचित रखरखाव का निर्देश दिया। वहीं 156- भागलपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी सह सदर अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार एवं पुलिस उपाधीक्षक नगर अजय कुमार चौधरी द्वारा संयुक्त रूप से 156- भागलपुर विधानसभा के ईवीएम, वीवीपैट वेयरहाउस तथा डिस्पैच सेंटर राजकीय पॉलिटेक्निक बरारी का निरीक्षण किया गया।

बिहार में नामांकन प्रक्रिया के शुरू होते ही दोनों गठबंधन में सहयोगियों से बातचीत का दौर जारी

महागठबंधन और राजग में सीट बंटवारे का इंतजार

- सीटिंग सीटों के लेन-देन को लेकर सहयोगी दलों के बीच व्यवधान

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव-2025 में पहले चरण की 121 सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया आज से शुरू हो चुकी है लेकिन बिहार में महागठबंधन और राजग गठबंधन में सीट बंटवारे का इंतजार है। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राजग में सहयोगी नेताओं से बातचीत कर रही भाजपा के नेताओं ने चिराग पासवान से सीटों पर सहमति बनने के बाद जदयू के बड़े नेताओं और उपेंद्र कुशवाहा के साथ बैठक कर ली है। राजग में कौन कितनी लड़ेगा और कौन सी सीट लड़ेगा, इस पर सहमति बनने की अपुष्ट खबरें हैं। सीटिंग सीटों के लेन-देन को लेकर कुछ सहयोगी दलों के बीच व्यवधान है, जिसे भाजपा सुलझा रही है। दूसरी ओर महागठबंधन में सीट बंटवारे में देरी से नाराज सीपीएम ने अपने दोनों मौजूदा विधायकों को हरी झंडी दे दी है कि वो नामांकन दाखिल कर दें। सीपीएम दावे की बाकी 9 सीटों पर सीट शेयरिंग का इंतजार करेगी। महागठबंधन का नेतृत्व कर रही राजद और दूसरी बड़ी पार्टी कांग्रेस के बीच भी सीट पर सहमति बनने की खबर है। सीपीआई-माले और वीआईपी की सहमति के बाद वहां भी सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। राजद ने आज संसदीय बोर्ड की बैठक बुलाई थी जहां लालू यादव को अंतिम फैसलों के लिए अधिकृत कर दिया गया है।

55-58 सीट लड़ने के लिए कांग्रेस तैयार

महागठबंधन में भी दोनों प्रमुख दल राजद और कांग्रेस के बीच सहमति बनने की बात सामने आ रही है। चर्चा है कि लालू यादव से कांग्रेस के बड़े नेताओं की मुलाकात में लगभग 55-58 सीट लड़ने के लिए कांग्रेस तैयार हो गई है। महागठबंधन में अब मुकेश सहनी और सीपीआई-माले को मनाना ही सीट बंटवारे में बाधा है। ये दोनों 30-30 सीट मांग रहे हैं। राजद माले को 23-25 सीट देने को तैयार है लेकिन सहनी को 15 सीट लेने को कहा जा रहा है। राजद में शुक्रवार को जदयू नेता और पूर्णिया के पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा, जदयू के पूर्व विधायक राहुल शर्मा (घोसी), जदयू सांसद गिरधारी यादव के बेटे चाणक्य प्रकाश रंजन और लोजपा के पूर्व उम्मीदवार अजय कुशवाहा शामिल हो गए। संतोष कुशवाहा धमदाहा से लेशी सिंह के खिलाफ लड़ सकते हैं। राहुल शर्मा मगध के बड़े नेता जगदीश शर्मा के बेटे हैं और घोसी से ही लड़ सकते हैं।

प्रथम चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू

पहले चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, उम्मीदवार अब निर्धारित तिथि तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं। पहले चरण में जिन क्षेत्रों में मतदान होना है, वहां के जिला निर्वाचन कार्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। नामांकन के दौरान प्रत्याशी को निर्धारित नियमों के तहत सीमित समर्थकों के साथ ही प्रवेश की अनुमति होगी। नामांकन की प्रक्रिया 10 अक्टूबर से शुरू होकर 17 अक्टूबर तक चलेगी। नामांकन पत्रों की जांच 18 अक्टूबर को होगी। उम्मीदवार 20 अक्टूबर तक नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 6 नवंबर को होगा।

एनडीए में सीटों पर टेंशन जारी

भाजपा के नेता सम्राट चौधरी के आवास पर शुक्रवार को भाजपा और जदयू के बड़े नेताओं की 45 मिनट लंबी मीटिंग हुई। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, बिहार प्रभारी विनोद तावड़े, जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, ललन सिंह, विजय चौधरी, उमेश कुशवाहा बैठक में शामिल रहे। चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा से भाजपा ही बात हो रही है, जल्द ही सीटों को लेकर अंतिम मुहर लग जाएगी। मीटिंग में भाजपा ने पासवान, मांझी और कुशवाहा से बातचीत का अपडेट जदयू को दिया और सीटों का मसला सुलझाने पर चर्चा की।चिराग पासवान ने शुक्रवार को दिल्ली में मीडिया से बातचीत में कहा कि राजग के अंदर कौन, कहां से लड़ेगा, किन सीटों पर लड़ेगा, सभी पर चर्चा की जा रही है।

एमडीएम में अंडा खाने से दो दर्जन से अधिक बच्चों की बिगड़ी तबीयत

एजेंसी

बेतिया : पश्चिमम चंपारण जिला स्थित मैनाटाड़ ब्लॉकके प्राथमिक विद्यालय पुरैनिया में शुक्रवार को मध्याह्न भोजन में अंडा खाने के बाद बच्चों को उल्टी पेट दर्द व माथे में चक्कर आने की शिकायत पर दर्जनाधिक छात्र छात्राओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैनाटाड़ पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद बच्चों को खतरे से बाहर बताया। जानकारी के अनुसार पीएस पुरैनियामें भोजनावकाश के दौरान बच्चों को भोजन परोसा गया। जिसे बच्चों ने खाना प्रारंभ किया। खाना खाने के बाद बच्चे उल्टी करने लगे। कुछ बच्चे चक्कर और माथे में दर्द होने की शिकायत की। इस मामले की जानकारी अभिभावकों तक पहुंच गयी। काफी संख्या में अभिभावक विद्यालय में पहुंच गये। वर्ग एक से पांच तक के अठाईस बच्चों को अभिभावकों ने अपने वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाये। जहां पर सीएचसी प्रभारी डॉ विजय चौधरी के नेतृत्व में मेडिकल टीम के द्वारा अस्पताल आये बच्चों का इलाज किया गया। सीएचसी प्रभारी चौधरी ने बताया कि अस्पताल आयें सभी छात्र-छात्राएं खतरे से बाहर हैं। अस्पताल में भर्ती बच्चों की स्थिति की गहनता से इलाज और जांचोपरांत ओआरएस उपलब्ध कराते हुये उन्हें अस्पताल से घर वापस भेजा जा रहा है रेफर करने की स्थिति में कोई बच्चे नहीं है। इधर विद्यालय में बच्चों के बिमार होने और इलाज के लिए अस्पताल लाये जाने के घंटे बीत जाने के बाद भी प्रधानाध्यापक अशोक कुमार अस्पताल नहीं पहुंचे, जिससे अस्पताल पहुंचे

औरंगाबाद में नाव पलटने से छह डूबे एक शव बरामद

औरंगाबाद (एजेंसी) : बिहार मे औरंगाबाद जिले के नवीनगर प्रखंड के बड़ेम गांव में नाव पलटने से छह लोग डूब गए हैं। जिसमें से एक युवती का शव नदी से निकाल लिया गया है। कुछ लोग तैर कर बाहर निकल गए। कम से कम 5 लोग गायब हैं। गोताखोरों की मदद से अन्य डूबे व्यक्तियों की तलाश की जा रही है। मृत युवती की पहचान तमन्ना परवीन उम्र 21 वर्ष के रूप में की गई है। वह बड़ेम गांव के निवासी स्लीम अंसारी की बेटी थी। शव को नदी से निकाल कर ले गए। घटना स्थल पर काफी भीड़ जुटी है। प्रशासन की टीम पहुंच गई है। एसडीआरआफ की टीम को बुलाया गया है। मृतका के परिवार में कोहराम मच गया है। नदी पार करके रोज लोग खेती करने और पशु चारा लाने जाते हैं। बड़ेम थाना क्षेत्र में सोन नदी दियारा में काफी संख्या में लोग सब्जी की खेती करते हैं।

पूर्णिया के पूर्व सांसद राजद में शामिल

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नेताओं का दल बदलने का सिलसिला रोजाना जारी है। इस क्रम में आज पूर्णिया के पूर्व सांसद और जदयू के वरिष्ठ नेता संतोष कुशवाहा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और राजद में शामिल हो गये है। आज उन्होंने तेजस्वी यादव की मौजूदगी में राजद का हाथ थाम लिया। संतोष कुशवाहा का राजद में शामिल होना सीमांचल के इलाके में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है बताया जा रहा है कि संतोष कुशवाहा लेशी सिंह के खिलाफ चुनावी मैदान में ताल ठोक सकते हैं। लेशी सिंह फिलहाल धमदाहा से विधायक हैं और फिर जदयू की टिकट पर उन्हें धमदाहा से टिकट मिलना तय है। ऐसे में संतोष कुशवाहा राजद की टिकट से धमदाहा से लेशी सिंह के खिलाफ मैदान में उतरेंगे। संतोष कुशवाहा के राजद में आने से तेजस्वी यादव को एक और फायदा होगा। संतोष कुशवाहा को राजद में शामिल होने से तेजस्वी पप्पू यादव को भी घेरेंगे, क्योंकि संतोष कुशवाहा वर्ष 2014 और 2019 में दो बार लोकसभा का चुनाव जीत चुके है लेकिन पिछले लोकसभा में संतोष कुशवाहा को हराकर पप्पू यादव ने निर्दलीय लोकसभा का चुनाव जीता था।

तेजस्वी को भूमिहार नेता का मिला साथ

पूर्व सांसद जगदीश शर्मा के बेटे और पूर्व विधायक राहुल शर्मा ने आज जदयू छोड़ दिया और राजद में शामिल हो गये। उनके शामिल होने से राजद को भूमिहार जाति का साथ मिल गया है। इसे मगध राजनीति में इसे बड़ा उलटफेर माना जा रहा है, क्योंकि तेजस्वी इसी बहाने न सिर्फ मगध में बल्कि भूमिहार बहुल कई सीट पर बड़ा असर डालेंगे। जगदीश शर्मा मगध क्षेत्र में भूमिहार समाज के प्रभावशाली नेता माने जाते हैं और इस समाज पर उनकी अच्छी पकड़ है। अब उनके बेटे के राजद में आने से राजद को मगध में बड़ा फायदा होना तय माना जा रहा है। वहीं नीतीश कुमार को बड़ा झटका है।

कारोबार

केंद्रीय संचार राज्य मंत्री ने भारत के व्यापारिक नेताओं से उत्कृष्टता की खोज में निरंतर लगे रहने का किया आह्वान

वैश्विक परस्पर निर्भरता के युग में कर रहे काम

- डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने आईएमसी पुरस्कार विजेताओं को किया सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय संचार राज्य मंत्री ने डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने शुक्रवार को आईएमसी 25 पुरस्कार समारोह में भारत के व्यापारिक समुदाय से नवाचार, सहयोग और उद्देश्य-संचालित नेतृत्व के माध्यम से देश के आर्थिक परिवर्तन का नेतृत्व करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने आईएमसी 25 पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित भी किया। डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 के तीसरे दिन सफलतापूर्वक संपन्न होने के अवसर पर उपस्थित विशिष्ट जनसमूह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने भारत की उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तेजी से डिजिटल अपनाने और तकनीकी बदलाव के बीच देश एक 'असाधारण मोड़' पर खड़ा है। केंद्रीय मंत्री ने भारत के व्यापारिक समुदाय से नवाचार, सहयोग और उद्देश्य-संचालित नेतृत्व के माध्यम से देश के आर्थिक परिवर्तन का नेतृत्व करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'आज का भारत पांच साल पहले वाला भारत भी नहीं है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब उद्यम नवाचार, स्थिरता और वैश्विक परस्पर निर्भरता के युग में काम कर रहे हैं। डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने भविष्य के लिए एक रोडमैप प्रस्तुत करते हुए व्यवसायों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपनाने, अनुसंधान एवं विकास में निवेश करने और प्रयोग को प्रोत्साहित करने वाली संस्कृतियों को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने इस अवसर पर स्टार्टअप्स के साथ सहयोग, एमएसएमई को मार्गदर्शन और सरकारी पहलों के साथ तालमेल बिठाने को भी प्रोत्साहित किया, और कहा कि 'भविष्य पारिस्थितिकी तंत्र का है, एकाधिकार का नहीं।' लाभ को उद्देश्य के साथ जोड़ने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि 'ईएसजी एक अनुपालन चेकबॉक्स नहीं, बल्कि 21वीं सदी के व्यवसाय का सामाजिक अनुबंध है।'

आईएमसी 25 पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए उन्होंने उनकी पहचान को सम्मान और जिम्मेदारी दोनों बताया। उन्होंने कहा, ये पुरस्कार कोई मंजिल नहीं, बल्कि भविष्य के लिए ईंधन हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये हमें याद दिलाते हैं कि बड़ी सफलता के साथ कर्मचारियों, समुदायों और राष्ट्र के प्रति बड़ी जिम्मेदारी भी आती है। उन्होंने उन लोगों की उद्यमशीलता की भावना की सराहना की जिन्होंने शुरुआत करने का साहस किया और श्रोताओं को याद दिलाया कि 97 फीसदी लोग जो कहते हैं कि वे एक कंपनी शुरू करेंगे, कभी नियमित नहीं होते, लेकिन आपने किया। केंद्रीय संचार राज्य मंत्री ने अपने संबोधन के समापन पर भारत के व्यापारिक नेताओं से उत्कृष्टता की खोज में अथक प्रयास करते रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, भूखे रहो। निर्माण करते रहो। मैं आत्मनिर्भर भारत के निर्माताओं को देखता हूं। उन्होंने एक ऐसे भविष्य की कल्पना की जहां 'मेड इन इंडिया' गुणवत्ता, नवाचार और वैश्विक उत्कृष्टता का पर्याय बन जाए।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

मुंबई : शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन हरे निशान पर बंद हुआ। दवा कंपनियों और बैंकों के शेयरों में लिवाली और विदेशी कोषों के समर्थन से सेंसेक्स लगभग 329 अंक उछलकर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में 104 अंकों की तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 328.72 अंक यानी 0.40 फीसदी उछलकर 82,500.82 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 482.01 अंक बढ़कर 82,654.11 के स्तर पर पहुंच गया था। इसी तरह एनएसई का 50 शेयरों वाला निफ्टी 103.55 अंक यानी 0.41 फीसदी बढ़कर 25,285.35 अंक पर बंद हुआ है। कारोबार के दौरान एक समय यह 148.95 अंक बढ़कर 25,330.75 तक पहुंच गया था। 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मारुति सुजुकी इंडिया, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, बीईएल, अदाणी पोर्ट्स, इटर्नल, सन फार्मास्युटिकल्स, पावर ग्रिड, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। वहीं, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, टाइटन, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस के शेयरों में गिरावट रही। एशिया के अन्य प्रमुख बाजारों में हांगकांग का हैंग सेंग, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कंपोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ है, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त में रहा। यूरोप के शेयर बाजार मिले-जुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 1,308.16 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की। ब्रेंट क्रूड 0.63 फीसदी गिरकर 64.81 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बीएसई का सेंसेक्स एक दिन पहले गुरुवार को 398.44 अंक उछलकर 82,172.10 के स्तर पर और एनएसई का निफ्टी 135.65 अंक चढ़कर 25,181.80 अंक पर बंद हुआ था।

करवा चौथ पर देशभर में हुआ 28 हजार करोड़ का कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : देशभर में शुक्रवार को करवा चौथ का पावन त्योहार बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से ही महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी बाजारों में उमड़ रही हैं। कैट के आंकड़ों को मानें तो शुक्रवार को देशभर में करीब 28 हजार करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। केवल राजधानी नई दिल्ली में ही 8,000 करोड़ रुपये के सामानों की बिक्री होने का अनुमान है। कैट के महामंत्री और भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि देशभर में करवा चौथ के अवसर पर लगभग 28 हजार करोड़ का कारोबार हो गया है। दिल्ली में ही यह व्यापार 8 हजार करोड़ के करीब रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष देशभर में इस अवसर पर करीब 22 हजार करोड़ रुपये की बिक्री हुई थी, जबकि वर्ष 2023 में करवा चौथ पर लगभग 15 हजार करोड़ रुपये का व्यापार हुआ था।

खंडेलवाल ने कहा कि राजधानी नई दिल्ली सहित देश के हर बाजार, मॉल और मार्केट में रौनक का माहौल है। पति की लंबी उम्र की कामना के लिए महिलाएं बड़ी संख्या में खरीदारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली का चांदनी चौक देश का सबसे बड़ा थोक बाजार है, जहां त्योहारों की गहमागहमी बहुत जोरों पर है। कल दिल्ली सहित देशभर के बाजारों में खरीदारों का तांता उमड़ा और आज करवा चौथ के दिन उपभोक्ताओं की भीड़ बाजारों में देखी जा रही है। खंडेलवाल ने बताया कि करवा चौथ से जुड़े पारंपरिक सामान जैसे साड़ी, लहंगे, पूजा थाली, छलनी, मिट्टी के करवे, मिठाइयां, गिफ्ट आइटम्स, ज्वेलरी और कॉस्मेटिक्स की बिक्री में भारी तेजी आई है। कैट महामंत्री ने कहा कि इसके साथ ही ब्यूटी पार्लर, मेहंदी आर्टिस्ट्स और सैलून में भी दिनभर लंबी कतारें लगी रहीं। इससे देशभर में छोटे कारीगरों तथा आर्टिस्टों को बड़ा रोजगार मिला है। बड़ी संख्या में करवा चौथ पूजन के आयोजन किए गए।

आरबीआई गुवाहाटी ने असम के बैंकों के कंट्रोलिंग प्रमुखों के साथ की समीक्षा

गुवाहाटी (एजेंसी) : आरबीआई के गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता पूर्वोत्तर क्षेत्र की क्षेत्रीय निदेशक सुस्मिता फुकन ने की। बैठक में आरबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ स्टेट लेवल बैंकर्स कमिटी के संयोजक, बैंक के महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक और असम में संचालित सभी बैंकों के कंट्रोलिंग हेड उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य में चल रहे वित्तीय संतृप्ति शिविरों में सदस्य बैंकों के प्रदर्शन का आकलन करना था। इस दौरान बैंकों की भागीदारी, प्रगति, पुन:-केवाईसी अभियान तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत नामांकन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिन बैंकों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं पाया गया, उन्हें कारण बताने और तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। सभी बैंकों को यह भी सलाह दी गई कि उनकी शाखाएं नियमित रूप से रि-केवाईसी और एसएसएस नामांकन से संबंधित आंकड़े संबंधित लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर के साथ साझा करें ताकि जनसुरक्षा पोर्टल पर समय पर और सटीक डेटा अपलोड हो सके।

विदेशी मुद्रा भंडार 27.6 करोड़ डॉलर घटा

नई दिल्ली (एजेंसी) : विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे हफ्ते गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में 27.6 करोड़ डॉलर घटकर 699.96 अरब डॉलर रह गया। इससे पिछले हफ्ते देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.33 अरब डॉलर घटकर 700.24 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 3 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में मुद्रा भंडार का अहम घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.05 अरब डॉलर घटकर 577.71 अरब डॉलर रहीं। इस दौरान देश का स्वर्ण भंडार 3.75 अरब डॉलर बढ़कर 98.77 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के मुताबिक इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.81 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार पिछले हफ्ते अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में भारत का आरक्षित भंडार 40 लाख डॉलर घटकर 4.66 अरब डॉलर रहा है।

विश्वास आधारित शासन के लिए आधुनिक कर ढांचा जरूरीः नीति आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी) : नीति आयोग ने स्वैच्छिक अनुपालन, पारदर्शिता और निष्पक्षता सहित विश्वास आधारित शासन के लिए एक आधुनिक कर ढांचा स्थापित करने की जरूरत पर जोर दिया है। आयोग ने आयकर अधिनियम, 2025 में कई सुधारों का प्रस्ताव दिया है, जिसमें छोटे-मोटे उल्लंघनों को गैर-अपराधीकरण करना, अत्यधिक अनिवार्य न्यूनतम सजा को हटाना और कारावास की कुल अवधि को कम करना शामिल है, ताकि भारत के कर प्रशासन को अधिक पूर्वानुमानित और कम दमनकारी बनाया जा सके। नीति आयोग ने शुक्रवार को जारी अपने कर नीति कार्य पत्र शृंखला-दक में कहा कि अपराधीकरण को समाप्त करना, दंडों को युक्तिसंगत बनाना और आनुपातिक प्रतिक्रिया पर जोर देना, सामूहिक रूप से भारत के आयकर कानून को निष्पक्ष, सुलभ और आधुनिक अनुपालन व्यवस्था के दृष्टिकोण के साथ संरेखित करेगा। आयोग के मुताबिक इसका उद्देश्य बलपूर्वक अनुपालन से हटकर एक ऐसे मॉडल की ओर संक्रमण करना है, जो करदाताओं को सशक्त बनाए, त्रुटि और धोखाधड़ी के बीच अंतर करे और आपराधिक कानून का प्रयोग केवल तभी करे जब महत्वपूर्ण जनहित दांव पर हो। आयोग की 'भारत के कर परिदृश्य को और अपराध-मुक्त करने और विश्वास-आधारित शासन' शीर्षक वाली रिपोर्ट के अनुसार आयकर अधिनियम, 2025 के 13 प्रावधानों में 35 कार्यों और चूकों को आपराधिक घोषित किया जाना जारी है।

स्पाइसजेट ने अपने बेड़े में तीन और विमान जोड़े

नई दिल्ली (एजेंसी) : देश में सस्ती विमानन सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी स्पाइसजेट ने अपने परिचालन बेड़े में तीन नए विमान जोड़े हैं। इनमें एक एयरबस ए340 चौड़ा आकार और दो बोइंग 737 विमान शामिल हैं। एयरलाइन के बेड़े का विस्तार होने से छुट्टियों के मौसम में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग पूरी हो सकेगी। स्पाइसजेट ने शुक्रवार को एक्स पोस्ट पर बताया कि उसे तीन नए विमान मिले हैं, जिनमें एक एयरबस ए340 वाइड-बॉडी और दो बोइंग 737 हैं। एयरलाइन ने कहा कि अक्टूबर और नवंबर के बीच कुल 20 विमान उसके परिचालन बेड़े में शामिल होंगे। इनका संचालन डैम्प लीज मॉडल के तहत किया जाएगा। हालांकि, कंपनी ने लीज की अवधि के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। एयरलाइन ने बताया कि ये नए विमान 10 और 11 अक्टूबर के बीच परिचालन में आ जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या में देर रात दूसरा धमाका: मौके पर पड़ताल कर रहा लेखपाल गंभीर घायल, पहले पांच की हुई थी मौत

अयोध्या , एजेंसी। अयोध्या की पंचायत भदरसा भरतकुंड के महाराणा प्रताप चाई के पालाभारी गांव के एक घर में गुरुवार रात हुए भीषण धमाके में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पुलिस टीम व अन्य कर्मचारी मौजूद थे। इसी

दौरान हुए एक और धमाके में लेखपाल आकाश सिंह घायल हो गया। दोबारा हुए धमाके से हड़कंप मच गया। दूसरा धमाका 11 बजे के करीब हुआ।

इसके पहले हुए धमाके से मलबे में दबकर पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हैं। गांव के निवासी रामकुमार उर्फ पारसनाथ के घर में शाम करीब 7.30 बजे एक तेज धमाका हुआ। धमाके साथ पूरा घर फिल्मी स्टाइल में उड़ गया। घर की दीवारें ताश के पत्तों की तरह ढहीं। धमाके से पूरा इलाका हिल गया।

एचपीसीएल की टीम मौके पर

गांव में विस्फोट मामले में सिलेंडर की जांच के लिए एचपीसीएल की टीम पहुंची है और मौके पर जांच कर रही है। टीम की निगरानी में मकान की बुनियाद को खोदा जा रहा है। बुनियाद जेसीबी से खोदी जा रही है।

बताया गया कि रामकुमार गांव के बाहर घर बनाकर रहते थे। वहीं धमाका हुआ है। धमाके की आवाज सुन गांव के लोग मौके की तरफ भागे। वहां का दृश्य देख ग्रामीणों के रोंगटे खड़े हो गए।

कार की टक्कर से भाजपा नेता के स्कूटी सवार भांजे की मौत

मेरठ , एजेंसी। लावड़-सोफीपुर मार्ग पर कार की टक्कर से स्कूटी सवार मोहित चौहान की मौत हो गई। मोहित भाजपा नेता अनंगपाल चौहान का भांजा था। करवाचौथ पर पति की मौत की सूचना मिलने पर पत्नी याचिका बेहोश हो गई। पुलिस आरोपी कार चालक की तलाश कर रही है। मोदीपुरम के कीर्तिनगर फेज वन कॉलोनी निवासी मोहित चौहान (38) बृहस्पतिवार रात किसी काम से चेकपोस्ट के पास गया था। वहीं पर तेज रफ्तार कार ने मोहित को टक्कर मार दी। मोहित करीब तीन फीट ऊपर उछला और सिर के बल सड़क पर गिरा। आसपास मौजूद लोगों ने आकर लहूलुहान मोहित को उठाया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने मोहित को अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ के अस्पताल में रेफर कर दिया गया। वहीं चालक कार को मौके पर छोड़कर भाग गया।

शुक्रवार सुबह करीब चार बजे मोहित चौहान ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची फलावपुरम पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सीओ दीरासा चंद्र प्रकाश अग्रवाल का कहना है कि कार को थाने में खिंचवा लिया है। उसके आधार पर आरोपी की पहचान की जा रही है। रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

पति के मौत का पता चलते ही पत्नी बेहोश

मोहित चौहान की मौत की सूचना मिलते ही उसकी पत्नी याचिका बेहोश हो गई। उसका हाल बेहाल हो गया। मोहित चौहान का सात साल का बेटा है, जो मोदीपुरम के विजडम ग्लोबल स्कूल में पढ़ता है। करवाचौथ पर सुहाग मिटने पर याचिका के आंसू थम नहीं रहे थे।

गया स्टेशन से ढाई करोड़ के सोने के बिस्किट बरामद, कोलकाता से कानपुर ले जा रहा था आरोपी

चंदौली, एजेंसी। ट्रेनों से सोने चांदी की तस्करी रुक नहीं रही है। बुधवार की रात पीडीडीयू रेल मंडल के गया स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने एक व्यक्ति को दो किलो सोने के बिस्किट के साथ पकड़ा। बरामद सोने की कीमत ढाई करोड़ रुपये आंकी गई है। युवक सोने की खेप कोलकाता से कानपुर ले जा रहा था। तस्करी के आरोपी और बरामद सोना आयकर विभाग के हवाले कर दिया गया। आरपीएफ निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनावों को देखते हुए स्टेशन पर जांच की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार की रात गया रेलवे स्टेशन पर कालका मेल की जांच की गई तो एक संदिग्ध व्यक्ति दिखा। संदिग्ध व्यक्ति का बैग चेक किया तो उसमें से कई सोने के बिस्किट बरामद हुए। जब्त सोने का वजन करीब दो किलो पाया गया।

औषधि निरीक्षक लाइसेंस जारी करने में व्यस्त, जांच का नहीं वक्त... ऐसे चल रहा है नकली दवाओं का कारोबार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के ज्यादातर औषधि निरीक्षक मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस जारी करने तक ही सीमित हैं। उनके पास दवाओं की जांच के लिए वक्त ही नहीं है। यह जांच अभियान तभी शुरू होते हैं, जब किसी न किसी राज्य में कोई घटना हो जाती है। दबी जुबान से यह बात खुद औषधि निरीक्षक भी स्वीकार करते हैं।

प्रदेश में करीब एक लाख थोक और ढाई लाख से अधिक फुटकर दवा दुकानें एवं ब्लड बैंक हैं। हर साल इनमें करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है। औषधि निरीक्षकों के स्वीकृत 109 पदों में से 32 खाली चल रहे हैं। जिन जिलों में दो औषधि निरीक्षक के पद हैं, वहां कहीं एक है तो कहीं एक भी नहीं। 13 जिलों में दो-दो जिलों का कार्यभार है। औषधि निरीक्षकों की मानें तो उनका ज्यादातर वक्त सिर्फ लाइसेंस संबंधी कार्य पूरे करने में ही जाता है, क्योंकि लाइसेंस की निरंतर समीक्षा होती है। 15 दिन में यह कार्य पूरा नहीं किया तो जवाब देना पड़ता है।

लाइसेंस जारी करने से पहले स्थलीय सत्यापन सहित अन्य प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है। ऐसे में दवाओं की जांच तभी कर पाते हैं, जब लाइसेंस से जुड़े कार्य कम होते हैं। हर जिले में चार से पांच तहसीलें हैं। करीब 100 किमी के दायरे में मेडिकल स्टोर हैं। ऐसे में अकेले सभी दुकानों तक पहुंचना नामुमकिन है। इसका फायदा मिलावट करने वाले और नकली दवा बनाने वाली

कंपनियां उठाती हैं। यही वजह है कि नकली दवाओं की खेप ज्यादातर ग्रामीण इलाके की दुकानों पर पहुंचाई जाती है।

खुद करनी होती है न्यायालय में पैरवी

औषधि निरीक्षकों की मानें तो उन्हें न्यायालय में पैरवी के लिए कोई अतिरिक्त स्टाफ नहीं मिला है। कोई पैरोकार नहीं होने की वजह से उन्हें न्यायालय से जुड़े कार्य भी देखने होते हैं। न्यायालयों में बेहतर पैरवी नहीं करने और सुबूत नहीं जुटा पाने की वजह से तमाम आरोपी छूट जाते हैं।

कफ सिरप के खिलाफ 2022 में भी चला था अभियान

अक्तूबर 2022 में हरियाणा के सोनीपत की कंपनी द्वारा बनाए जाने वाले कफ सिरप से अफ्रीकी देश गाम्बिया में कई बच्चों की मौत हो गई थी। उस वक्त इस कंपनी के चार बैच को प्रतिबंधित किया गया। पूरे प्रदेश में जांच अभियान चलाया गया। जब तक अभियान चला संबंधित कंपनी के सिरप प्रदेश में नहीं मिले। इसके बाद फिर से बिक्री शुरू हो गई।

ये है निरीक्षकों की जिम्मेदारी

ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट के तहत औषधि निरीक्षक दवा और कॉस्मेटिक के विनिर्माण, वितरण और बिक्री की निगरानी करते हैं। उनके मुख्य कार्यों में विनिर्माण इकाइयों, प्रयोगशालाओं और फार्मेसियों का निरीक्षण करना, उत्पादों के नमूने लेना, लाइसेंस के अनुपालन की जांच करना, नकली या घटिया उत्पादों को रोकना और अधिनियम के उल्लंघन के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करना शामिल है।

अन्य राज्यों की स्थिति

बिहार और राजस्थान में हर जिले में पांच से छह औषधि निरीक्षक होते हैं। ऐसे में वे एक से दो तहसील की जिम्मेदारी लेते हैं। दूसरे विभागों से भी स्टाफ मिल जाता है। ऐसे में वहां निरंतर जांच अभियान चलता रहता है। प्रदेश में दवा निर्माण इकाइयां, फुटकर मेडिकल स्टोर और ब्लड बैंकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ड्रग निरीक्षक के पद कई साल पहले स्वीकृत किए गए। तमाम पद अभी भी खाली हैं। ऐसे में निगरानी तंत्र मजबूत नहीं है। निगरानी बढ़ाने के लिए मानव संसाधन बढ़ाना होगा। सिर्फ एक निरीक्षक के भरोसे पूरे जिले की निगरानी संभव नहीं है। रमाशंकर, पूर्व सहायक आयुक्त, औषधि।

दीक्षांत समारोह 15 अक्तूबर को, बीए की छात्रा नेहा को मिलेगा कुलाधिपति पदक, इन्हें भी मिलेंगे मेडल

अलीगढ़ , एजेंसी। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 47 मेधावियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। इनमें 36 छात्राएं और 11 छात्र शामिल हैं। मेधावियों के नामों पर श्रेष्ठता सूची समिति ने अंतिम मुहर लगा दी है। 15 अक्तूबर को दीक्षांत समारोह में बीए की छात्रा नेहा को कुलाधिपति पदक मिलेगा। यह पदक राज्यपाल प्रदान करेंगी। मुख्य अतिथि आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत होंगे।

विवि के परीक्षा नियंत्रक धीरेंद्र कुमार ने बताया कि बी.कॉम वोकेशनल में रिंकी, बीपीएड में जितेंद्र यादव, नाजरीन, बीएससी (वोक.) जैव प्रौद्योगिकी में फारुल सिंह, बीएससी (वोक.) कंप्यूटर एप्लीकेशन में तनिष्का सक्सेना, बीएससी जैव प्रौद्योगिकी में तूलिका वार्ष्णेय, बीएससी एजी. (ऑनर्स) में रजनी यादव, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में प्रियंका, बीए में नेहा को स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। बीबीए में अंकिता जैन, बी.कॉम में मोहिनी गुप्ता, बीसीए में शिल्पी चौहान, बीएड में उज्ज्वल शर्मा, बीएफए में नेहा वार्ष्णेय, बीपीईएस में नरेंद्र कुमार, बीएससी में दिशा, एलएलबी में साक्षी शर्मा, एलएलएम में हिमांशु सक्सेना, एमए (संगीत वाद्य यंत्र तबला) सृष्टि कौशिक को पदक मिलेगा।

एमए (रक्षा एवं सामरिक अध्ययन) में दीक्षा शर्मा, एमए (ड्राइंग एवं पेंटिंग) में माधुरी, एमए-अर्थशास्त्र में गौरव पाराशर, एमए-शिक्षा में गरिमा परमार, एमए-अंग्रेजी में हिमांशी जादौन, एमए-भूगोल में शोभित शर्मा, एमए- हिंदी पूनम पाल, एमए-इतिहास में नीरज वार्ष्णेय, एमए- गृह विज्ञान में मिथलेश वर्मा, एमए- राजनीति विज्ञान में रमन कुमार, एमए- मनोविज्ञान में आकाश नागर, एमए- संस्कृत में विदुषी द्विवेदी का चयन हुआ है।

दिवाली से पहले लगने वाले स्वदेशी मेले हस्तशिल्पियों को देंगे 1500 करोड़ का बाजार, 18 अक्टूबर तक आयोजन

लखनऊ , एजेंसी। नौ से 18 अक्तूबर तक प्रदेश के हर जिले में लगने वाले स्वदेशी मेले दिवाली से पहले हस्तशिल्पियों को कम से कम 1500 करोड़ का बाजार देंगे। प्रत्येक जिले में लगने वाले इन मेले में छोटे हस्तशिल्पियों, महिलाओं और लघु उद्यमियों को बड़ा मंच मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को गोरखपुर से स्वदेशी मेलों का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। सभी मंडियों को स्वदेशी मेले की जिम्मेदारी दी गई है। इन मेलों का मुख्य उद्देश्य दिवाली के बाजार को चीनी उत्पादों से मुक्त करना है।

स्वदेशी मेले का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देना, उद्योगों को बढ़ावा देना और वोकल फॉर लोकल के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। दस दिवसीय स्वदेशी मेलों का आयोजन शहर के व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण और उपयुक्त

स्थलों पर किया जा रहा है, ताकि आम जनता सुगमता से पहुंच सके और सक्रिय रूप से सहभागिता कर सके।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 के अंतर्गत जनपद स्तर पर स्वदेशी मेलों के आयोजन के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। आयोजन के दौरान जनपद के प्रभारी मंत्री समेत अन्य जनपद प्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया गया है। प्रत्येक जनपद के उपायुक्त उद्योग नोडल अधिकारी के रूप में मेले की व्यवस्था देखेंगे और जिलाधिकारी से मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे। वहीं स्वदेशी मेले को जीएसटी बचत उत्सव के रूप में भी मनाया जा रहा है।

उपलब्ध कराए गए निशुल्क स्टॉल- स्वदेशी मेला में उद्योग विभाग, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, माटी कला बोर्ड, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग विभाग, रेशम विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, सीएम युवा, ओडीओपी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, पीएमईजीपी, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के लाभार्थियों, वित्त पोषित इकाईयों, स्वयं सहायता समूहों और अन्य उत्पादकों को निशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए गए हैं। मेले में वस्तुओं एवं सेवाओं के क्रय के लिए जेम पोर्टल का उपयोग अनिवार्य रूप से किया गया है।

स्थानीय कारीगरों को मिलेगा मंच इन मेलों में स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों, हस्तशिल्पियों और ग्रामीण उद्योगों को अपनी कला और उत्पाद प्रदर्शित करने का मंच मिलेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में सजने वाले ये मेले दिवाली से पहले वोकल फॉर लोकल अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देंगे, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों अर्थव्यवस्थाओं को नई दिशा मिलेगी।

मेडिकल कॉलेज में इलाज के इंतजार में दो घंटे धूप में बैठी रही प्रसूता, चली गई जान

बहराइच , एजेंसी। राजकीय मेडिकल कॉलेज की महिला विंग में बृहस्पतिवार को इलाज में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। बीमार भाभी को भर्ती कराने के लिए ननद करीब दो घंटे तक अस्पताल में भटकती रही, लेकिन इलाज शुरू नहीं हो सका। प्रसूता ने धूप में बैठे-बैठे दम तोड़ दिया। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही और संवेदनहीनता का आरोप लगाया है।

फखरपुर के गेंदौरा गांव निवासी मनोज सिंह की पत्नी नीतू सिंह (35) को 13 दिन पहले बेटी हुई थी। प्रसव के बाद से ही नीतू की तबीयत खराब चल रही थी। बृहस्पतिवार सुबह ननद मंजू इलाज के लिए उन्हें लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज की महिला विंग पहुंचीं। मंजू ने बताया कि कमरा नंबर 105 में तैनात डॉ. मेघा ने जांच के बाद दवा लिखी और भर्ती कराने की सलाह दी। इसके बाद मंजू भर्ती

प्रक्रिया के लिए काउंटर पर गईं और भाभी को बाहर धूप में बैठा दिया।

मंजू के मुताबिक, काउंटर पर कर्मचारियों ने पहले बेड न होने का हवाला दिया, फिर उन्हें एक से दूसरी जगह भेजते रहे। करीब दो घंटे तक कोई व्यवस्था नहीं की गई। आखिर में कर्मचारियों ने कहा इमरजेंसी में ले जाइए, वहीं भर्ती होंगी, लेकिन जब मंजू लौटकर आई, तो देखा कि भाभी की सांसें थम चुकी थीं।

समय पर इलाज मिलता तो बच जाती जान- मंजू सिंह ने कहा कि अगर समय पर भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया गया होता, तो भाभी की जान बच सकती थी। घटना के बाद महिला विंग में अफरातफरी मच गई। परिजन रो-रोकर अस्पताल प्रशासन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे।

सरदार पटेल की जयंती पर जिलों में निकलेगा एकता मार्च, 31 अक्टूबर से 25 नवंबर तक होगी पदयात्रा

लखनऊ , एजेंसी। खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर सरदार 150 एकता मार्च निकाला जाएगा। इसके तहत 31 अक्तूबर से 25 नवंबर तक जिलों में पदयात्राएं निकाली जाएंगी। इसका उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और जिम्मेदार नागरिक की भावना जगाना है। वह अलीगंज स्थित पीआईबी के दफ्तर में पत्रकारों से बात कर रहे थे।

मंत्री ने कहा कि एकता मार्च युवाओं को राष्ट्र निर्माण में शामिल करने का त्योहार साबित होगा। मार्च की सभी तैयारियां और व्यवस्था एनएसएस और माई इंडिया के स्वयंसेवक करेंगे। इसका पहला चरण छह अक्तूबर से शुरू हो गया है। इसमें सोशल मीडिया रील प्रतियोगिता, निबंध

लेखन और 15-29 आयु के युवाओं के लिए यंग लीडर्स प्रोग्राम व क्विज गतिविधियां हो रही हैं।

विजेताओं की घोषणा 26 नवंबर को होगी। अभियान के अगले चरण में 31 अक्तूबर से 25 नवंबर तक जिला स्तरीय पदयात्राएं होंगी। पदयात्रा हर संसदीय क्षेत्र में लगातार तीन दिनों तक चलेगी। इसमें मंत्री व सांसदों के नेतृत्व में पदयात्राएं निकाली जाएंगी। इससे पहले स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान, सरदार पटेल के जीवन और दर्शन पर व्याख्यान, युवा परिचर्चा और नशामुक्त भारत के लिए सामूहिक संकल्प जैसे कार्यक्रम होंगे।

राष्ट्रीय स्तर की पदयात्रा 26 नवंबर से मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की पदयात्रा 26 नवंबर (संविधान दिवस) से शुरू होकर 6 दिसंबर को खत्म होगी। यह पदयात्रा सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्मस्थली गुजरात के करमसद से शुरू होकर 152 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यह केवड़िया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर समाप्त होगी।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय: राज्यपाल की नाराजगी के बाद हटाए गए चीफ प्रॉक्टर, कैंपस में नशीले पदार्थों पर रोक

जौनपुर , एजेंसी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल द्वारा परिसर में व्याप्त अव्यवस्था पर सवाल उठाए जाने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन हरकत में आ गया है। बृहस्पतिवार को चीफ प्रॉक्टर डॉ. राजकुमार सोनी को पद से हटा दिया गया। वहीं परिसर में अब पान, गुटखा, तंबाकू, बीड़ी सहित सभी प्रकार के नशीले पदार्थों के सेवन पर रोक लगा दी गई है। इस संबंध में पत्र भी जारी किया गया है।

पूर्वांवि के दीक्षांत समारोह के दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंच से ही विदेशी शराब की बोतल मिलने की घटना पर सवाल उठाया था। उन्होंने इसे विश्वविद्यालय की छवि पर दाग बताते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। उसी के बाद से प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल और जांच की प्रक्रिया जारी है। इस बीच बृहस्पतिवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने चीफ प्रॉक्टर डॉ. राजकुमार सोनी के स्थान पर व्यवहारिक मनोविज्ञान विभाग के प्रो. अजय प्रताप सिंह को नया चीफ प्रॉक्टर बनाया है। इसके साथ ही प्रो. रजनीश भास्कर (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग) और प्रो. प्रदीप कुमार (बायोटेक्नोलॉजी विभाग) को एडिशनल चीफ प्रॉक्टर के रूप में तैनात किया है।

उधर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने पत्र जारी कर कहा है कि विश्वविद्यालय में गुटखा, पान, बीड़ी, तम्बाकू आदि धूम्रपान का प्रयोग करते हुए मिलने पर संबंधित कर्मचारी या अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षा नियंत्रक ने सभी अनुभागों के प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने विभागों में सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही सभी आलमारियों और फाइलों को सुव्यवस्थित रखने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने कार्यालय में वातावरण स्वच्छ, अनुशासित और कार्य के अनुकूल बनाए रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है।

उधर, कुलपति ने एक दिन पहले वार्डन और चीफ वार्डन को बदल दिया था। साथ ही जांच समिति भी गठित की थी। तीन सदस्यीय जांच समिति में चीफ प्रॉक्टर डॉ. राजकुमार सोनी भी सदस्य थे। जिन्हें अब पद से हटा दिया गया है। वहीं, दीक्षांत समारोह के दौरान विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर इलेक्ट्रिशियन धीरज श्रीवास्तव को हटा दिया था। उधर, छात्र संगठनों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाते हुए जांच समिति की निष्पक्षता पर सवाल उठाया है।

छात्र नेताओं ने आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई है। छात्रों के मुताबिक जांच समिति में उन्हीं लोगों को शामिल किया गया है, जिन पर पहले से ही वार्डन रहने के दौरान गड़बड़ी के आरोप लग चुके हैं। छात्र नेता मंगलम त्यागी, अभिषेक दुबे और दिव्यांशु सिंह ने कहा है कि यदि दागी प्रोफेसर ही अपने खिलाफ जांच करेंगे तो निष्पक्ष रिपोर्ट आने की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

छात्रों का आरोप है कि ट्रांजिट हॉस्टल में विदेशी शराब मिलने के अलावा सफाई, भोजन और छात्रों से अभद्र व्यवहार आदि मामलों की शिकायतें पहले भी की गई थीं। उस समय भी कुछ वार्डन पर कार्रवाई की गई थी, लेकिन अब उन्हीं लोगों को फिर से जिम्मेदारी दी जा रही है। इससे विश्वविद्यालय प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन को चाहिए कि ऐसे लोगों को जांच से दूर रखकर स्वतंत्र जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह का कहना है कि चीफ प्रॉक्टर डॉ. राजकुमार सोनी को उनके पद से हटा दिया गया है। छात्रों ने जो आरोप लगाया है उस पर भी विचार किया जाएगा।

महिला को खुद के ही बाल खाने की भयानक बीमारी, ऑपरेशन में पेट से निकला इतना बड़ा गुच्छा; डॉक्टर भी हैरान

आगरा, एजेंसी। ट्राइकोफैगिया ऐसी मानसिक बीमारी है, जिसमें मरीज खुद के ही बाल नोचकर खाता है। ऐसी ही बीमारी से ग्रसित यमुनापार की 62 साल की महिला के 50 ग्राम से बाल खाने से पेट में गुच्छा बन गया। इससे आंतों में रुकावट होने लगी। हालत गंभीर होने पर साकेत कॉलोनी स्थित नवदीप हॉस्पिटल में इसका ऑपरेशन कर 760 ग्राम बाल निकाले हैं। आगरा सर्जंस एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और अस्पताल निदेशक डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि 35 साल पहले भी ये महिला नवदीप हॉस्पिटल में भर्ती हुई थी। तब इसकी उम्र 27 साल थी। उस वक्त इसके पेट से करीब 200 ग्राम बाल निकाले थे। सर्जरी करने के बाद इनके परिजन को मानसिक रोग विशेषज्ञ से इलाज कराने के लिए कहा था। परिजन ने इस पर ध्यान नहीं दिया। 6 अक्तूबर को पेट दर्द, उल्टी होने की समस्या पर भर्ती कराया। एंडोस्कॉपी से पता चला कि आंत ब्लॉक हो गई थीं। इससे मरीज की हालत बिगड़ गई। सर्जरी कर 760 ग्राम बाल निकाले हैं। अब मरीज की हालत ठीक है। मानसिक स्वास्थ्य संस्थान एवं चिकित्सालय के निर्देशक प्रो. दिनेश राठौर ने बताया कि ट्राइकोफेजिया या रैपंजेल सिंड्रोम कहते हैं। इसमें बाल तोड़ने का आवेग आता है। बीमारी के चलते मरीज का मस्तिष्क पर नियंत्रण नहीं होता। ऐसा नहीं करने पर बेचैनी होने लगती है। ऐसे में बाल तोड़कर ही उसका आवेग शांत होता है। कई मरीज इसमें बाल खा भी लेते हैं। इलाज और काउंसलिंग से मर्ज ठीक हो जाता है।

9 दिन में चांदी में 12,500 रुपये उछली, सोने से तेज चांदी की रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदी की कीमत राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में गुरुवार को 6,000 रुपये की तेजी के साथ 1,63,000 रुपये प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। चांदी में एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार इतना तेज उछाल आया है। छह अक्टूबर को यह 7,400 रुपये चढ़कर 1,57,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, बुधवार को कारोबार के अंत में चांदी की कीमत 1,57,000 रुपये प्रति किलोग्राम रही। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि भू-राजनीतिक, वित्तीय अनिश्चितताओं और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती के अनुमान के बीच वैश्विक बाजार में सुरक्षित निवेश के रूप में चांदी की खरीद बढ़ी है। इसके चलते इसकी कीमतों में लगातार उछाल आ रहा है। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना बृहस्पतिवार को अपने ऑल टाइम हाई लेवल क्रमशः 1,26,600 रुपये और 1,26,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर अपरिवर्तित रहा। वैश्विक स्तर पर, हाजिर सोना मामूली गिरावट के साथ 4,039.26 डॉलर प्रति औंस पर जबकि चांदी एक प्रतिशत से अधिक बढ़कर 49.67 डॉलर प्रति औंस के उच्च स्तर पर पहुंच गई। चांदी की कीमतों में भी इस साल 75 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है। दिसंबर 2024 के अंत में इसका भाव 89,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर थे, जो अब उछलकर 1,63,000 रुपये प्रति किलो (सभी करों सहित) के नए उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। यह चांदी का बीते कई दशकों में सबसे शानदार प्रदर्शन है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चांदी के दाम लगातार चमक रहे हैं।

एक्स-बोनस ट्रेड कर रही है कंपनी, मिलेंगे 1 पर 1 शेयर फ्री

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले एक साल में निवेशकों को मालामाल करने वाली कंपनी नर्मदा मैकप्लास्ट ड्रिप इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर आज एक्स-बोनस ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को अपर सर्किट लगा है। बता दें, 2025 में कंपनी में पोजीशनल निवेशकों को 100 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। एक्सचेंज को दी जानकारी में नर्मदा मैकप्लास्ट ड्रिप इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 10 अक्टूबर 2025 यानी आज की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में आज रहेगा उन्हें बोनस शेयर का लाभ मिलेगा। इस कंपनी के शेयरों का बंटवारा भी प्रस्तावित है। कंपनी शेयर बाजार में अगले हफ्ते एक्स-स्प्लिट ट्रेड करेगी। एक्सचेंज को मिली जानकारी के अनुसार 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। नर्मदा मैकप्लास्ट ड्रिप इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड ने 17 अक्टूबर 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट घोषित किया है। गुरुवार को यह स्टॉक बीएसई में 246.35 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। वजह से यह स्टॉक 128.50 रुपये पर खुला। लेकिन अपर सर्किट लगते ही कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 129.35 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। बीएसई के डाटा के अनुसार कंपनी के शेयरों की कीमतों में 2025 में 154 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 488 प्रतिशत बढ़ा है।

लीज पर कॉमिक्स देने वाले ने

खड़ी कर दी 8,885 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। एक ग्लोबल इंजीनियरिंग सर्विसेज प्रोवाइडर कंपनी है जिसका हेडक्वार्टर सिंगापुर में है। इस कंपनी में 21 हजार से अधिक लोग काम करते हैं जिनमें से 15,000 भारत में हैं। दुनिया भर के 17 देशों में इसके 83 सेंटर हैं। मार्च 2025 में समाप्त हुए वर्ष में इसका रेवेन्यू 1 बिलियन यानी करीब 8,885 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी के ग्राहकों में रोल्स रॉयस, जीई, प्रैट एंड व्हिटनी, एयरबस, ब्रिटिश पेट्रोलियम, एएमडी, रेनेसास, माइक्रोसॉफ्ट और क्वालकॉम शामिल हैं। इसकी स्थापना कर्नाटक के एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली अजीत प्रभु ने की थी। अजीत का बचपन उत्तरी कर्नाटक के एक छोटे से शहर हुबली में बीता। वह एक साधारण परिवार से आते हैं। 1980 के दशक में कॉमिक्स मनोरंजन का एक जरिया हुआ करती थीं लेकिन अजीत के पास उन्हें खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। उन्होंने एक ऐसी तरकीब निकाली की पैसा भी ज्यादा न देना पड़े और कॉमिक्स भी पढ़ने को मिल जाए। वह दुकान पर ही कॉमिक पढ़ते और इसके लिए 25 पैसे देते। दुकान मालिक की एक ही शर्त थी कि कॉमिक को सही सलामत वापस करना होगा। फिर वह कॉमिक्स को घर ले जाकर अपने दोस्तों को किराए पर देने लगे। इस तरह अजीत ने थोड़े पैसे जमा करने शुरू कर दिए और कॉमिक्स का एक कलेक्शन भी बना लिया। यूनिवर्सिटी में उनका फोकस टीचिंग या रिसर्च असिस्टेंटशिप खोजने पर था जो उनके कोर्स का भुगतान कर सके। उन्हें मिली पहली नौकरी यूनिवर्सिटी के बुकस्टोर में मिली। उनका काम गोदाम से किताबें लाने और उन्हें स्टोर में ठीक से रखने करने में मदद करना था। बाद में उन्हें माइनोरिटी स्टूडेंट्स को को गणित पढ़ने का काम मिला। इस काम से उन्होंने छह महीने में कार खरीदने लायक कमाई भी कर ली थी।

जीई ने बदली सोच

अजीत के जीवन अहम बदलाव उस समय आया जब उनके माता-पिता ने अमेरिका आने की इच्छा व्यक्त की। अजीत को उन्हें लाने के लिए 5,000 जुटाने की आवश्यकता थी। एक प्रोफेसर ने उन्हें जनरल इलेक्ट्रिक कॉर्पोरेट आर एंड डी में नौकरी करने की सलाह दी। जीई में उन्हें 58,000 के वेतन पर इंजीनियर की नौकरी मिल गई। अजीत अपना बिजनेस करना चाहते थे और साल 1997 में उन्होंने अरविंद मेल्लीगेरी के साथ क्वेस्ट ग्लोबल की स्थापना की। एनालिस्ट क्वेस्ट को एक इंजीनियरिंग आर एंड डी सर्विस कंपनी कहते हैं।

साधारण पृष्ठभूमि

अजीत के पिता हुबली में वकील थे। अजीत ने कन्नड़ माध्यम के सरकारी स्कूल में पढ़ाई की। वह मैथ्स और फिजिक्स में अच्छे थे जिससे उन्होंने एक इंजीनियरिंग कॉलेज में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में दाखिला मिल गया। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के ओल्ड डोमिनियन यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की। एसबीआई से लोन लेकर उनके अमेरिका जाने के टिकट का इंतजाम किया गया और जेब में 60 के साथ वह अमेरिका रवाना हो गए। अमेरिका में उनकी पहली रात पूरी तरह से हवाई अड्डे के टर्मिनल में बीती। आया और उन्हें अमेरिकी पे-फोन सिस्टम के काम करने का तरीका नहीं पता था।

ट्रंप के करीबी ने भी माना इंडियन इकॉनमी का लोहा, पार्टनरशिप के लिए बढ़ाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है और अमेरिका के करीबी देश ब्रिटेन ने भी इसका लोहा मान लिया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने गुरुवार को कहा कि भारत वर्ष 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और ब्रिटेन इस सफर में साझेदार बनने के लिए उपयुक्त स्थिति में है। स्टार्मर ने मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता ब्रिटेन को प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में नेतृत्व बढ़ाने का अवसर देगा।

उन्होंने कहा कि दोनों देश 'ब्रिटेन-भारत प्रौद्योगिकी सुरक्षा पहल' को भी गहरा कर रहे हैं। बुधवार को एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मुंबई पहुंचे स्टार्मर ने कहा कि उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ रूस-यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा की और दोनों देशों ने इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए साझा दृष्टिकोण अपनाया। दोनों देशों ने 2030 तक आपसी व्यापार को 100 अरब डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है जो अभी 56 अरब डॉलर है। भारत अभी अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकॉनमी है। माना जा रहा है कि अगले कुछ साल में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बन जाएगा। स्टेटिस्टा के मुताबिक जर्मनी की इकॉनमी अभी 4.74 ट्रिलियन है जबकि भारत की 4.19 ट्रिलियन है। इस साल जर्मनी की इकॉनमी में 0.1 फीसदी गिरावट आने की संभावना है जबकि भारतीय इकॉनमी के 6.2 फीसदी ग्रोथ से बढ़ने का अनुमान है।

एचडीएफसी बैंक और अटल पेंशन योजना से जुड़ी दो खबरें आपके लिए बेहद जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अटल पेंशन योजना का नया रजिस्ट्रेशन फॉर्म जारी हो चुका है। इसमें कई बदलाव किए गए हैं। अब पुराने फॉर्म से रजिस्ट्रेशन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अटल पेंशन योजना में सबसे अहम बदलाव यह है कि एफएटीसीए/सीआरएस की घोषणा अब अनिवार्य कर दी गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कोई उपभोक्ता विदेशी नागरिक तो नहीं है। इस बदलाव से यह सुनिश्चित होगा कि एपीवाई खाते सिर्फ भारत में रहने वाले नागरिक ही खोल सकें। इसके अलावा फीस संरचना में भी बदलाव किया गया है। सरकारी क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक पीआरएएन किट 18 रुपये और फिजिकल कार्ड 40 रुपये में उपलब्ध होगा, जबकि वार्षिक रखरखाव शुल्क 100 रुपये होगा। एपीवाई और एनपीएस-लाइट खाता खुलवाने और रखरखाव की फीस 15 रुपये रखी गई है। निजी क्षेत्र में एएमसी 100 रुपये से लेकर 500 रुपये तक तय की गई है, जबकि सभी लेन-देन पर शुल्क माफ रहेगा। अटल पेंशन योजना 2015 में शुरू हुई थी और इसका उद्देश्य कामगारों को 60 वर्ष की उम्र के बाद 1,000 से 5,000 रुपये मासिक पेंशन प्रदान करना है। इसके लिए उम्र 18 से 40 साल के बीच में होनी चाहिए।

एप्पल, गूगल के बाद अब मेटा करेगी भारत में बड़ा निवेश

44000000 की डील फाइनल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अर्थव्यवस्था को मृत बताने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब आंखें खोलकर देख लें। उनके ही देश की बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत की अर्थव्यवस्था का लोहा मान रही हैं और यहां जमकर निवेश कर रहा हैं। एप्पल और गूगल के बाद अब मेटा भी भारत में बड़ा निवेश करने जा रही है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इसके लिए उनसे 5 मिलियन डॉलर (करीब 44 करोड़ रुपये) की डील फाइनल की है। मेटा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसी कंपनियों की मालिक है।

मेटा भारत में एक बड़ा अंडरसी केबल प्रोजेक्ट शुरू कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का नाम वाटरवर्थ है। यह अरबों डॉलर का प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट के लिए मुंबई और विशाखापत्तनम को लैंडिंग साइट्स (जहां केबल जमीन पर उतरेगा) के तौर पर चुना गया है। इस प्रोजेक्ट के लिए मेटा ने भारत में सिफी टेक्नोलॉजीज को अपना लैंडिंग पार्टनर बनाया है। यह डील करीब 5 मिलियन डॉलर की बताई जा रही है। खास बात यह है कि गूगल भी अपने 400 मिलियन डॉलर के ब्लू-रमन सबसी केबल के लिए सिफी टेक्नोलॉजीज के साथ ही पार्टनरशिप कर रहा है।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में बढ़ती दिलचस्पी

मेटा और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों का भारत में इस तरह का निवेश, देश के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में उनकी बढ़ती दिलचस्पी को दिखाता है। यह इस बात का भी संकेत है कि दुनिया भर में डेटा कनेक्टिविटी के मामले में भारत का महत्व लगातार बढ़ रहा है। पिछले तीन सालों में भारत के सबसी केबल (समुद्र के नीचे बिछाए जाने वाले केबल) के क्षेत्र में बहुत बड़ी क्षमता जुड़ी है। सिर्फ मेटा और गूगल ही नहीं, बल्कि रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसी भारतीय टेलीकॉम कंपनियां भी इस क्षेत्र में भारी निवेश कर रही हैं। वे भारत में बढ़ती डेटा की मांग का फायदा उठाना चाहती हैं। कैलिफोर्निया की कंपनी ओपनकेबल्स इंक के फाउंडर सुनील टैगारे का मानना है कि मेटा का यह केबल सिस्टम अगले 5 से 10 सालों में करीब 10 अरब डॉलर का निवेश हो सकता है। उन्होंने बताया कि इसमें सिर्फ केबल बिछाने का खर्च 2 अरब डॉलर होगा।

केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है... केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा

● कैसे बढ़ी किसानों की इनकम ● पर्यावरण संरक्षण और मूल्य आधारित सामाजिक व्यवस्था के साथ-साथ चलना चाहिए

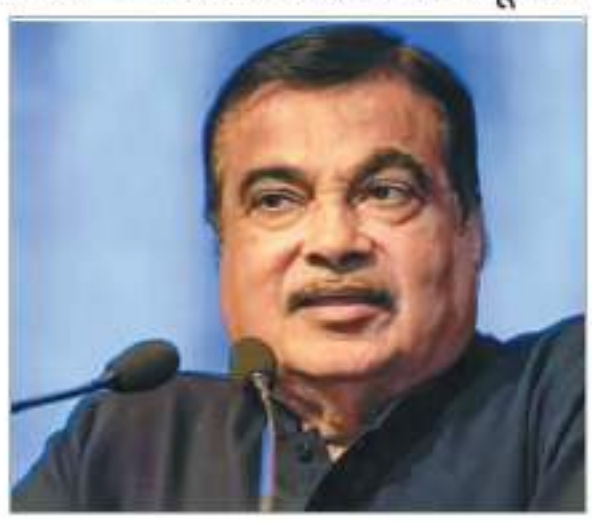

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परिवर्तनकारी नेतृत्व में भारत 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की तरफ बढ़ रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में भारत मंडपम में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 120वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। इसे पर्यावरण संरक्षण और मूल्य आधारित सामाजिक व्यवस्था के साथ-साथ चलना चाहिए।

गडकरी ने कहा कि बीते 11 वर्षों में भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर में बड़ा बदलाव आया है और यह जापान को पछाड़कर दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। साल 2014 में भारत 7वें स्थान पर था। उन्होंने कहा, अब 22 लाख करोड़ रुपये से अधिक के टर्नओवर के साथ भारत तेजी से दुनिया का ऑटोमोबाइल हब बन रहा है और बायोफ्यूल, इथेनॉल, मेथनॉल, बायोडीजल, एलएनजी और हाइड्रोजन में तेजी से प्रगति कर रहा है।

इस दौरान उन्होंने सरकार द्वारा कृषि में किए जा रहे वैल्यू एडिशन के बारे में भी चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मक्के से इथेनॉल उत्पादन की अनुमति देने से न केवल किसानों की आय बढ़ी है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिला है। मक्के से इथेनॉल उत्पादन को मंजूरी देने से उत्तर प्रदेश और बिहार में किसानों की आय में काफी वृद्धि हुई है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था के 45,000 करोड़ रुपये से अधिक का फायदा हुआ है। इसी कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत की लगभग 46 आबादी कृषि क्षेत्र में कार्यरत है और सरकार का ध्यान खाद्य उत्पादन तथा किसान कल्याण में आत्मनिर्भरता पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा को किसानों की समृद्धि के साथ-साथ चलना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे किसान न केवल देश का पेट भरें, बल्कि सम्मान और स्थिरता के साथ कमाई भी करें। उन्होंने प्रति हेक्टेयर उत्पादकता बढ़ाने, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के माध्यम से बीजों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और छोटे तथा सीमांत किसानों को सशक्त बनाने के लिए मशीनीकरण में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश का लक्ष्य खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर कृषि के सभी पहलुओं में पोषण सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को भी शामिल करना चाहिए।

सब्सक्रिप्शन में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के आईपीओ ने तोड़े रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी।

दक्षिण कोरिया की कंपनी एलजी की भारतीय इकाई एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) ने सब्सक्रिप्शन में नया रिकॉर्ड बनाया है। दरअसल, 10000 करोड़ रुपये से ज्यादा के इस आईपीओ की बोलियां 4 लाख करोड़ के पार पहुंच गई है। वहीं, 54 गुना सब्सक्राइब हुआ है। इस कैटगरी के अन्य आईपीओ में हुंडई मोटर इंडिया, एलआईसी और पेटीएम को केवल 1.5 गुना से 3 गुना के बीच ही सब्सक्रिप्शन मिला था। कहने का मतलब है कि एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के आईपीओ ने इन सभी बड़े इश्यूज को काफी पीछे छोड़ दिया है।

इसमें संस्थागत निवेशकों ने सबसे ज्यादा रुचि दिखाई है। आंकड़ों के मुताबिक, इन निवेशकों ने अब तक 3.5 लाख करोड़ से ज्यादा की बोलियां लगाई हैं। आईपीओ के अंतिम दिन शाम 4:30 बजे तक कुल 4.4 लाख करोड़ की बोलियां दर्ज की गईं, जो इसे देश का सबसे ज्यादा मांग वाला बड़ा इश्यू बना देती है। इसने बजाज हाउसिंग फाइनेंस के पिछले साल के 3.2 लाख करोड़ के बोली रिकॉर्ड को भी पार कर लिया है। इस इश्यू के नॉन-इंस्टिट्यूशनल हिस्से को 22 गुना और रिटेल निवेशकों के हिस्से को 3.5 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्रमुख घरेलू उपकरणों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में अग्रणी कंपनी है। कंपनी के उत्पाद भारत और विदेशों में बी2सी और बी2बी दोनों ग्राहकों को बेचे जाते हैं। यह अपने सभी उत्पादों के लिए स्थापना, मरम्मत और रखरखाव सेवाएं भी प्रदान करता है। कंपनी वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, एलईडी टीवी पैनल, इन्वर्टर एयर कंडीशनर और माइक्रोवेव सहित अन्य उत्पाद बनाती और बेचती है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने सोमवार को एंकर निवेशकों से 3,475 करोड़ रुपये जुटाए थे। वहीं, इसका प्राइस बैंड 1,080 रुपये से 1,140 रुपये प्रति शेयर है। आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम यानी जीएमपी 300 रुपये प्रति शेयर है। यह 26 से ज्यादा प्रीमियम को दिखाता है। इस लिहाज से शेयर 1400 रुपये के पार लिस्ट होने का अनुमान है।14 अक्टूबर को शेयर बाजार में पदार्पण करने की उम्मीद है। बता दें कि आईपीओ पूरी तरह से 10.18 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) है, जो दक्षिण कोरिया स्थित मूल कंपनी द्वारा लगभग 15 प्रतिशत हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करता है। चूंकि सार्वजनिक निर्गम पूरी तरह से एक बिक्री पेशकश (ओएफएस) है, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया को आईपीओ से कोई आय प्राप्त नहीं होगी।

मीडियाटेक ने डायमेन्सिटी 9500 चिपसेट के साथ ऑन-डिवाइस एआई अनुभवों को बढ़ाने वाले

नई दिल्ली, एजेंसी। हर वर्ष दो अरब से अधिक कनेक्टेड डिवाइसेस को ताकत दे रही विश्व की अग्रणी फैबलेस सेमीकंडक्टर कंपनी मीडियाटेक ने अपने टेक्नोलॉजी रूपरेखा को अत्याधुनिक ढंग से मजबूत करते हुए एआई के भविष्य को आकार प्रदान करने के लिए अपना विजन पेश किया। मीडियाटेक ने विस्तृत एन2पी प्रोसेस पर अगली पीढ़ी का अग्रणी एसओसी विकसित करने के लिए टीएसएमसी के साथ गठबंधन की भी घोषणा की और अगले वर्ष बड़ी मात्रा में इसका उत्पादन शुरू होने की संभावना है।

मीडिया के साथ अपनी विशेष बातचीत में मीडियाटेक ने अपना नवीनतम अग्रणी चिपसेट दि मीडियाटेक डायमेन्सिटी 9500 पेश किया जिसे अगली पीढ़ी के 5जी स्मार्टफोन को सुपरचार्ज करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह चिपसेट उद्योग के अग्रणी ऑन-डिवाइस एआई, कंसोल-ग्रेड गेमिंग और बेजोड़ पावर दक्षता का मेल कराती है जिससे मोबाइल का निष्पादन नए सिरे से परिभाषित होता है।

मीडियाटेक ने अत्याधुनिक एआई और गेमिंग प्रदर्शन जैसे इमेज-टु-इमेज स्टाइल बातचीत, 4के रिजोल्यूशन टेक्स्ट-टु-इमेज जेनरेशन के जरिए मीडियाटेक डायमेन्सिटी 9500 चिपसेट की पूर्ण क्षमताओं को रेखांकित किया और मेगा लाइट व नैनाइट जैसी अनरीयल इंजन टेक्नोलॉजीज के लिए मीडियाटेक डायमेन्सिटी 9500 के सपोर्ट को प्रदर्शित किया जिससे कंसोल ग्रेड के रीयल टाइम विजुअल्स मिलते हैं और गतिशील लाइटिंग के साथ मोबाइल डिवाइस पर एएए गुणवत्ता के विवरण मिलते हैं।

बालिकाओं को उड़ान दें, समाज को नई दिशा दें

दिलीप कुमार पाठक

आज भी हमारे देश एवं दुनिया में बेटियों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के लिहाज से स्थिति कुछ अच्छी नहीं है। भारत सहित पूरी दुनिया में लिंग भेद आज भी है, अन्यथा अमेरिका जो दुनिया को संस्कृति सिखाने का ठेकेदार बनता है, आज तक उनके देश में एक भी महिला राष्ट्रपति नहीं बन पाई। जब हम भारतीय परिपेक्ष्य में देखते हैं तो स्थिति और भी विकट है।

जब तक हमारे समाज में बेटियों के प्रति ज्यादतियां होती रहेंगी, तब तक हम कितना भी समृद्ध, उदारवादी विकसित समाज होने का ढोल पीट लें हमारी वास्तविकता कुछ और ही है। 2011 की जनगणनाः भारत में प्रति 1,000 पुरुषों पर 943 महिलाएं थीं, लिंगभेद की स्थिति इसी से समझी जा सकती है। भारत में पुरुषों की साक्षरता दर 82.14% और महिलाओं की साक्षरता दर 65.46% है, जो शिक्षा में लिंग अंतर को दर्शाती है। उच्च शिक्षा में पुरुषों का अनुपात ज्यादा है, और महिला शिक्षकों का प्रतिशत पुरुषों की तुलना में कम है। पुरुष शिक्षकों और उच्च शिक्षा में कुल नामांकित छात्रों की संख्या में महिलाओं की तुलना में अधिक है। कई सामाजिक कारक, जैसे कि कम उम्र में विवाह, बाल श्रम, और आर्थिक तंगी, लड़कियों की शिक्षा में बाधाएं उत्पन्न करती हैं और उनके स्कूल छोड़ने की दर को बढ़ाती हैं। आज भी हमारे देश एवं दुनिया में बेटियों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के लिहाज से स्थिति कुछ अच्छी नहीं है। भारत सहित पूरी दुनिया में लिंग भेद आज भी है, अन्यथा अमेरिका जो दुनिया को संस्कृति सिखाने का ठेकेदार बनता है, आज तक उनके देश में एक भी महिला राष्ट्रपति नहीं बन पाई। जब हम भारतीय परिपेक्ष्य में देखते हैं तो स्थिति और भी विकट है। जब हमारे देश में हाथरस, मंदसौर, कोलकाता, उन्नाव, कठुआ, बुलन्दशहर, हैदराबाद आदि से रेप की दर्दनाक खबरें आती हैं और जहां से भी छोटी - छोटी बालिकाओं पर ज्यादतियों की खबरें आती हैं, तो पूरे समाज पर प्रश्न चिन्ह लग जाते हैं कि हमारे समाज में शिक्षा एवं संस्कारों में ये कैसी गिरावट है जहां छोटी - छोटी बालिकाएं कठिन परिस्थितियों का सामना कर रही हैं। लिंग भेद ऐसा कि अपनों के बीच भी बच्चियों को गैरों जैसा दोयम दर्जे का व्यवहार झेलना पड़ता है।

जब पाकिस्तान में मलाला युसुफजई ने बेटियों के शिक्षा का मुद्दा उठाया, तो कट्टरपंथी लोगों ने उन पर जानलेवा हमला किया, ऐसे-ऐसे मुद्दे जब मेन स्ट्रीम में आते हैं, तब समाज की हकीकत सामने आ जाती है, दरअसल हमारे समाज में आज भी लड़कियों को लड़कों के बराबर न मानने वाले लोगों की संख्या ज्यादा है, हालांकि समाज के लिए सोचने वाले कुछ अग्रणी लोग एनजीओ के माध्यम से ही सही बालिकाओं के लिए कुछ न कुछ योगदान दे रहे हैं, परंतु ये काफी नहीं है। यही कारण है कि हर साल 11 अक्टूबर को इंटरनेशनल डे ऑफ गर्ल चाइल्ड यानी कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। इसे मनाने की शुरुआत युनाइटेड नेशन ने 2012 में की थी। इस दिन को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य था लड़कियों के विकास के लिए अवसरों को बढ़ाना और लड़कियों की दुनियाभर में कम होती संख्या के प्रति लोगों को जागरूक करना, जिससे कि लिंग असमानता को खत्म किया जा सके। लिंग असमानता भारत सहित पूरी दुनिया की सच्चाई है।

इस दिन को मनाने का उद्देश्य यह भी है कि समाज में जागरूकता लाकर लड़कियों को वे समान अधिकार दिलाए जा सकें, जो कि लड़कों को दिए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस को बढ़ावा देने के लिए इस दिन अलग-अलग देशों में कई तरह के आयोजन भी किए जाते हैं जिसके अंतर्गत लड़कियों की शिक्षा, पोषण, उनके कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल के प्रति उन्हें और समाजजनों को जागरूक किया जाता है। लड़कियों को सुरक्षा मुहैया कराना, उनके प्रति भेदभाव व हिंसा खत्म करना। बाल विवाह पर प्रतिबंध लगाना भी इस दिन को मनाने के कारणों में शामिल है। 11 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर, 2011 को प्रस्ताव 66/170 के माध्यम से घोषित किया गया था। इसे पहली बार 11 अक्टूबर, 2012 को मनाया गया था। यह वार्षिक दिवस 1995 के बीजिंग घोषणापत्र और कार्य योजना से जुड़ा है, जिसने पहली बार दुनिया भर में बालिकाओं के विशिष्ट अधिकारों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला था।

प्लान इंटरनेशनल ने इस पहल का नेतृत्व किया, जिसमें कनाडा सरकार सहित कई देशों का मजबूत समर्थन मिला। यह कार्यक्रम बालिकाओं के सशक्तीकरण, मानवाधिकारों और उन्हें प्रभावित करने वाले निर्णयों में उनकी भागीदारी के हित में, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, भेदभाव और हिंसा जैसी बाधाओं पर दुनिया का ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करता है। इस दिन दुनिया भर में बालिकाओं के लिए एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत भविष्य सुनिश्चित करने के प्रयासों को बढ़ावा दिया जाता है।

आज 11 अक्टूबर 2025 को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस की थीम हैः द गर्ल आई एम, द चेंज आई लीडः गर्ल्स ऑन द फ्रंटलाइन्स ऑफ क्राइसिसइ इस थीम का मुख्य फोकस उन परिस्थितियों पर है जिनका सामना बालिकाओं को करना पड़ता है, और उनकी दृढ़ता, नेतृत्व तथा मजबूत आवाजों पर, जो मानवीय, सामाजिक और पर्यावरणीय संकटों के खिलाफ खड़ी होती हैं। चूंकि संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और असमानताएं बालिकाओं के खिलाफ असमान रूप से भारी पड़ती हैं, इसलिए यह विषय परिवारों, समुदायों और समाजों में परिवर्तनकारी भूमिकाएं निभाने में उनके साहस को दर्शाता है। यह बालिकाओं को परिस्थितियों के शिकार के रूप में नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में पहचानने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। लड़कियों के अनुभवों और नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए, यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सशक्तिकरण में निवेश का आह्वान करती है ताकि वे सक्रिय रूप से एक बेहतर और अधिक समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकें। यह नारा दुनिया को याद दिलाता है कि हर बालिका में क्षमताएं भरपूर होती हैं और यह समाज का दायित्व है कि वह उनमें से प्रत्येक को संकट की स्थिति में अग्रणी भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करें'

(लेखक पत्रकार हैं)

संपादकीय

विकास की नींव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चीन की उत्पादक यात्रा पर हैं। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में भाग लिया और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन सहित विश्व नेताओं से द्विपक्षीय वार्ता की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने के सभी प्रयासों का स्वागत करता है और यूक्रेन संघर्ष को यथा शीघ्र समाप्त करना मानवता का आह्वान है। यह भी कहा कि हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे। पुतिन ने कहा कि रूस और भारत ने दशकों से विशेष मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए हैं, जो भविष्य के विकास की नींव हैं। उन्होंने इन संबंधों को दलगत राजनीति से ऊपर बताया और अधिकांश लोगों का समर्थन प्राप्त बताया। पुतिन ने रूस-यूक्रेन युद्ध को सुलझाने के लिए भारत और चीन के प्रयासों की सराहना की और यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों की भी आलोचना की। रूस हमेशा से भारत का मुखर समर्थक रहा है। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थाई सदस्यता मिलने का समर्थन किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रूसी तेल और हथियार खरीदने पर भारत को दंडित करने के लिए 50प्र. टैरिफ लगाया है, जो दुनिया भर में सबसे ज्यादा बताया जा रहा है। भारत और रूस, दोनों के बीच लगभग पंद्रह साल पहले शुरू हुई रणनीतिक साझेदारी के आधार पर द्विपक्षीय संबंध विकसित हो रहे हैं। इस मुलाकात को ट्रंप को सीधा चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिका का आरोप है कि भारत पुतिन की युद्ध मशीनरी को वित्त-पोषित कर रहा है और रूसी ऊर्जा की बिक्री से भारी मुनाफा भी कमा रहा है जबकि भारत साफ कर चुका है कि रूसी तेल और रक्षा उपकरणों की खरीद ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रख कर की गई है। चीन के बाद भारत रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है। देश के ऊर्जा आयात मास्को की हिस्सेदारी 40प्र. है। बेशक, भारत अपने दीर्घकालिक रणनीतिक संबंधों का बचाव करते हुए कहता रहा है कि हम अपने संबंधों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देख सकते। इस बैठक को अमेरिका कैसे देखता है, से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है कि व्यापार असंतुलन को सुधारने के प्रति सकारात्मक रणनीति बनाई जाए और व्यापार में विविधता लाने के प्रयास किए जाएं। भारत, चीन और रूस की इन उत्पादक बैठकों को देख कर अमेरिका की त्योरियां चढ़ने की अब कोई फिक्र करता नहीं नजर आ रहा।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी रोकने में सक्रिय सामुदायिक सहायता की जरूरत हैं

किशन सनमुखदास भावनानी

अंतरराष्ट्रीय स्तरपर मादक पदार्थों के सेवन और नशीली दवाओं के दुरुपयोग तथा उसकी अवैध तस्करी के मामलों से करीब-करीब हर देश पीड़ितहै और यह समस्या दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है। खासकर मानवीय युवा पीढ़ी जिन्हें भविष्य की बागडोर संभालनी है, यानें हमारी अगली पीढ़ी बनने वाले युवा और बच्चों की रुचि मादक पदार्थों में बढ़ती ही जा रही है।हम अपने आसपास भी देखते होंगे कि बच्चे भी सिगरेट, बीड़ी, बीयर पीने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं जो वैश्विक समस्या बनती जा रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यहां गुटखा पाबंदी होने के बावजूद स्कूलों के आसपास भी भारी मात्रा में तंबाकू युक्त गुटके मिलते रहते हैं जो बिना मिलीभगत के संभव नहीं है, नशा, एक ऐसी बीमारी है जो कि युवा पीढ़ी को लगातार अपनी चपेट में लेकर उसे कई तरह से बीमार कर रही है।शराब, सिगरेट,तम्बाकू एवं ड्रग्सन जैसे जहरीले पदार्थों का सेवन कर युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा नशे का शिकार हो रहा है। आज फुटपाथ और रेल्वे.प्ले टफार्म पर रहने वाले बच्चों भी नशे की चपेट में आ चुके हैं। लोग सोचते हैं कि वो बच्चेंक कैसे नशा कर सकते है जिनके पास खाने को भी पैसा नहीं होता। परंतु नशा करने के लिए सिर्फ मादक पदार्थों की ही जरुरत नहीं होती, बल्कि व्हाइटनर,नेल पॉलिश, पेट्रोल आदि की गंध, ब्रेड के साथ विक्स और झंडु बाम का सेवन करना, कुछ इस प्रकार के नशे भी किए जाते हैं, जो बेहद खतरनाक होते हैं।नशे की लत ने इंसान को उस स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया है कि अब व्यक्तिह मादक पदार्थों के सेवन के लिए किसी भी हद तक जा सकता है, वह नशे के लिए जुर्म भी कर सकता है। नशे के मामले में महिलाएं भी पीछे नहीं है। महिलाओं द्वारा भी मादक पदार्थों का बहुत अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है। व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में तनाव, प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन व तलाक आदि कारण, महिलाओं में नशे की बढ़ती लत के लिए जिम्मेदार है।इसीलिए ही नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ हम इस आर्टिकल के माध्यम से,आओ नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी को रोकने सक्रिय भूमिका बढ़ाएं पर परिचर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम नशीली दवाओं के दुरुपयोग की करें तो, ड्रग्स एंड क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) ने उल्लेख किया है, एक साथ, हम विश्व नशीली दवाओं की समस्या से निपट सकते हैं। मजबूत दृढ़ संकल्प और नशीली दवाओं से संबंधित ज्ञान साझा करके, हम सभी नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त एकअंतरराष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।जब ड्रग्स का दुरुपयोग व्यापक रूप से समाज के अमीर और गरीब वर्ग के बीच फैल जाता है तो उस समय सबसे अधिक अनिवार्य है नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सामुदायिक सहायता की जरूरत की। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ युद्ध में प्रसिद्ध कहावत रोकथाम इलाज से बेहतर है, काफी प्रासंगिक है। ड्रग्स के दुरुपयोग और इससे जुड़ी अवैध तस्करी के खिलाफ जनजागृति बढ़ाना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम मादक पदार्थों की करेंतो गुटखा तंबाकू तंबाकू के उपयोग से होने वाली हानियां, मदिरा अफीम, कोकीन, भांग, चरस, गांजा , हशीश, एलएसडी आदि अन्य पदार्थ भी मादक पदार्थों के रूप में प्रचलन में हैं। युवा इनको प्रयोग विभिन्न कारण से कर बैठते हैं और चंगुल में फंस जाते हैं। इनके प्रयोग से दुष्प्रभाव परिवार से विच्छेदन, अपराध प्रवृति की वृद्धि शारीरिक एवं मानसिक कमजोरी के रूप में सामने आते हैं। कुछ समय के लिए मस्ती देनेवाले नशीले द्रव्यों के निरंतर सेवन से मनुष्य के तन-मन निष्क्रिय और शिथिल हो जाते हैं, दृष्टि कमजोर हो जाती है, पाचनशक्ति मंद पड़ जाती है तथा हृदय और फेफड़ों पर बुरा असर पड़ता है। इससे स्वास्थ्य चौपट हो जाता है और मनुष्य असमय ही मृत्यु का द्वार खटखटाने लगता है। नशीली दवाओं की लत एक कट्टर दानव है जो हमारे समाज के विकास पर रोक लगा सकती है। कैंसर जैसी अनेक भयंकर बीमारियां हमेशा सक्रियता से होने का डर बना रहता है।

साथियों बात अगर हम भारत में नशा मुक्ति के लिए सरकार ने कौन-कौन से कदम उठाए हैं, की करें तो भारत में नशा मुक्ति के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, ताकि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी को रोका जा सके यहां कुछ प्रमुख सरकारी प्रयासों का विवरण दिया गया है:(1)नशा मुक्त भारत अभियान-यह अभियान अगस्त 2020 में शुरू किया गया था,इसका उद्देश्य देशभर में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना, लोगों को सहायता देना और पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराना है।अब तक 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जा चुका है, 3 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थान और 8,000 से अधिक मास्टर वॉलंटियर्स इस अभियान में जुड़े हैं। (2) कानूनी और प्रशासनिक सख्ती-नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस एक्ट के तहत सख्त कानून बनाए गएहैं2014 के बाद से ड्रग्स के मामलों में 152 पेर्सेंट की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, गिरफ्तारियों में 400 पेर्सेंट की वृद्धि हुई है और जब्त की गई ड्रग्स का मूल्य 30 गुना बढ़ा है। 2014 से अब तक 12 लाख किलोग्राम से अधिक ड्रग्स नष्ट की गई हैं। (3) इंटर-एजेंसी समन्वय और तकनीकी उपाय - नारको कोऑर्डिनेशन सेंटर और जॉइंट कोऑर्डिनेशन कमेटी के जरिए विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाया गया है।सिम्स पोर्टल विकसित किया गया है, जिससे ड्रग्स से जुड़े मामलों की मॉनिटरिंग और डेटा ट्रैकिंग आसान हुई है।समुद्री मार्गों की निगरानी के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाई गई है। (4) जागरूकता और शिक्षा-स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। युवाओं और अभिभावकों के लिए कार्यशालाएं, सेमिनार और

काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाते हैं, ताकि वे नशे के दुष्परिणाम समझ सकें और समय रहते मदद ले सकें। (5) पुनर्वास और सहायता केंद्र- देशभर में सरकारी और गैर-सरकारी पुनर्वास केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां नशा पीड़ितों को इलाज, काउंसलिंग और पुनर्वास की सुविधा मिलती है। (6) सीमा सुरक्षा और तस्करी पर नियंत्रण-भारत की सीमाओं पर सुरक्षा एजेंसियों को मजबूत किया गया है, ताकि ड्रग्स की तस्करी को रोका जा सके।ड्रग्स की तस्करी के मामलों में वित्तीय जांच और संपत्ति जब्त करने जैसी सख्त कार्रवाई की जा रही है। (7) समुदाय और परिवार की भागीदारी-सरकार समुदाय और परिवारों को भी नशा मुक्ति अभियान में शामिल कर रही है, ताकि समाज का हर वर्ग इसमें भरपूर स्वेच्छा से सहयोग दे सके।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी रोकने में सक्रिय सामुदायिक सहायता की जरूरत हैं, नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने समुदायिक सहायता की जरूरत है।मादक पदार्थों के प्रयोग से दुष्प्रभाव-परिवारों से विच्छेदन, अपराधिक प्रवृत्ति में वृद्धि, शारीरिक व मानसिक कमजोरी के रूप में सामने आती है।

चिंतन-मनन

सुखी रहने के लिए लें धर्म की शरण!

दुनिया का हर व्यक्ति केवल सुख ही चाहता है। दुख से सब दूर भागते हैं। यदि हमें सुखी रहना है तो सबसे पहले धर्म से जुड़ना होगा। किसी के मन को दुखाना भी पाप है। भागदौड़ भरी जिंदगी में आज हर व्यक्ति विवेक नहीं रख पाता है। इसलिए पाप बंध को बांधता चला जाता है और पाप बंधने के कारण सुखी नहीं हो पाता। इसलिए सुखी रहने के लिए धर्म की शरण में जाकर धर्म के मर्म को समझना होगा। धर्म की शुरुआत व्यक्ति को सबसे पहले अपने घर से ही करना चाहिए। यदि हम विवेकपूर्ण जीवन जिएंगे तो पाप से बच पाएंगे और जो पाप से बच पाएगा, वही सही मायनों में धर्म से भी जुड़ पाएगा। मयार्दाओं को भंग करना पाप की श्रेणी में आता है। इसी तरह किसी के मन को दुखाना भी पाप है। हमें अपने जीवन काल में सुख प्राप्ति के लिए जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा, क्योंकि जिनवाणी अमृत रूप है। हमारा सौभाग्य है कि हमें जिनवाणी श्रवण का सुअवसर मिला है। जीवन में यदि सुख प्राप्त करना है तो जिनवाणी को आचरण में उतारना होगा।

धर्म आधारित जीवन जीते हुए ही मनुष्य वैराग्य की ओर अग्रसर हो सकता है। संपूर्ण जीवन लोभ, मोह, मद, मान और माया में ही व्यतीत हो जाता है और प्रभु आराधना का समय ही नहीं मिल पाता तथा व्यक्ति संसार से प्रस्थान भी कर जाता है। संसार में रहते हुए वैराग्य के प्रसंग जीवन में आते हैं। फिर भी विरक्ति नहीं होती। इसलिए निरंतर साधना व स्वाध्याय करते रहना चाहिए। सुखी और सफल जीवन के लिए भौतिक सुख नहीं, आध्यात्मिक सुख ज्यादा जरूरी है, जो वैराग्य से ही प्राप्त हो सकता है।

संसार के सभी जीव सुख चाहते हैं। सभी लोग सुख प्राप्त करने के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं, लेकिन सच्चा सुख कहां है, इसका हमें ध्यान नहीं है। जो जीवात्मा अरिहंत परमात्मा की वाणी को आत्मसात करती है, उसकी सभी प्रकार की आधि-व्याधि नष्ट हो जाती है। जिसने आत्मस्वरूप की पहचान कर ली है, वही धर्मध्यान में लीन होगा। हमारे आर्तध्यान और रौद्रध्यान से जीवन भटक जाता है। धर्मध्यान को अपनाकर व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति में भी समभाव को धारण कर सकता है। आज धर्मध्यान की जगह धन का ध्यान ज्यादा किया जा रहा है। पैसा साधन जरूर है, पर वह साध्य नहीं है। विडंबना यह है कि आज व्यक्ति धन को ही साध्य मानने की भूल कर रहा है।

बदलाव एवं विकास की राह ताकता बिहार चुनाव

पंकज चतुर्वेदी

इस बार की बरसात उत्तराखंड में भूस्खलन से तबाही की नई इबारत लिख गई और चेतावनी भी दर्ज कर गई कि राज्य में पहाड़ गिरने का खतरा अब पूरे साल, हर मौसम में बना हुआ है । इस साल के तीन महीने में 1000 से अधिक भूस्खलन दर्ज किए गए हैं, जिनमें 260 से अधिक लोगों की जान गई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की हालिया लैंडस्लाइड एटलस ऑफ इंडिया रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग जनपद भूस्खलन के लिहाज से देश का सबसे संवेदनशील जिला बन गया है। इसरो की लैंडस्लाइड एटलस ऑफ इंडिया में 17 राज्यों के 147 जिलों का विश्लेषण किया गया है। उत्तराखंड के सभी 13 जिले इस सूची में शामिल हैं, जिसमें रुद्रप्रयाग पहले और टिहरी दूसरे स्थान पर है। उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक उत्तराखंड में इस वर्ष मानसून में भूस्खलन और भूधंसाव के 25 से अधिक नए स्पॉट सामने आए हैं। पिछले दिनों डॉ मुरलीमनोहर जोशी, डॉ कर्ण सिंह, शेखर पाठक, के गोविंदाचार, रामचन्द्र गुहा सहित 57 लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिख कर अपने सितंबर-2022 के उस निर्णय को बदलने का अनुरोध किया है जिसमें चार धाम के लिए चौड़ी सड़क बनाने पर अदालत ने मंजूरी दी थी । इस बीच भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जी एस आई) की ताजा रिपोर्ट ने उत्तराखंड के पहाड़ों अपर रहने वालों की चिंताएं और बढ़ा दी है जिसमें बताया गया है कि राज्य का 22 फीसदी हिस्सा भूस्खलन को ले कर गंभीर, जबकि 32 प्रतिशत माध्यम और प्रतिशत निम्न खतरे में आ रहा है। इस मानसून में राज्य को भूस्खलन के चलते तीन हजार करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। जी एस आई ने साफ कहा है कि आल वेदर रोड, हायड्रो पावर प्रोजेक्ट और बेतहाशा निर्माण के चलते पहाड़ों पर खतरा और बढ़ गया है।

इन राष्ट्रीय राजमार्गों पर 203 भूस्खलन जोन चिह्नित किए गए हैं। देहरादून- पिथौरागढ़ मार्ग पर एक-दो नहीं बल्कि 60 भूस्खलन जोन को चिह्नित किया गया। ऑलवेदर रोड पर गौचर के पास कमेड़ा भूस्खलन जोन का स्थायी समाधान बीते तीन साल में नहीं निकल पाया है। यहां पहाड़ी के बड़े हिस्से में हो रहे भूस्खलन से बदरीनाथ हाईवे को भारी नुकसान पहुंच रहा है। कमेड़ा में हालात नहीं सुधर पाए कि अब बदरीनाथ हाईवे पर कर्णप्रयाग के पास उमट्टा ने मुसीबत बढ़ा दी है। यहां बीते वर्ष पहाड़ी के हिस्से से मलबा आया था। गंगोत्री और यमुनोत्री का प्रवेश द्वार कहा जाने वाला उत्तरकाशी भागीरथी नदी के किनारे वरुणावत पर्वत की तलहटी में बसा है। यहाँ भूस्खलन का मतलब पूरे रिहायशी इलाके का खतरे की जद में आना है। वरुणावत पर्वत का पूरा क्षेत्र कई मायनों में बेहद संवेदनशील है। भूकंप के लिहाज से यह बेहद खतरनाक है । साल 1991 में यहां रिक्टर स्केल पर 6.1 तीव्रता का भूकंप आ चुका है। एक बात और, यहाँ घने चीड़ के जंगल हैं और अब इनमें गर्मी के दिनों में आग लगने की घटनाएं भी बढ़ रही है । वनों की कटाई, निर्माण के लिए पहाड़ों को तोड़ने के अलावा मिट्टी की पकड़ ढीली होने का यह भी बड़ा कारण है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के डाटा के अनुसार 1988 से 2023 के बीच उत्तराखंड में भूस्खलन की 12,319 घटनाएं हुईं। सन 2018 में प्रदेश में भूस्खलन की 216 घटनाएं हुई थीं जबकि 2023 में यह संख्या पांच गुना बढ़कर 1100 पहुंच गई। 2022 की तुलना में भी 2023 में करीब साढ़े चार गुना की वृद्धि भूस्खलन की घटनाओं में देखी गई है। पिछले साल भूस्खलन की 2946 घटनाएं दर्ज की गई जिनमें 67 लोगों की मौत हुई थी ।

उत्तराखंड सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग और विश्व बैंक ने सन 2018 में एक अध्ययन करवाया था जिसके अनुसार छोटे से उत्तराखंड में 6300 से अधिक स्थान भूस्खलन जोन के रूप में चिन्हित किये गये। रिपोर्ट कहती है कि राज्य में चल रही हजारों करोड़ की विकास परियोजनाएं पहाड़ों को काट कर या जंगल उजाड़ कर ही बन रही हैं और इसी से भूस्खलन जोन की संख्या में इजाफा हो रहा है। दुनिया के सबसे युवा और जिंदा पहाड़ कहलाने वाले हिमालय के पर्यावरणीय छेड़छाड़ से उपजी सन 2013 की केदारनाथ त्रासदी को भुला कर उसकी हरियाली उजाड़ने की कई परियोजनाएं उत्तराखंड राज्य के भविष्य के लिए खतरा बनी हुई हैं । उत्तराखंड में बन रही पक्की सड़कों के लिए 356 किलोमीटर के वन क्षेत्र में कथित रूप से 25 हजार पेड़ काट डाले गए। मामला एनजीटी में भी गया लेकिन तब तक पेड़ काटे जा चुके थे। यही नहीं सड़कों का संजाल पर्यावरणीय लिहाज से संवेदनशील उत्तरकाशी की भागीरथी घाटी के से भी गुजर रहा है। उत्तराखंड के चार प्रमुख धामों को जोड़ने वाली सड़क परियोजना में 15 बड़े पुल, 101 छोटे पुल, 3596 पुलिया, 12 बाइपास सड़कें बनाने पर काम चल ही रहा है । ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेलमार्ग परियोजना भी स्वीकृति हो चुकी है, जिसमें ना सिर्फ बड़े पैमाने पर जंगल कटेंगे, वन्य जीवन प्रभावित होगा और पहाड़ों को काटकर सुरंगें और पुल निकाले जाएंगे।

हिमालयी भूकंपीय क्षेत्र में भारतीय प्लेट का यूरेशियन प्लेट के साथ टकराव होता है और इसी से प्लेट बाउंड्री पर तनाव ऊर्जा संग्रहित हो जाती है जिससे क्रिस्टल छोटा हो जाता है और चट्टानों का विरूपण होता है। ये ऊर्जा भूकंपों के रूप में कमजोर जोनों एवं फाल्टों के जरिए सामने आती है। जब पहाड़ पर तोड़फोड़ या धमाके होते हैं, जब उसके प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ होती है तो दिल्ली तक भूकंप के खतरे तो बढ़ते ही हैं यमुना में कम पानी का संकट भी खड़ा होता है। देवभूमि, विकास में पर्यावरण संरक्षण, नैसर्गिक विकास और आस्था में सुख को लाज्य करने की भावना विकसित करने के लिए आमंत्रित भी कर रही है और चेता भी रही हैं। खासकर जब इस साल दिसम्बर तक बरसात के लंबे खींचने की संभावना है, सरकार को अतिरिक्त सतर्क रहना होगा ।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

नीरू बाजवा ने की नई फिल्म की घोषणा

बॉलीवुड फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में अपनी अदाकारी से सभी को अपना दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस नीरू बाजवा ने अपनी नई पंजाबी फिल्म जवाक की घोषणा सोशल मीडिया हैंडल पर की है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया है। नीरू बाजवा ने 5 अक्तूबर 2025 को अपनी आगामी फिल्म जवाक की घोषणा इंस्टाग्राम पोस्ट पर की है। इस पोस्ट के साथ नीरू ने कैप्शन में लिखा, और अधिक पढ़ें...अपने आंढे जवाक नू हमेशा जिओंदा राखो, जे वड्डे बन ना ता। सिनेमाघरों में 17 अप्रैल 2026। जवाक का निर्देशन जतिंद्र म्हूअर कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण संतोष सुभाष कर रहे है। जबकि फिल्म की स्क्रिप्ट जगदीप वारिंग ने लिखी है। यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नीरू बाजवा का करियर

हाल ही में नीरू बाजवा अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में नजर आई थीं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत देव आनंद की हिंदी फिल्म मैं सोलह बरस की (1998) से की थी, जिसके बाद उन्होंने कई हिंदी टेलीविजन धारावाहिकों में काम किया. उन्होंने पंजाबी सिनेमा में अपनी खास जगह बनाई और जट्ट एंड जूलियट, सरदार जी, लौंग लाची, शादा, काली जोत्ता जैसी कई हिट फिल्में दीं। अभिनय के अलावा नीरू निर्देशन और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमा चुकी है। उन्हें तीन बार पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हॉलीवुड की फिल्म इट लिव्स इनसाइड से शुरुआत की है।

अली अब्बास जफर की फिल्म में दिखेगी अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी

'सैयारा' फेम अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी बड़े पर्दे पर पहली बार साथ दिखाई देगी। यह जोड़ी अली अब्बास जफर की नई फिल्म में साथ दिखाई देने वाली है, इस बात की पुष्टि हो गई है। फिलहाल फिल्म का नाम फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन पता चला है कि फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने इसके अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने इस खबर की पुष्टि करते हुए आईएएनएस से कहा, सैयारा ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है और अहान पांडे आज हमारे देश के सबसे बड़े जेन जी अभिनेता हैं। शरवरी 100 करोड़ रुपये की ब्लॉकबस्टर फिल्म मुंज्या का भी हिस्सा थीं। आपके पास दो शानदार कलाकार हैं जिन्होंने साबित कर दिया है कि सिर्फ उम्दा अभिनय ही लोगों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है।

उन्होंने आगे कहा, दशकों बाद आपके पास बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परिणाम देने वाले नवोदित और युवा कलाकार हैं। यह अली अब्बास जफर जैसे बड़े फिल्म निर्माताओं को एक ऐसी युवा फिल्म बनाने के लिए उत्साहित करता है, जो रोमांटिक होने के साथ ही एक एक्शन फिल्म भी है।

सूत्र ने आगे कहा कि इन दोनों युवा कलाकारों को डायरेक्ट करने के लिए अली अब्बास जफर भी उत्साहित हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। इसे आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है के बाद अली जफर और आदित्य चोपड़ा की यह पांचवीं फिल्म है। एक अन्य शख्स ने बताया कि मेकर्स को सैयारा की सफलता के बाद अहान पांडे पर भरोसा बढ़ा है। उनका मानना है कि अहान के अंदर जेन जी को सिनेमाघरों में लाने की ताकत है, इसलिए वे भी इसे भुनाना चाहते हैं। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि दोनों साथ काम कर सकते हैं, अब यह बात पुख्ता हो गई है। वैसे पर्दे पर पहली बार शरवरी वाघ और अहान पांडे की जोड़ी साथ दिखाई देगी। इस बारे में जानने के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग इस फिल्म के लिए अभी से ही उत्साहित हैं।

निक्की तंबोली ने धनश्री वर्मा पर कसा तंज

रियलिटी शो राइज एंड फॉल में नजर आ रहे अरबाज पटेल की गर्लफ्रेंड निक्की तंबोली ने हाल ही में शो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो के जरिए उन्होंने धनश्री वर्मा को एक्सपोज किया है। दरअसल, निक्की ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें धनश्री कहती है निक्की ने जानबूझकर मेरे सामने बोला कि लोग वीडी में क्या बात करते हैं। मैं बेवकूफ नहीं हूं। बुलाओ उसे, बुलाओ सभी वीडी वालों को। मैंने एक बार भी आपके खिलाफ कुछ नहीं कहा है। निक्की ने इस क्लिप के साथ कैप्शन लिखा, वफादारी की अदाकारी मत करो हमारे सामने, हम शक्ल से नस्ल पहचानने का हुनर रखते हैं। बता दें, निक्की हाल ही में शो में आई थीं। इस दौरान उन्होंने अरबाज से कहा था गेम में बहुत बड़ा धोखा हो रहा है धनश्री से। वह इस सीजन में राइज एंड फॉल की सबसे ज्यादा नापसंद की जाने वाली प्रतियोगी हैं।

HRX फिल्म्स के बैनर तले ऋतिक करेंगे पहली सीरीज का निर्माण

ऋतिक अमेजन प्राइम वीडियो के लिए एक सीरीज बनाने वाले हैं। ऋतिक का एक बड़ा ओटीटी प्रोजेक्ट है, क्योंकि इस पर वो पिछले 3 साल से काम कर रहे हैं। अजितपाल सिंह इस सोशल थ्रिलर सीरीज के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं, जो इससे पहले वेब सीरीज टब्बर के जरिए एक खूबसूरत कहानी दर्शकों के बीच पेश कर चुके हैं। इस सीरीज के प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। इसकी शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू होगी। सबा के साथ अलाया एफ भी इसमें अहम भूमिका में हैं, वहीं आशीष विद्यार्थी विलेन बने हैं। ऋतिक का पूरा ध्यान फिलहाल प्रोडक्शन पर है, ताकि जो विजन इसके लिए उन्होंने सोचा था, वो हासिल किया जा सके। ये बतौर निर्माता ऋतिक की पहली सीरीज है। इसके बाद ऋतिक कृष 4 पर काम करेंगे, जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। पिछली बार उन्हें वेब सीरीज क्राइम बीट में छोटी सी भूमिका में देखा गया था।

अक्षय ओबेरॉय ने यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय हाल ही में फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आए हैं। यह फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। अब अक्षय ने फिल्म 'टॉक्सिक' में साउथ सुपरस्टार यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की।

अक्षय ने बताया कि टॉक्सिक की सबसे बड़ी उपलब्धि यश के साथ काम करने का मौका था। पूरी दुनिया यश की प्रशंसक है। उनके साथ काम करके, मैंने इतना कुछ सीखा कि मुझे एहसास हुआ कि मुझमें क्या कमी थी। मैं यहां यह कह रहा हूं कि काश इंडस्ट्री मुझे ज्यादा नोटिस करती और आप ये सवाल पूछ रहे हैं मैं इससे सहमत हूं। लेकिन वह वन-मैन इंडस्ट्री की तरह हैं। उन्हें किसी की जरूरत नहीं है। उन्हें अपनी प्रतिभा साबित करने या ऑफर देने के लिए किसी की जरूरत नहीं है। उन्हें अवसरों की जरूरत नहीं है, वह खुद उन्हें बनाते हैं। यह बहुत प्रेरणादायक है। वह एक-व्यक्ति, चलता-फिरता, बोलता इंडस्ट्री है। मैं बस यही सोचता था कि अगर मैं उनके इस कैरेक्टर और ऊर्जा को पकड़ सकता हूं, तो मुझे भी कोई नहीं रोक सकता। 'टॉक्सिक' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं फैंस

गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित 'टॉक्सिक' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसे यश की आगामी मच अवेटेड फिल्मों में गिना जा रहा है। फिल्म की कहानी को लेकर अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

फिल्म को पहले इसी साल रिलीज होना था, लेकिन अब इसे अगले साल 2026 में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। 'टॉक्सिक' के अलावा यश नितेश तिवारी की 'रामायण' को लेकर भी चर्चाओं में हैं।

साउथ में और भी काम करना चाहते हैं अक्षय

टॉक्सिक को लेकर अक्षय ने कहा कि फैंस ढेर सारे सरप्राइज की उम्मीद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि इस फिल्म के बारे में जितना कम कहूं, उतना ही अच्छा है। फिल्म में ढेर सारे सरप्राइज हैं। मुझे अपने किरदार में बहुत मजा आया और मुझे एक्शन करना बहुत पसंद है। आगे साउथ में और भी काम करने पर एक्टर ने कहा कि अगर मुझे मौका मिलेगा तो मैं जरूर करूंगा। मैं मलयालम, तेलुगु या तमिल फिल्म में काम करना पसंद करूंगा। मुझे साउथ में काम करने का अनुभव बहुत अच्छा लगा और मैं उम्मीद करता हूं कि मुझे वहां से और भी काम मिलेगा। नई भाषा में काम करने की चुनौती के बारे में अक्षय ने कहा कि मुझे भाषाओं और लहजों में रुचि है और मुझे उनसे आनंद मिलता है। बेशक यह एक चुनौती है, लेकिन मुझे इसमें बहुत मजा आता है। भाषाएं और लहजे सीखना मेरे लिए स्वाभाविक है। इसलिए मुझे काम में मजा आया।

एक एक्टर और निर्देशक के रूप में कांतारा मेरे लिए एग्जॉस्ट करने वाली फिल्म रही

क्लैपर बॉय से एक्टर-डायरेक्टर बनने के सफर में ऋषभ शेट्टी के करियर में कड़े संघर्ष के कई दौर आए, मगर कलाकार बनने का उनका जज्बा कभी भी धूमिल नहीं हुआ। सहायक निर्देशक और एक-दो सीन वाली भूमिकाएं करने वाले ऋषभ ने गुजारे के लिए छोटे-बड़े सभी काम किए और आखिरकार उनकी किस्मत का सितारा चमका कांतारा की सुपर सक्सेज से। इन दिनों वे चर्चा में हैं कांतारा चैप्टर 1 से।

एक अदाकार के रूप में आपकी यात्रा के बारे में बात करूं, तो उसमें भी कई उतार-चढ़ाव और संघर्ष रहा?

हर किसी को अपने हिस्से का संघर्ष तो करना ही पड़ता है। खास तौर पर मैं अगर आर्ट फॉर्म की बात करूं, तो आप उसे नहीं चुनते बल्कि वो आपको चुनता है। आपको यहां तक पहुंचने के लिए एक प्रक्रिया से तो गुजरना ही पड़ता है। मैं अपने संघर्ष को एक प्रोसेस मानता हूं। ये सच है कि मैंने छोटे-बड़े सभी काम किए हैं। मैं पानी की बोतलें बेचा करता था। मैंने रियल एस्टेट और होटल में भी काम किया। इंडस्ट्री में मैंने क्लैपर बॉय के रूप में शुरुआत की। कई छोटे-छोटे रोल्स किए, मगर मैंने कभी किसी काम को कमतर नहीं समझा। अपनी पहली कमाई आज भी याद है मुझे। पानी की बोतल बेच कर मैंने 25 रुपए कमाए थे। मैं एक बड़ी मैडम के घर पानी पहुंचाने गया था और उस काम के मुझे 25 रुपए मिले थे। उस वक्त पच्चीस रुपए भी बहुत बड़ी रकम लगी थी मुझे।

आप एक ऐसे कलाकार हैं, जो परिवार को साथ लेकर चलने में यकीन रखते हैं।

बिलकुल, क्योंकि परिवार नहीं होगा, तो मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं होगा। मेरी पत्नी प्रगति कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं। इस पार्ट वन और टू की कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग उन्होंने ही की है। पार्ट वन रहा हो या टू वे पूरी तरह से मेरी इमोशनल स्ट्रेंथ रहीं। खतरनाक एक्शन सीन्स के दौरान वे लगातार भगवान से प्रार्थना करती थीं। उन्हें पूरी यूनिट की चिंता रहती थी। शूटिंग के दौरान मैं महीनों तक घर नहीं जा पाता था, क्योंकि हमें लगातार शूटिंग करनी होती थी, ऐसे समय में मैं लोकेशन के आस-पास की जगहों या होटल्स में ठहरता था ताकि अगले दिन समय पर शूटिंग में पहुंच सकूं। एक एक्टर और निर्देशक के रूप में कांतारा मेरे लिए एक एग्जॉस्ट करने वाली फिल्म रही है, ऐसे में भावनात्मक रूप से उन्होंने ही मुझे संभाला। शूटिंग दौरान वे घर में बच्चों की देखरेख भी कर रही थीं और मुझसे मिलने शूटिंग पर भी आया करती थीं।

आज दर्शक हर भाषा में कॉन्टेंट देख रहा है, मगर भाषा के नाम पर जो विवाद पैदा किए जाते हैं, उनके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

हमारी डायवर्सिटी हमारी सबसे बड़ी ताकत है और इसे समझाना होगा। तभी तो हमारे करेंसी नोट पर कोई एक भाषा नहीं होती। हमारे नोट पर जितनी भाषाएं हैं, असल में हमारे पास उससे भी कहीं अधिक लैंग्वेज हैं। यही भारत की पहचान है। मेरा मानना है कि भाषा पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। हम सभी को एक-दूसरे की भाषाओं को सम्मान देना चाहिए। हमारी मातृभाषा हमारे चरित्र की परिचायक है। हम जब सामने वाले की भाषा को इज्जत देंगे, तभी हमारी भाषा को रिस्पेक्ट मिलेगी।

अपनी पहली फिल्म कांतारा से पैन इंडिया स्टार का दर्जा हासिल करना कैसा लगता है?

सच कहूं, तो मैं इन बातों को नहीं समझता। मुझे तो यही सब जिम्मेदारी लगती है। मुझे लगता है कि मुझे यदि देश भर के लोग पसंद कर रहे हैं, तो मुझे ज्यादा जिम्मेदार होने की जरूरत है। मुझे और अधिक कोशिश करनी होगी कि मैं लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरूं। सफलता और तारीफ हासिल करने के बाद मुझे लगता है कि मेहनत डबल हो जाती है।

फिल्म में एक्टर-डायरेक्टर की दोहरी जिम्मेदारी का संतुलन कैसे स्थापित किया

इसका श्रेय मैं अपनी टीम को देना चाहूंगा। चाहे वो मेरे राइटर्स की टीम हो, प्रोड्यूसर हों या कैमरामैन, मैं अगर कोई एक आइडिया पिच करता हूं, तो हर कोई मेरा साथ देने को तैयार हो जाता है। हम साथ मिलकर आइडिया एक्सप्लोर कर लेते हैं। अब जैसे इस फिल्म की मूल कहानी हमारे देव कोला और लोक कथाओं से प्रेरित थी। जब इस कहानी का विचार आया तो सभी को भा गया। मुझे लगता है, किसी भी फिल्म की सफलता का क्रेडिट टीमवर्क को जाता है।

शिवम दुबे का तूफानी शो, 62 गेंदों में शतक, एक ओवर में जड़े 4 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे इन दिनों जबरदस्त फॉर्म में हैं. एशिया कप में भारत को खिताबी जीत दिलाने के बाद अब उन्होंने घरेलू क्रिकेट में भी बल्ले से कहर बरपा दिया है. पुणे में खेले गए मुंबई और महाराष्ट्र के बीच प्रैक्टिस मैच में दुबे ने ऐसा तूफानी प्रदर्शन किया कि गेंदबाजों के होश उड़ गए.

62 गेंदों में शतक, 9 छक्के और 5 चौके : मुंबई की ओर से खेलते हुए शिवम दुबे ने सिर्फ 62 गेंदों पर शतक ठोक दिया. उनकी पारी में 9 छक्के और 5 चौके शामिल रहे. जिस अंदाज में उन्होंने बल्लेबाजी की,विपक्षी टीम पूरी तरह बैकफुट पर आ गई. सबसे खास पल तब आया जब उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर हितेश वाल्तुंज के एक ही ओवर में लगातार चार छक्के जड़ दिए. दुबे उस वक्त क्रीज पर आए जब मुंबई की टीम शुरुआती दो विकेट गंवाकर दबाव में थी. कप्तान हार्दिक तामोरे भी 24 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे. ऐसे में दुबे ने मोर्चा संभाला और 160 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए.

पृथ्वी शॉ ने जड़ा 181 रन, लेकिन विवाद में फंसे: इस मुकाबले में महाराष्ट्र की ओर से पृथ्वी शॉ ने भी बल्ले से आग उगली और शानदार 181 रन बनाए. हालांकि उनकी यह पारी बाद में विवादों में घिर गई. दरअसल, मैच के दौरान उनका झगड़ा मुंबई के खिलाड़ी मुशीर खान (सरफराज खान के छोटे भाई) से हो गया. जानकारी के मुताबिक, पृथ्वी शॉ आउट होने के बाद गुस्से में आ गए और उन्होंने मुशीर की ओर बैट उठाकर दौड़ लगा दी. मैदान पर माहौल गरम हो गया और दोनों खिलाड़ियों के बीच बहस बढ़ने लगी. अंपायर और टीम मैनेजमेंट ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया. इस घटना की जांच अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिलीप वेंगसरकर को सौंपी गई है.

रणजी से पहले मिला चेतावनी का संदेश: रणजी ट्रॉफी शुरू होने से पहले खेला गया यह तीन दिवसीय अभ्यास मैच कई मायनों में चर्चा में रहा. एक तरफ शिवम दुबे की तूफानी बल्लेबाजी ने सभी का ध्यान खींचा, तो दूसरी ओर पृथ्वी शॉ के आक्रामक रवैये ने निराश किया. शिवम का ये फॉर्म भारतीय टीम के लिए बड़ा संकेत है कि ये ऑलराउंडर आने वाले सीजन में भी मैच जिताऊ खिलाड़ी साबित हो सकते हैं.

कास्परोव ने आनंद पर शुरुआती बढ़त बनाई

तीसरी बाजी में भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी को हराया

सेंट लुइस, एजेंसी। शतरंज के इतिहास के संभवत- सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कास्परोव ने 62 साल की उम्र में दिखाया कि 21 साल पहले संन्यास लेने के बावजूद उनमें अब भी काफी शतरंज बचा है। आनंद को भी मौके मिले लेकिन वह उनका फायदा उठाने में नाकाम रहे। भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को क्लच शतरंज टूर्नामेंट की तीसरी बाजी में गैरी कास्परोव से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह महान खिलाड़ियों के बीच खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में कास्परोव ने 2.5-1.5 की बढ़त बना ली। शतरंज के इतिहास के संभवत- सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कास्परोव ने 62 साल की उम्र में दिखाया कि 21 साल पहले संन्यास लेने के बावजूद उनमें अब भी काफी शतरंज बचा है। आनंद को भी मौके मिले लेकिन वह उनका फायदा उठाने में नाकाम रहे। शतरंज 960 प्रारूप के तहत रोजाना दो रैपिड और दो ब्लिट्ज मुकाबले होने हैं। दिन की शुरुआती दो बाजी ड्रॉ रहीं जिसके बाद कास्परोव ने तीसरी बाजी में आनंद को हराया। आनंद के पास बाजी को ड्रॉ कराने का मौका था लेकिन वह चूक गए।

इंडिया-वेस्टइंडीज टेस्ट

यशस्वी जयसवाल ने टेस्ट में ठोका सातवां शतक, शुभमन गिल और रवि शास्त्री का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने शुक्रवार को दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में अपने टेस्ट करियर का सातवां टेस्ट शतक लगाया। इस शतक के साथ उन्होंने शुभमन गिल और रवि शास्त्री का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है जबकि एलेस्टेयर कुक और जावेद मियांदाद की एलीट लिस्ट में शामिल हो गए हैं। यहां यशस्वी ने खारी पियरे की पहली गेंद पर दो रन लेकर अपना सातवां शतक पूरा किया। उन्होंने 145 गेंदों में 16 चौके लगाते हुए अपना शतक बनाया। जायसवाल का सातवां टेस्ट शतक 24 साल की उम्र से पहले आया, केवल तीन खिलाड़ियों ने इससे अधिक शतक बनाए हैं। इस उम्र में ऑस्ट्रेलिया के डॉन ब्रैडमैन ने (12) शतक, सचिन तेंदुलकर ने (11) शतक, और गारफील्ड सोबर्स ने (9) शतक बनाने वालों में है। अब वह जावेद मियांदाद, ग्रीम स्मिथ, एलेस्टियर कुक और केन विलियमसन के साथ सात-सात शतक लगाने वाले क्लब में शामिल हो गए है।

- **23 साल की उम्र में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक**
  - 12 - डोनाल्ड ब्रैडमैन (ऑस्ट्रेलिया), 26 पारियों में
  - 11 - सचिन तेंदुलकर (भारत), 80 पारियों में
  - 9 - गैरी सोबर्स (वेस्टइंडीज), 54 पारियों में
  - 7 - यशस्वी जायसवाल (भारत), एलेस्टेयर कुक (इंग्लैंड), जावेद मियांदाद (पाकिस्तान), ग्रीम स्मिथ (दक्षिण अफ्रीका), केन विलियमसन (न्यूजीलैंड)
- **23 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक**
  - 22 - सचिन तेंदुलकर (220 पारियां)
  - 15 - विराट कोहली (119 पारियां)
  - 8 - यशस्वी जायसवाल (71 पारियां)*
  - 7 - रवि शास्त्री (110 पारी)
  - 7 - शुभमन गिल (73 पारी)

फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर:

स्कॉटलैंड, नीदरलैंड्स और डेनमार्क का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर में स्कॉटलैंड ने ग्रीस पर 3-1 से शानदार जीत दर्ज करते हुए अपनी संभावनाओं को मजबूत किया है। वहीं, नीदरलैंड्स, डेनमार्क और ऑस्ट्रिया ने अपने प्रदर्शन से फैंस को प्रभावित किया। ग्रुप-सी के मुकाबले में हैम्पडेन पार्क में अपने पिछले दौरे में 3-0 से जीत हासिल करने वाली ग्रीस की टीम ने इस मैच में भी शानदार शुरुआत की। कोस्टास सिमिकास ने 62वें मिनट में गोल करते हुए ग्रीस को 1-0 से बढ़त दिलाई। हालांकि, ग्रीस की खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई। स्कॉटलैंड की ओर से रयान क्रिस्टी ने दो मिनट बाद (64वें मिनट) ही नजदीकी रेंज से गोल दागा। लुईस फर्गुसन ने 80वें मिनट में गोल करते हुए स्कॉटलैंड को 2-1 से बढ़त दिला दी।

ग्रुप-सी के एक अन्य मैच में रासमस होजलुंड ने दो गोल दागकर डेनमार्क को हंगरी के खिलाफ 6-0 से जीत दिलाई। इसी के साथ जर्मनी ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि स्कॉटलैंड, ग्रीस और बेलारूस क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर मौजूद हैं। ग्रुप-जी में नीदरलैंड्स ने माल्टा को 4-0 से हराया। इस मुकाबले में कोडी गाकपो ने 12वें और 48वें मिनट में गोल दागे। विपक्षी टीम एक अदद गोल के लिए तरसती रह गई। नीदरलैंड की टीम इस ग्रुप में शीर्ष पर है। ग्रुप-एच में ऑस्ट्रिया ने सैन मैरिनो पर 10-0 से बड़ी जीत दर्ज की। इस मुकाबले में मार्को अनौटोविक ने चार (8वें मिनट, 47वें मिनट, 83वें और 84वें मिनट) गोल दागे। इसी के साथ मार्को अनौटोविक ऑस्ट्रिया के सर्वकालिक रिकॉर्ड स्कोरर बन गए हैं। मार्को ने इस देश के लिए 45 गोल दागे हैं। वह टोनी पोलस्टर से एक कदम आगे हैं। ग्रुप-एच में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर मौजूद है, जबकि सैन मैरिनो पांचवें पायदान पर है। इस ग्रुप में बोस्निया एंड हर्जेगोविना दूसरे, रोमानिया तीसरे और साइप्रस चौथे स्थान पर मौजूद हैं।

डब्ल्यूपीएल में पहली बार मेगा ऑक्शन, 5 प्लेयर्स रिटेन होंगे

- हर फ्रैंचाइजी के पास 15 करोड़ का बजट, राइट-टु-मैच कार्ड भी मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। विमेंस प्रीमियर लीग में पहली बार मेगा ऑक्शन होगा। ऑक्शन से पहले फ्रैंचाइजी टीमें 5 प्लेयर्स को रिटेन कर सकेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खिलाड़ियों को रिटेन करने की आखिरी तारिख 5 नवंबर है, जिसकी जानकारी टीमों को दे दी गई है। जबकि ऑक्शन की प्रक्रिया 25 से 29 नवंबर के बीच हो सकती है। गुरुवार को डब्ल्यूपीएल ने सभी फ्रैंचाइजी को एक ईमेल भेजे। इसमें कहा कि हर टीम ज्यादा से ज्यादा तीन कैप्ड भारतीय, दो विदेशी और दो अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी रिटेन कर सकती है। अगर कोई फ्रैंचाइजी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उनमें कम से कम एक अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी होना अनिवार्य है। हर फ्रैंचाइजी के पास 15 करोड़ रुपए का बजट ऑक्शन के लिए हर फ्रैंचाइजी के पास 15 करोड़ रुपए का पर्स है। वहीं, रिटेंशन स्लैब्स के लिए गाइडलाइन भी जारी की है। अगर कोई फ्रैंचाइजी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसकी पर्स से 9.25 करोड़ रुपए काटे जाएंगे। चार खिलाड़ियों के लिए 8.75 करोड़ रुपए, तीन के लिए 7.75 करोड़ रुपए, दो के लिए 6 करोड़ रुपए और एक के लिए 3.5 करोड़ रुपए घटाए जाएंगे।

बज गया आईपीएल 2026 का बिगुल

- दिसंबर के दूसरे हफ्ते में नीलामी की संभावना, 15 नवंबर तक तय करनी होगी रिटेंशन लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की नीलामी दिसंबर 2025 के दूसरे या तीसरे हफ्ते में होने की संभावना है। अभी इसकी संभावित तारीखें 13 से 15 दिसंबर बताई जा रही हैं। सूत्रों के अनुसार, फ्रैंचाइजी पदाधिकारियों ने बीसीसीआई से हुई बातचीत में इन तारीखों पर चर्चा की है। हालांकि, लीग की गवर्निंग काउंसिल ने अब तक शेड्यूल पर अंतिम फैसला नहीं लिया है।

इस बार नीलामी भारत में होने की उम्मीद

रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इस बार नीलामी भारत में कराने के मूड में है। फ्रैंचाइजियों का भी यही मानना है कि मिनी ऑक्शन देश में ही हो। पिछले दो साल नीलामी विदेश (2023 में दुबई और 2024 में सऊदी अरब के जेद्दा) में हुई थी।

15 नवंबर तक तय करनी होगी रिटेंशन लिस्ट

फ्रैंचाइजियों के पास खिलाड़ियों की रिटेंशन लिस्ट सौंपने के लिए 15 नवंबर तक का समय है। इस तारीख तक हर टीम को बताना होगा कि किन खिलाड़ियों को रखना है और किन्हें रिलीज करना है। बड़े बदलाव की उम्मीद ज्यादा नहीं है, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स ऐसी दो टीमें हैं जो पिछले सीजन के खराब प्रदर्शन के बाद बड़ा फेरबदल कर सकती हैं।

कैमरन ग्रीन हो सकते हैं सबसे हॉट खिलाड़ी

इस बार की नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन के सबसे चर्चित रहने की संभावना है। चोट की वजह से वह पिछली नीलामी से बाहर रहे थे, लेकिन इस बार कई टीमें उन्हें अपने पाले में लेने के लिए तैयार हैं।

दिसंबर 2025 में फिर बढ़ेगा रोमांच

आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी भले छोटी हो, लेकिन इसमें कई बड़े नामों की किस्मत बदल सकती है।

बीसीसीआई की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है, लेकिन इतना तय है कि दिसंबर का महीना फिर क्रिकेट फैंस के लिए रोमांच से भरा रहने वाला है।

IPL 2026 से पहले सीएसके में होगा बड़ा बदलाव, इन 5 खिलाड़ियों को रिलीज करेगी पांच बार की चैम्पियन टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था. पांच बार की आईपीएल चैम्पियन टीम सीएसके ने 14 में से केवल 4 मुकाबले जीते थे और वो अंकतालिका में आखिरी स्थान पर रही थी. टीम मैनेजमेंट अब आईपीएल 2026 से पहले बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है. रिपोर्ट के मुताबिक चेन्नई सुपर किंग्स की टीम आईपीएल 2026 के लिए मिनी ऑक्शन से पहले पांच खिलाड़ियों को रिलीज कर सकती है. जिन खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया जा सकता है- उनमें सैम करन (इंग्लैंड), डेवोन कॉन्वे (न्यूजीलैंड), दीपक हुड्डा, विजय शंकर और राहुल त्रिपाठी शामिल हैं. टीम के बेहद खराब प्रदर्शन के चलते इन खिलाड़ियों को रिलीज करने की नौबत आई है. आईपीएल 2025 में ऋतुराज गायकवाड़ की चोट ने भी चेन्नई सुपर किंग्स की मुश्किलों में इजाफा किया था. ऋतुराज के बाहर होने के बाद एमएस धोनी ने टीम की कमान संभाली, लेकिन वो भी टीम की किस्मत नहीं बदल सके. अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा करने की रणनीति इस बार उलटी पड़ गई.

इस मामले में फिसड्डी रही सीएसके

टॉप ऑर्डर के खराब प्रदर्शन ने चेन्नई सुपर किंग्स की मुश्किलें काफी बढ़ाई. डेवोन कॉन्वे, दीपक हुड्डा, विजय शंकर और राहुल त्रिपाठी का फॉर्म लगातार गिरता गया. आईपीएल 2025 में सीएसके के बल्लेबाजों ने 138.29 के स्ट्राइक रेट से 2315 रन बनाए, जो पिछले सीजन में किसी टीम का सबसे कम स्ट्राइक रेट था. इसके अलावा सीएसके ने पावरप्ले में सबसे कम रन (693) बनाए, साथ ही 29 विकेट गंवाए.

रणजी ट्रॉफी:

दिल्ली ने किया टीम का ऐलान, बडोनी करेंगे कप्तानी, नीतीश राणा की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ने हैदराबाद के खिलाफ 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के लिए शुक्रवार को 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें आयुष बडोनी को कप्तान और यश धुल को उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ की चयन समिति ने नितीश राणा को भी टीम में शामिल किया है। राणा उत्तर प्रदेश के साथ कुछ समय तक खेलने के बाद दिल्ली की टीम में वापस आ गए हैं। DDCA सचिव अशोक शर्मा ने बताया, 'चयनकर्ताओं ने 24 खिलाड़ियों को इसलिए चुना है क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे प्रत्येक मैच में चयन के लिए एक बड़ा पूल हमेशा उपलब्ध रहता है। जब हम दिल्ली में घरेलू मैच खेलेंगे, तो हम इसे घटाकर 15 कर देंगे। राणा की वापसी पर शर्मा ने कहा, 'वह एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और चयनकर्ता उन्हें परखना चाहते थे।

अगले मैच में हम ऋषभ पंत के खेलने की उम्मीद कर रहे हैं। बैठक में चयनकर्ता यशपाल सिंह, के भास्कर पिल्लई और मनु नायर के साथ-साथ मुख्य कोच सरनदीप सिंह, सीएसी सदस्य सुरिंदर खन्ना और डीडीसीए के अधिकारी अशोक शर्मा (सचिव) और अमित ग्रोवर (संयुक्त सचिव) भी शामिल हुए।

दिल्ली टीम:

आयुष बडोनी (कप्तान), यश धुल (उप-कप्तान), अर्पित राणा, सनत सांगवान, अनुज रावत (विकेटकीपर), सुमित माथुर, शिवम शर्मा, रौनक वाघेला, नवदीप सैनी, सिमरजीत सिंह, मनी ग्रेवाल, सिद्धांत शर्मा, ध्रुव कौशिक, प्रणव राजवंशी (विकेटकीपर), नीतीश राणा, हिम्मत सिंह, आयुष दोसेजा, राहुल डागर, रितिक शौकीन, प्रियांश आर्य, तेजस्वी (विकेटकीपर), वैभव कांडपाल, रोहन राणा, आर्यन राणा (फिटनेस हासिल करने पर)।

महिला विश्व कप:

ऋचा घोष पर भारी पड़ी नादिन डी क्लर्क की पारी, दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 3 विकेट से हराया

विशाखापत्तनम, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 के बेहद अहम मुकाबले में भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम द्वारा दिए 252 रन के लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका ने 48.5 ओवर में 7 विकेट खोकर हासिल कर लिया। 252 का लक्ष्य हासिल करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान लौरा वोल्वार्ट के 111 गेंद पर 70, नादिन डी क्लर्क के 54 गेंद

पर नाबाद 84, और क्लो ट्रायोन के 66 गेंद पर 49 रन की पारी की मदद से 48.5 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 252 रन बनाकर मैच जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका एक समय 142 पर 6 विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। इस समय मैच भारत की तरफ मुड़ता हुआ दिख रहा था। लेकिन ट्रायोन और क्लर्क ने सातवें विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम की जीत के मंसूबे पर पानी फेर दिया। क्लार्क ने 54 गेंद पर खेली 84 रन की नाबाद पारी में 5 छक्के और 8 चौके लगाए। इससे पहले एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 251 रन बनाए थे। भारतीय टीम को प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने गंभीर शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 55 रन जोड़े। मंधाना 23 रन बनाकर आउट हुईं। प्रतिका भी 37 रन बनाकर आउट हुई।

संक्षिप्त समाचार

मारिया कोरिना वेनेजुएला के लोगों की आवाज़ : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आज एक बड़ा झटका लगा है। नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने नोबेल शांति पुरस्कार 2025 वेनेजुएला की नेता मारिया कोरिना मचाडो को देने का ऐलान किया है। इस पर राष्ट्रपति ट्रंप का रिएक्शन सामने आया है। ट्रंप ने क्यों किया मारिया मचाडो का समर्थन? अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने नोबेल पुरस्कार विजेता मारिया कोरिना और वेनेजुएला के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति गोंजालेज के समर्थन में बात करते हुए कहा- वेनेजुएला की लोकतंत्र कार्यकर्ता मारिया कोरिना मचाडो और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति गोंजालेज लाखों लोगों के साथ सरकार के खिलाफ शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे हैं। वे वेनेजुएला के लोगों की आवाज़ और इच्छा को व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में रहने वाला वेनेजुएला-अमेरिकी समुदाय एक आज़ाद वेनेजुएला का ज़ोरदार समर्थन करता है और उस समुदाय ने मेरा भी समर्थन किया है। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा, इन स्वतंत्रता सेनानियों को कोई नुकसान नहीं पहुँचाया जाना चाहिए और उन्हें सुरक्षित तथा जिंदा रहना चाहिए। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप पिछले कई दिनों से दुनिया के कई देशों में युद्ध खत्म करने का दावा कर नोबेल शांति पुरस्कार जीतने की दावेदारी पेश कर रहे थे। मारिया कोरिना मचाडो के नाम की घोषणा के साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति की इन उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

ओली और प्रचंड की सुरक्षा घटी

काठमांडू, एजेंसी। गृह मंत्रालय ने पूर्व प्रधानमंत्री और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली और माओवादी अध्यक्ष पुष्पकमल दहल प्रचंड की सुरक्षा टीम में कटौती की है। गृह मंत्रालय के एक उच्च स्रोत के अनुसार, ओली की सुरक्षा में तय संख्या से अधिक तैनात 28 सुरक्षाकर्मियों को बृहस्पतिवार को वापस बुला लिया गया। इसी तरह प्रचंड की सुरक्षा में तैनात 34 सुरक्षाकर्मियों को भी वापस बुलाया गया है। प्रचंड की सुरक्षा में कुल 52 सुरक्षाकर्मी तैनात थे। विशिष्ट व्यक्ति सुरक्षा कार्यविधि के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्रियों समेत उच्च पदस्थ व्यक्तियों को निश्चित मापदंड के तहत ही सुरक्षा व्यवस्था दी जाती है। पूर्व प्रधानमंत्री ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक के खिलाफ दर्ज शिकायत जांचबुझ आयोग ने पुलिस को वापस भेज दी। जेन-जी आंदोलन की जांच के लिए बने आयोग ने यह कहकर शिकायत लौटाई कि मामला उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। आयोग के प्रवक्ता विज्ञानराज शर्मा ने बृहस्पतिवार को बताया कि फौजदारी अपराधों की जांच और कार्रवाई का अधिकार अन्य निकायों को प्राप्त है, इसलिए इन मामलों में आयोग को रिपोर्ट का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। दरअसल, जेन-जी आंदोलन में मारे गए लोगों के परिजनों ने जिला पुलिस परिसर में याचिका देकर ओली और लेखक की गिरफ्तारी की मांग की थी। पुलिस ने शिकायत दर्ज न कर उसे आयोग के पास भेज दिया था।

लॉस एंजिलिस में सबसे भीषण आग लगाने के आरोपी को जेल में ही रहना होगा

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस की सबसे भीषण पैलिसेड्स वाइल्डफायर लगाने के आरोपी जोनाथन रिंडरक्नेच्ट को अदालत ने जेल में ही रखने का आदेश दिया है। अभियोजकों का कहना है कि उसकी मानसिक स्थिति भी अस्थिर है। बता दें कि लॉस एंजिलिस में न्यू ईयर डे पर लगी आग एक हफ्ते बाद भड़क उठी थी। इसमें 12 लोगों की मौत हो गई थी, इतना ही नहीं 17 हजार से अधिक घर जलकर खाक हो गए थे। आरोपी फिलहाल फ्लोरिडा की जेल में बंद है और अगली सुनवाई 17 अक्टूबर को होगी। अदालत ने उसे भागने का जोखिम मानते हुए जमानत देने से इनकार किया।

ट्रंप के खिलाफ केस लड़ने वाली लेटिशिया जेम्स पर धोखाधड़ी का केस

डेमोक्रेट्स ने बताया बदले की कार्रवाई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स के बीच चल रहे विवाद में अब एक नया मामला सामने आया है। ट्रंप प्रशासन ने लेटिशिया जेम्स को गुरुवार को एक घर की खरीद के मामले में बैंक धोखाधड़ी और गलत जानकारी देने के आरोप में आरोपित किया गया है। यह वही केस है जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद बढ़ावा दिया था और अपने विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। हालांकि डेमोक्रेट्स इसे लगातार इसे राजनीतिक प्रतिशोध बता रहा है। राजनीतिक प्रतिशोध की बात को ऐसे समझा जा सकता है इससे पहले जेम्स ने ट्रंप के बिजनेस साम्राज्य के खिलाफ धोखाधड़ी का बड़ा मुकदमा चलाया था। अब उन्हीं पर 2020 में वर्जीनिया के नॉरफोक में एक घर खरीदने के दौरान गलत जानकारी देने का आरोप लगाया गया है। वहीं इन आरोपों को लेटिशिया जेम्स ने राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। साथ ही कहा कि यह सब ट्रंप द्वारा न्याय व्यवस्था का दुरुपयोग है। ये आरोप बेबुनियाद हैं और राष्ट्रपति का मकसद सिर्फ बदला लेना है। उनके वकील अब्बे लोवेल ने कहा कि जेम्स इन आरोपों से पूरी तरह इनकार करती हैं और इसे कानून के दुरुपयोग की खतरनाक मिसाल बताया। ऐसे में लेटिशिया जेम्स 24 अक्तूबर को वर्जीनिया की संघीय अदालत में पेश होंगी। उनके वकील ने संकेत दिया है कि वे इस केस को खारिज करने के लिए कानूनी प्रक्रिया में लड़ेंगे।

समझिए क्या है पूरा मामला?: आरोप है कि लेटिशिया जेम्स ने घर खरीदते समय बैंक से सेकंड होम राइडर नामक एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए, जिसमें उन्होंने यह बताया कि वह उस घर को अपने निजी उपयोग के लिए रखेंगी। लेकिन आरोप है कि उन्होंने वह घर एक परिवार को किराए पर दे दिया, जिससे उन्हें बेहतर लोन शर्तें मिलीं, जो कि निवेश संपत्ति (इन्वेस्टमेंट प्रॉपर्टी) पर नहीं मिलती।

मामले में क्या है ट्रंप की भूमिका

अब ऐसे में लगातार जब ट्रंप की भूमिका को लेकर सवाल खड़े हो रहे है, तो इसे भी समझते है। मामला ऐसे शुरू हुआ कि ट्रंप ने कई बार सार्वजनिक रूप से कहा कि जेम्स गंभीर अपराधी है, हालांकि उन्होंने कभी कोई सबूत पेश नहीं किया। यह केस उस समय सामने आया है जब पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कॉमी को भी कांग्रेस से झूठ बोलने के मामले में आरोपी बनाया गया है। दोनों मामलों में देखा गया है कि ट्रंप प्रशासन ने अनुभवी सरकारी वकील एरिक सिबर्ट को हटा कर अपनी करीबी लॉयर लिंडसे हैलिगन को नियुक्त किया, जिन्होंने खुद ग्रैंड जूरी के सामने केस पेश किया।

जहां तक नजर जाए सिर्फ गाड़ियां ही गाड़ियां

बीजिंग, एजेंसी। चीन के अनहुई प्रांत के सबसे बड़े टोल स्टेशन पर सोमवार, 6 अक्टूबर को राष्ट्रीय दिवस और मध्य-शरद उत्सव की आठ दिनों की छुट्टियों के बाद लाखों यात्रियों के घर लौटने के दौरान भारी ट्रैफिक जाम लग गया। चुझुआंग टोल स्टेशन पर वाहनों की कतारों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे है।

चुझुआंग टोल स्टेशन पर 36 लेन हैं, लेकिन महाजाम की वजह से लाल टेल लाइटों से जगमगाता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि टोल गेट पार करने की कोशिश में एक के बाद एक कई गाड़ियां कतार में खड़ी हैं। टोल स्टेशन पर आखिरी दिन 1,20,000 से ज्यादा गाड़ियों के आने की उम्मीद थी।

ड्रोन फुटेज में कई वाहनों को टोल गेट से गुजरने के लिए कई लेन में चलते हुए दिखाया गया है। मध्य-शरद ऋतु का त्योहार चीन में पारिवारिक समारोहों के लिए महत्वपूर्ण होता है और इस साल यह राष्ट्रीय दिवस की छुट्टी के साथ ही पड़ा। इसके परिणामस्वरूप यह अवकाश सामान्य अवधि से बढ़कर 1 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक चला। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष छुट्टियों के दौरान लगभग 888 मिलियन यात्राएं की गईं, जबकि पिछले वर्ष सात दिन की छुट्टियों के दौरान 765 मिलियन यात्राएं की गई थीं। चुझुआंग टोल स्टेशन पर भारी ट्रैफिक जाम ने कई वाहन चालकों को चीनी नए साल की भीड़ की याद दिला दी।

इस्लामाबाद और रावलपिंडी में इंटरनेट बंद, टीएलपी वाले आ रहे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद और रावलपिंडी में मोबाइल व इंटरनेट सेवाएं रद्द कर दी हैं। कट्टरपंथी इस्लामवादी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान ने शुक्रवार को लब्बैक या अक्सा मिलियन मार्च बुलाया है। इससे पहले राजधानी के प्रवेश और निकास मार्गों को सील कर दिया गया है। पुलिस टीम और सुरक्षा बलों की ओर से पूरी चौकसी बरती जा रही है। गुरुवार को लाहौर में सुरक्षा अधिकारियों और कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी के सदस्यों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। टीएलपी ने इस्लामाबाद में अमेरिकी दूतावास के बाहर इजरायल के खिलाफ शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। इसे देखते हुए, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने इसके प्रमुख साद हुसैन रिजवी को गिरफ्तार करने के लिए लाहौर में टीएलपी मुख्यालय पर छापा मारा। पंजाब पुलिस की कार्रवाई शुरू करने के बाद बुधवार देर रात शहर में हिंसा भड़क उठी। पुलिस अधिकारी ने बताया, 'कई घंटों तक जारी रही झड़पों में 5 पुलिस कांस्टेबल और टीएलपी के कई कार्यकर्ता घायल हो गए।' हालांकि, टीएलपी ने दावा किया कि पुलिस के साथ झड़पों में उसके एक कार्यकर्ता की मौत हो गई और 20 घायल हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने टीएलपी प्रमुख के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट की तामील के लिए लाहौर के यतीम खाना स्थित टीएलपी मुख्यालय पर छापा मारा, लेकिन वहां पुलिस को ही हमले का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि मुरस्साए टीएलपी कार्यकर्ताओं ने पुलिसकर्मियों पर पत्थराव किया और लोहे की छड़ों से हमला किया। सीनियर अधिकारी ने कहा, 'अब तक रिजवी गिरफ्तारी से बच रहा है। टीएलपी मुख्यालय के आसपास बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इलाके में तनाव व्याप्त है।' टीएलपी के प्रवक्ता ने कहा, 'शांतिपूर्ण लब्बैक या अक्सा मिलियन मार्च' को रोकने के लिए मरियम नवाज की पंजाब सरकार ने अपमानजनक हथकंडे अपनाए हैं। टीएलपी के निहत्थे कार्यकर्ताओं और अधिकारियों पर अत्याचार तुरंत बंद होना चाहिए।'

अमेरिका ने पाकिस्तान को नई आधुनिक मिसाइलें देने से किया साफ इनकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान को बड़ा झटका देते हुए आधुनिक मिसाइलें देने से इनकार कर दिया है। अमेरिका ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि पाकिस्तान को कुछ हथियारों को उपकरण आदि की सप्लाई की जाएगी, लेकिन किसी नए हथियार की डिलीवरी नहीं की जाएगी। दरअसल मीडिया में ऐसी रिपोर्ट्स चल रहीं थी कि अमेरिका, पाकिस्तान को आधुनिक एडवांस्ड मीडियम रेंज एअर टू एअर मिसाइल (एएमआरएएएम) देगा। अब अमेरिका ने ही इससे इनकार कर दिया है।

अमेरिकी दूतावास ने जारी किया बयान

अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में कहा कि 30 सितंबर को युद्ध विभाग ने कई देशों को, जिनमें पाकिस्तान भी शामिल है, हथियारों के उपकरण बेचने का एलान किया था। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान को एएमआरएएम मिसाइलों की डिलीवरी की जाएगी, लेकिन ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। साथ ही पाकिस्तान की मौजूदा क्षमताओं में इजाफे का भी कोई विचार नहीं है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के कई मीडिया चैनल ने दावा किया कि अमेरिका के युद्ध विभाग ने पाकिस्तान को

एएमआरएएएम मिसाइलों को बेचने की मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका के एरिजोना के टकसन में स्थित रेथियोन कंपनी पाकिस्तान को आधुनिक मिसाइलों की आपूर्ति करेगी। इन खबरों को अमेरिका द्वारा पाकिस्तान की वायु सेना की सैन्य क्षमताओं में इजाफा करने के तौर पर देखा गया, लेकिन अब अमेरिका ने साफ कर दिया है कि उसकी ऐसी कोई योजना नहीं है। पाकिस्तान को साल 2007 में अमेरिका से 700 एएमआरएएएम मिसाइलें मिल चुकी हैं, जो पाकिस्तान ने अपने एफ-16 लड़ाकू विमानों के लिए खरीदी थीं। यह उस समय हवा से हवा में मार करने वाली एएमआरएएएम मिसाइलों का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर था। नई डील की बात ऐसे समय उठी, जब पाकिस्तान के पीएम शाहबाज शरीफ और पाकिस्तानी सेना के प्रमुख आसिम मुनीर ने सितंबर में व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी। अमेरिका की वायुसेना के अनुसार, एएमआरएएएम हवा से हवा में मार करने वाली घातक मिसाइल है। इस मिसाइल की खासियत ये है कि इसमें टारगेट को लॉक किया जा सकता है, मतलब कि यह मिसाइल अपने टारगेट को खत्म करके ही दम लेती है। इसे ह्यूजेस एयरक्राफ्ट कंपनी और रेथियॉन कंपनी मिलकर बनाती है। इस मिसाइल की लंबाई 143.9 इंच (366 सेंटीमीटर) और वजन 150.75 किलोग्राम होता है। यह हवा से हवा में 20 मील तक मार करने की क्षमता रखती है। यह मिसाइल सुपरसोनिक गति से टारगेट की ओर बढ़ती है और फ्लैक झपकते ही अपने लक्ष्य को तबाह कर देती है। यह सितंबर 1991 से ही अमेरिकी सेना में शामिल कर ली गई थी। इस मिसाइल के टक्कर की कोई मिसाइल अभी भारतीय वायुसेना के पास नहीं है, ऐसे में पाकिस्तान को एएमआरएएएम मिसाइल मिलने की खबर भारत के लिहाज से भी चिंताजनक थी।

सुनामी का खतरा टला; लोग जान बचाने के लिए सड़कों पर लेटे

फिलीपींस में 7.6 तीव्रता का भूकंप

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस के दक्षिणी मिंडानाओ द्वीप के पास समुद्र में शुक्रवार सुबह 7.6 तीव्रता का भूकंप आया है। इसके चलते सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी। फिलहाल सुनामी का खतरा टल गया है। पैसिफिक सुनामी वॉर्निंग सेंटर ने जानकारी दी कि स्थिति अब सामान्य है। फिलीपींस की भूकंप विज्ञान एजेंसी ने कई और झटकों की चेतावनी दी। आधे घंटे तक 5.9 तीव्रता और 5.6 तीव्रता के कई झटके महसूस किए गए। एजेंसी ने विनाशकारी सुनामी आने की आशंका जताई थी। मध्य और दक्षिणी फिलीपींस के तटीय शहरों में रहने वाले लोगों को तत्काल ऊंची जगहों पर जाने को कहा गया। फिलहाल किसी तरह के बड़े नुकसान की जानकारी नहीं है। इससे पहले 30 सितंबर को फिलीपींस

के सेबू प्रांत में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें 69 लोगों की मौत हो थी, जबकि करीब 150 घायल हुए थे। फिलीपींस में आए भूकंप के बाद अब सुनामी का खतरा टल गया है। पैसिफिक सुनामी वॉर्निंग सेंटर ने जानकारी दी कि स्थिति अब सामान्य है और समुद्र में किसी बड़े खतरे के संकेत नहीं हैं। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, लेकिन फिलहाल किसी और खतरे की आशंका नहीं है।

भूकंप का अबतक सबसे ज्यादा असर दवाओ सिटी में देखनों को मिला है। यहां अस्पताल, स्कूल और सड़कों पर भूकंप से जुड़े कई फुटेज सामने आए हैं। यह शहर मिंडानाओ द्वीप के दावाओ डेल सुर प्रांत का हिस्सा है। मिंडानाओ द्वीप समूह में कुल 27 प्रांत है। इंडोनेशिया के भूकंप और सुनामी केंद्र के प्रमुख ने बताया कि देश के तटीय इलाकों में अधिकतम 17 सेंटीमीटर यानी करीब 6 इंच) ऊंची लहरें दर्ज की गई हैं। उन्होंने कहा कि इसे हम माइनर सुनामी या छोटी सुनामी कहते हैं, यानी ऐसी लहरें जिनकी ऊंचाई 0.5 मीटर (50 सेंटीमीटर) से कम होती है। फिलीपींस राष्ट्रपति ने तटीय इलाकों को खाली करने को कहा फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस ने मध्य और दक्षिणी फिलीपींस के कुछ तटीय क्षेत्रों को खाली करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित इलाकों के सभी लोगों से आग्रह किया है कि वे ऊंचे स्थानों पर चले जाएं तथा तट से दूर रहें, जब तक कि अधिकारी इसे सुरक्षित घोषित न कर दें। उन्होंने फेसबुक पर कहा कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं कि मदद हर उस व्यक्ति तक पहुंचे जिसे इसकी आवश्यकता है।

मेडागास्कर में युवाओं का विरोध प्रदर्शन; राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग

एंटानानारिवो, एजेंसी। मेडागास्कर की राजधानी एंटानानारिवो में लगभग 1000 युवा प्रदर्शनकारी 'जेन-जेड मेडागास्कर' के नेतृत्व में सड़कों पर उतर आए और राष्ट्रपति आंद्री राजोएलिना के इस्तीफे की मांग की। पुलिस ने अशांति फैलने पर आंसू गैस और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया। यह हिंसक विरोध प्रदर्शन देश में कई वर्षों से सबसे बड़ी अस्थिरता के रूप में सामने आया है। पानी और बिजली की कमी के चलते शुरू हुए युवाओं के आंदोलन ने मेडागास्कर की राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदल कर रख दी है। मार्च कर रहे थे और पुलिस ने बख्तरबंद वाहनों के साथ उनका सामना किया। एनोसी और माहाजांगा जिलों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर पथराव और जलते टायर लगाकर ब्लॉकेज किया। लोकतंत्र चौक और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस ने गाड़ियों की अंधाधुंध पर रोक लगा दी। ये विरोध प्रदर्शन पहले पानी और बिजली कटौती को लेकर शुरू हुए थे, लेकिन बाद में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के आरोपों के खिलाफ व्यापक हो गए। राजोएलिना ने विरोधों को शांत करने के लिए अपने पूरे कैबिनेट को बर्खास्त किया, लेकिन इससे युवाओं का गुस्सा शांत नहीं हुआ और उन्होंने बुधवार को राष्ट्रपति के साथ वार्ता का प्रस्ताव भी ठुकरा दिया। आंदोलन के चलते राजधानी एंटानानारीवो और अन्य शहरों में रात का कर्फ्यू लगाया गया है।

अमेरिकी हमलों से घबराई वेनेजुएला सरकार, संयुक्त राष्ट्र परिषद का आपात सत्र बुलाने की मांग

कराकास, एजेंसी। अमेरिका द्वारा कैरेबियाई समुद्री क्षेत्र में कई बार वेनेजुएला की नौकाओं का निशाना बनाया है। अमेरिका का आरोप है कि इन नौकाओं के जरिए अमेरिका में ड्रग तस्करी की जा रही थी। वहीं अमेरिकी हमलों से वेनेजुएला सरकार घबरा गई है और उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गुहार लगाकर आपातकालीन सत्र बुलाने की मांग की है। वेनेजुएला ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से एक आपातकालीन सत्र बुलाने का अनुरोध किया, जिसमें वेनेजुएला के तटीय जलक्षेत्र में हाल के हफ्तों में हुई अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों पर चर्चा की मांग की गई है। वेनेजुएला ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस के राजदूत और परिषद के अध्यक्ष वसीली नेबेंजिया को संबोधित करते हुए एक पत्र लिखा। इस पत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन पर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने और क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति, सुरक्षा और स्थिरता को खतरा पैदा करने का आरोप लगाया गया। मादुरो सरकार ने आशंका जताई कि जल्द ही वेनेजुएला पर सशस्त्र हमला हो सकता है। वेनेजुएला का ये अनुरोध अमेरिकी कांग्रेस द्वारा उस विधेयक को खारिज करने के एक दिन बाद आया है, जो ड्रग तस्करों के खिलाफ सैन्य बल का इस्तेमाल करने की ट्रंप की क्षमता पर रोक लगाता। अब तक अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई जलक्षेत्र में चार घातक हमले किए हैं, जिसे ट्रंप ने ड्रग कार्टेल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष घोषित किया है।

संघर्ष विराम समझौते के बाद भी इस्राइली हमले में 30 फलस्तीनियों की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा में संघर्ष विराम के बावजूद इस्राइली हमले जारी हैं। संघर्ष विराम के बाद इस्राइली हमलों में 30 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हुई है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने ये दावा किया है। गाजा के अल शिफा अस्पताल के निदेशक मोहम्मद अबु सालमिया ने बताया कि बुधवार शाम से हो रहे हमलों में कम से कम 30 लोग मारे गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गाजा सिविल डिफेंस ने बताया कि गाजा के पड़ोसी इलाके अल-सब्रा में इस्राइली हमले में एक इमारत को निशाना बनाया गया, जिसमें 40 से ज्यादा लोग उसके मलबे में दब गए। वहीं इस्राइली सेना ने बताया कि हमास के आतंकियों को निशाना बनाकर हमला किया गया था क्योंकि उनसे खतरा था। बुधवार को

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान किया कि इस्राइल और हमास पहले चरण के शांति समझौते पर सहमत हो गए हैं। इससे गाजा में युद्ध समाप्त होगा और बंधकों को रिहा किया जाएगा। इसके बदले में इस्राइली सेना समझौते के तहत गाजा से पीछे हटेगी और इस्राइल की जेलों में बंद 2000 फलस्तीनी कैदियों की रिहा किया जाएगा। इस्राइली मीडिया के अनुसार, समझौते के तहत इस्राइली सेना गाजा क्षेत्र के लगभग 53 प्रतिशत हिस्से पर अपनी तैनाती बनाए रखेगी।

गुरुवार सुबह राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक बैठक की, जिसमें बताया कि जल्द ही इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम समझौता लागू हो जाएगा। ट्रंप ने उम्मीद जताई कि इस शांति समझौते से गाजा में हमेशा के लिए शांति आ सकती है। ट्रंप ने कहा कि संघर्ष विराम समझौते के तहत सोमवार या मंगलवार को इस्राइल के बंधक रिहा हो सकते हैं। ट्रंप भी पश्चिम एशिया का दौरा कर सकते हैं। अमेरिका लगभग 200 सैनिकों को इस्राइल भेजेगा ताकि गाजा में लागू युद्ध विराम समझौते की निगरानी की जा सके। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ये सैनिक सिविल-मिलिट्री समन्वय केंद्र में कार्य करेंगे।

लखनऊ में बसपा के महा आयोजन में उड़ी भीड़ को देखकर विरोधियों की चिंता बढ़ना लाजमी : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने लखनऊ में पार्टी संस्थापक कांशीराम की 19वीं पुण्यतिथि में शामिल होने आए लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विरोधियों की बातों पर बिना ध्यान दिए मिशन 2027 के लिए जुट जाए हैं। मायावती ने एक्स पर लिखा, बहुजन समाज पार्टी के जन्मदाता एवं संस्थापक कांशीराम जी के 19वें परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ के वीआईपी रोड पर बसपा की सरकार द्वारा निर्मित किए गए विशाल व भव्य 'मान्यवर कांशीराम स्मारक स्थल' में हुए महा आयोजन में अपने खून-पसीने की कमाई से हर उम्र के आए लोगों में भी खासकर युवाओं व महिलाओं की रिकॉर्ड तोड़ भीड़ व उनके जोश और उमंग के साथ-साथ प्रदेश के अगले चुनाव में अपनी बहनजी की पांचवीं बार सरकार बनाने के लिए जिद के साथ काम करने के दृढ़ संकल्प को देखकर विरोधी पार्टियों/ संगठनों आदि की नींद व उनके नेताओं के होश उड़ जाना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि इस क्रम में इनकी बेतुकी बातें एवं बयानबाजी को महत्व न देकर इनके बारे में कुछ ना कहा जाए यही बेहतर होगा। वैसे भी बहुजन समाज के लोग अपने वोटों के बलबूते पर शोषित से शासक वर्ग बनकर बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का सपना पूरा करने के लिए कितने तत्पर व संघर्षशील हैं, इसकी स्पष्ट झलक कल उन लोगों ने यूपी सहित पूरे देश में देख ली है। अब उन्हें विरोधियों के साम, दाम, दंड, भेद आदि हथकंडों से सजग व सावधान रहकर आगे अपने मिशन 2027 में पूरे तन, मन, धन से लग जाना है, यही संदेश है। साथ ही, लखनऊ में हुए महा-आयोजन में, इन्हें अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के साथ-साथ बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष को सुनने के लिए यूपी के सभी 75 जिलों के गांव-गांव व शहर-शहर से बसपा के लाखों-लाखों की संख्या में पार्टी के लोग पहुंचे थे, जिन्हें सुरक्षित लाने व वापिस ले जाने में यूपी बसपा यूनिट के हर स्तर के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों, नेताओं व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं आदि ने अपनी अहम भूमिका निभाई है इन सभी को पार्टी बहुत-बहुत आभारी है।

मायावती ने कहा कि इस महा आयोजन में किसी न किसी रूप में उनके योगदान एवं भागीदारी के लिए पार्टी के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, अनुयायियों, शुभचिन्तकों आदि का पूरे तहेदिल से बहुत-बहुत आभार, शुक्रिया व धन्यवाद।

केंद्रीय वन्यजीव कानून में संशोधन करने वाला पहला राज्य बना केरल : विजयन

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के सीएम पिनराई विजयन ने कहा है कि केरल केंद्रीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 में संशोधन करने संबंधी विधेयक पारित करने वाला पहला राज्य बन गया है। विधानसभा ने केरल में मानव-पशु संघर्ष की बढ़ती घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से एक विधेयक पारित किया। सीएम विजयन ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि केरल वन्यजीव संरक्षण संशोधन विधेयक का पारित होना बढ़ते मानव-पशु संघर्षों को दूर करने और वन के पास रहने वाले समुदायों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा कि ये सुधार मानव जीवन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा और लोगों एवं प्रकृति के बीच सामंजस्य को बढ़ावा देने की केरल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। मीडिया रिपोर्ट में आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक विधेयक राजभवन भेजा जाएगा वहां से इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा क्योंकि यह केंद्रीय कानून से संबंधित है। यह विधेयक पिछले महीने विधानसभा में पेश किया गया था।

राज्य के वन मंत्री ए के शशीद्रन ने एक दिन पहले विधानसभा को सूचित किया था कि राज्य सरकार को इस केंद्रीय अधिनियम में संशोधन के लिए इसलिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि केंद्र सरकार से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद बदलाव नहीं किए। उन्होंने कहा कि मानव-पशु संघर्ष एक ऐसा मुद्दा है जो राज्य की एक-तिहाई आबादी के जीवन को सीधे तौर पर प्रभावित करता है।

1.45 करोड़ की लूट मामले में टीआई सहित 9 पुलिसकर्मी सस्पेंड

सिवनी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में सिवनी पुलिस पर 1.45 करोड़ की लूट के आरोप लगे हैं। मामले कार्रवाई करते हुए आईजी प्रमोद वर्मा ने बंडोल टीआई सहित 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया है, सीएसपी पूजा पांडे के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया गया है। पुलिस के सूत्रों ने बताया कि कटनी से नागपुर के लिए एक कारोबारी अपनी गाड़ी में हवाला के 1.45 करोड़ लेकर जा रहा था। तभी पुलिस को इस बात की सूचना मिली, इसके बाद गाड़ी को सीलादेही के पास रोककर 1.45 करोड़ बरामद किए गए। आरोप है कि पुलिस ने कार्रवाई न करने का आश्वासन देकर व्यापारी को जाने देकर राशि का गबन किया। दूसरे दिन जब व्यापारी वापस पहुंचा और कोतवाली में पूरी घटना की शिकायत दी तब पूरे मामले का खुलासा हुआ। निलंबित पुलिसकर्मियों में बंडोल टीआई अर्पित भैरम, सीएसपी का रीडर रविंद्र उइके, ड्राइवर, दो गनर, सीएसपी कार्यालय में तैनात दो आरक्षक और बंडोल थाने का एक आरक्षक शामिल है। आईजी वर्मा ने बताया कि 1.45 करोड़ की बरामदगी के मामले में बंडोल टीआई सहित 9 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। साथ ही सीएसपी पूजा पांडे के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा जा रहा है।

तमिलनाडु के प्रसिद्ध तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में कुल 5.28 करोड़ का चढ़ावा आया

थूथुकुडी (एजेंसी)। तमिलनाडु के प्रसिद्ध तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर को श्रद्धालुओं से भारी मात्रा में चढ़ावा मिला है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, हाल ही में खुले हुंडियों (दानपात्र) से कुल 5.28 करोड़ का चढ़ावा प्राप्त हुआ है। इसमें नकद राशि के साथ 1,905 ग्राम सोना और 72,255 ग्राम चांदी शामिल है। शुक्रवार को चढ़ावे की गिनती का कार्य शुरू हुआ, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस प्रक्रिया की निगरानी ठक्कर अरुलमुरुगन और जॉइंट कमिश्नर रामू कर रहे हैं। गिनती में शिवकाशी पथिनेन सिद्धार मठ पीठम टीम की मदद ली जा रही है। पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए मंदिर प्रशासन ने सख्त सुरक्षा व्यवस्था की है। तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर भगवान मुरुगन के छह प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है। यहां हर साल लाखों भक्त दर्शन के लिए आते हैं। विशेष रूप से त्योहारों और कार्तिगई दीपम के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। मंदिर अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त चढ़ावे का उपयोग मंदिर के रखरखाव, सामाजिक कल्याण और भक्तों की सुविधाओं के विस्तार में किया जाएगा। सोना और चांदी को धार्मिक परंपराओं के अनुसार संरक्षित किया जाएगा। इस भारी चढ़ावे ने एक बार फिर तिरुचेंदूर मंदिर की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को उजागर किया है, जहां भक्त आस्था और श्रद्धा के साथ अपनी भेंट अर्पित करते हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में 37 दिनों में फैसला, आरोपी को 20 साल की जेल और 50 हजार जुर्माना

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भुवनेश्वर में विशेष न्यायाधीश प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस (पॉक्सो) रख चौथे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, खुर्दा ने ऐतिहासिक और त्वरित फैसले में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी को 37 दिनों के भीतर दोषी ठहराया। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) सुभ्रांशु मोहंती ने दुष्कर्म और गंभीर यौन उत्पीड़न के मामले में मामला दर्ज होने की तारीख से 37 दिनों के भीतर दोषसिद्धि का फैसला सुनाया। दोषी मुन्ना बेहरा को 20 साल के सश्रम कारावास (आरआई) और 50,000 रुपये के जुर्माने का भुगतान करने की सजा सुनाई गई है। जुर्माना न देने पर एक साल अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) को अदालत द्वारा पीड़िता को छह लाख रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया। विशेष लोक अभियोजक सुब्रत प्रियदर्शिनी ने भुवनेश्वर के अभियोजन उप निदेशक हेमंत कुमार स्वाईं की सक्रिय निगरानी में मामले की सुनवाई की थी।

आतंकी जैश संगठन अब महिलाओं का कर रहा ब्रेनवॉश, तैयार कर रहा ब्रिगेड

-पढ़ी-लिखी और शहरी महिलाओं को आकर्षित करने दे रहा धार्मिक रंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था, जिसमें जैश का हेडक्वार्टर भी शामिल था। अब एक रिपोर्ट में एक बात सामने आई है कि जैश के आतंकी भारत के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जैश-ए-मोहम्मद अब महिलाओं का एक ब्रिगेड तैयार कर रहा है। 2024 के बाद से महिलाओं के बीच प्रभाव बढ़ाने के मकसद से जैश ने जमात अल-मुमिनात नाम की महिलाओं की ब्रिगेड तैयार की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस ग्रुप का जिक्र एक सर्कुलर में किया गया है, जिसका इस्तेमाल महिला सदस्यों की भर्ती और उन्हें प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। रिपोर्ट में खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि जमात अल-मुमिनात जैश-ए-मोहम्मद का महिला विंग है, जो साइकोलॉजिकल वारफेयर और ग्राउंड लेवल पर भर्ती के लिए काम कर रहा है। यह ग्रुप जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश और दक्षिण भारत के राज्यों में ऑनलाइन नेटवर्क के जरिए सक्रिय है। इसका काम धर्म के नाम पर महिलाओं का ब्रेनवाश करना है। सूत्रों के मुताबिक जैश के सर्कुलर में मक्का और मदीना की तस्वीरें लगाई गई हैं ताकि संगठन की बातों को धार्मिक रंग दिया जा सके। वहीं इसके जरिए पढ़ी-लिखी और शहरी महिलाओं को आकर्षित करने के लिए भावनात्मक बातें भी लिखी गई हैं। जैश की तरह जमात अल-मुमिनात भी सेल-आधारित स्ट्रक्चर पर काम करती है। इसके अलग-अलग ग्रुप सोशल मीडिया के जरिए महिलाओं को भर्ती करने, चंदा जुटाने और संदेश पहुंचाने का काम करते हैं। सर्कुलर के पाकिस्तानी कनेक्शन के सबूत भी मिले हैं।

ट्रंप की प्रशंसा करने पर पीएम मोदी पर कांग्रेस नेता का तंज... अपने दावे का अर्धशतक पूरा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और पार्टी के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा करने पर तीखा कटाक्ष किया, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा करते हुए अर्धशतक पूरा कर लिया कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए व्यापार और टैरिफ को इस्तेमाल किया।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ अपनी मुलाकात के दौरान, व्यापार और टैरिफ को अपना ब्रह्मास्त्र बनाकर ऑपरेशन सिंदूर रोकने के अपने दावे का अर्धशतक पूरा किया। ट्रंप की प्रशंसा और सराहना के लिए प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधकर कांग्रेस नेता ने गाजा में नरसंहार की निंदा न करने और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात न करने पर भी तंज कसा। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को पूरा दिन ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से बात करने और राष्ट्रपति ट्रंप की प्रशंसा करने में बिताया। बेशक, वह इस दौरान उस व्यक्ति से बात करना नहीं भूले जिसने गाजा में नरसंहार किया था, इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी। इससे पहले 9 अक्टूबर को, कांग्रेस सांसद ने कहा था कि गाजा शांति योजना के पहले चरण पर समझौते के बाद प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इजरायली प्रधानमंत्री की बिना शर्त प्रशंसा चौंकाने वाली, शर्मनाक और नैतिक रूप से निंदनीय है। लेकिन चौंकाने वाली, शर्मनाक और नैतिक रूप से निंदनीय बात यह है कि श्री मोदी ने श्री नेतन्याहू की बिना शर्त प्रशंसा की है जिन्होंने पिछले बीस महीनों में गाजा में नरसंहार फैलाया है।

'नेपो बॉय' राहुल गांधी पर गिरिराज का बड़ा वार, कहा- यह लाल बबुआ अगंभीर नेता हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें -लाल बबुआ- कहा। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस नेता विदेश में रहते हुए वीडियो कॉल के जरिए बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं। सिंह ने राहुल गांधी को एक गंभीर नेता करार देते हुए उन पर केवल भारत को नीचा दिखाने और देश में झूठी बातें फैलाने पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया।

पत्रकारों से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी को एक विशेषाधिकार प्राप्त बेटा और नेपो बॉय बताया और कहा, 'एक शब्द है 'नेपो किड'। मैं उन्हें नेपो किड नहीं कहूंगा क्योंकि वह एक 'नेपो बॉय' हैं। एक विशेषाधिकार प्राप्त बेटा, वह एक 'लाल बबुआ' हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह विदेश में बैठकर वीडियो कॉल के जरिए उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं, तो मतदाता भी उनसे वर्चुअली मिलेंगे। वह एक अगंभीर नेता हैं जिनका एकमात्र काम भारत को नीचा दिखाना और देश में झूठी बातें फैलाना है।

गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विशेष जांच रिपोर्ट (एसआईआर) पर दिए गए बयान पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें उन्होंने उन पर अपने नेतृत्व में रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुसलमानों को सुरक्षित महसूस कराने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं पर हमलों को उजागर करते हुए, सिंह ने कहा, 'ममता बनर्जी को खुद को भारत के एक राज्य की मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार करने की जरूरत है। वह सोचती हैं कि वह बंगाल की प्रधानमंत्री हैं, इसलिए वहां का कानून अलग है... केवल रोहिंग्या बांग्लादेशी मुसलमान (बंगाल में) सुरक्षित हैं...क्या भारतीय नागरिकों के लिए प्रमाणपत्र होना जरूरी होना चाहिए? मैं यह (प्रश्न) देश के नागरिकों के सामने रखता हूं। तब ममता बनर्जी समझ जाएंगी।'

अयोध्या में घर में हुए विस्फोट पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। गिरिराज सिंह ने कहा, 'मुझे पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन विस्फोट एक दुखद खबर है। अभी तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जब मस्जिद में विस्फोट होगा, तब वे प्रतिक्रिया देंगे। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। जिसने भी यह अपराध किया है, उसे सजा मिलेगी।'

कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है, उन्हें समझाया जाए सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति : उद्धव

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि कुछ लोगों ने ''अपनी आंखों पर पट्टी बांध रखी है'' और उन्हें यह समझाना जरूरी है कि सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति क्या होती है। वह यहां उपनगरीय बांद्रा स्थित अपने घर मातोश्री के बाहर कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के स्वागत में लगाए गए बैनरों पर उनकी तस्वीर को लेकर कटाक्ष किया और कहा कि मंत्री अपने प्रचार के प्रति जुनूनी हैं। शिंदे शिवसेना के प्रमुख हैं। ठाकरे ने कहा, क्या आप (शिंदे) उनके (स्टार्मर) करीब भी पहुंच पाए? वे आत्म-प्रचार में मुग्ध हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा, सच्ची देशभक्ति और हिंदुत्व को समझाना जरूरी है। कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसान हताश हैं और सरकार ने उनके लिए छल का पैकेज घोषित किया है। ठाकरे हाल में भारी बारिश और बाढ़ के कारण फसलें गंवाने वाले किसानों के लिए घोषित वित्तीय सहायता का जिक्र कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे शनिवार को छत्रपति संभाजीनगर में किसानों के लिए 'अपर्याप्त' वित्तीय पैकेज के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लेंगे।

केंद्रीय मंत्री का दावा कहा- उच्च जाति के लोगों को खटकता है दलित समुदाय का सीजेआई होना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई के सामने जूता उछालने की घटना पर केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने दावा करते हुए कहा कि यह घटना इसलिए हुई क्योंकि उच्च जाति के कुछ लोग इस बात को स्वीकार नहीं कर सके कि दलित समुदाय से आने वाले न्यायमूर्ति गवई इतने ऊंचे पद पर पहुंच गए हैं। बता दें कि सोमवार को राकेश किशोर नाम के 72 वर्षीय वकील ने कोर्ट में सीजेआई गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। हालांकि, तब हरकत में आए सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक लिया था। उस दौरान सीजेआई ने किशोर को जाने देने के लिए कहा था। वहीं, दिल्ली पुलिस ने भी परिसर में लंबी पूछताछ के बाद वकील को छोड़ दिया था।

उन्होंने मांग करते हुए कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले व्यक्ति के खिलाफ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। प्रमुख दलित नेता और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री आठवले ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह घटना निंदनीय है। मंत्री ने कहा, प्रधान न्यायाधीश पर हमले का प्रयास पहली बार हुआ है। भूषण गवई दलित समुदाय से हैं और उन्होंने अपनी योग्यता के आधार पर यह पद हासिल किया है। उन्होंने कहा कि उच्च जाति समुदाय के कुछ सदस्य इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं। आठवले ने कहा, मैं मांग करता हूं कि आरोपी पर एससी/एसटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए, क्योंकि न्यायमूर्ति गवई पर इसलिए हमले का प्रयास किया गया क्योंकि वह दलित हैं। इससे पहले किसी भी प्रधान न्यायाधीश पर हमला नहीं हुआ था।

गवई ने गुरुवार को कहा कि वह और जस्टिस के विनोद चंद्रन उस समय स्तब्ध रह गए थे जब छह अक्टूबर को एक वकील ने उन पर जूता फेंकने का प्रयास किया था। प्रधान न्यायाधीश ने जूता फेंकने के प्रयास की घटना पर कहा, सोमवार को जो कुछ हुआ उससे मैं और मेरे विद्वान साथी (न्यायमूर्ति चंद्रन) बहुत स्तब्ध हैं; हमारे लिए यह एक भुलाया जा चुका अध्याय है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने किशोर की सदस्यता खत्म कर दी है। इसके अलावा वकील के सुप्रीम कोर्ट में प्रवेश पर भी रोक लगाई गई है। जूता फेंकने के मामले में आरोपी का कहना है कि वह भगवान विष्णु की मूर्ति को लेकर सीजेआई की तरफ से की गई टिप्पणी से आहत है।

दिल्ली-एनसीआर में बच्चों को दीवाली का जश्न मनाने दें...सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

-राज्यों ने 2 घंटे ग्रीन पटाखे फोड़ने की मांगी परमिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों के निर्माण और बिक्री की अनुमति से जुड़ी याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान दिल्ली-एनसीआर से जुड़े राज्यों ने सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह किया कि इस दीवाली पर सीमित समय के लिए ग्रीन पटाखों को फोड़ने की अनुमति दी जाए, ताकि बच्चे त्योहार का आनंद ले सकें।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, जिन्होंने राज्यों की ओर से पक्ष रखा, ने कोर्ट से अनुरोध किया कि बच्चों को कम से कम दो घंटे पटाखे फोड़ने की अनुमति दी जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि रात 8 बजे से 10 बजे तक प्रमाणित ग्रीन पटाखे चलाने की इजाजत दी जा सकती है। मेहता ने कहा, दीवाली बच्चों का त्योहार है। उन्हें दो दिन तो जश्न मनाने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि राज्यों की ओर से कुछ व्यावहारिक सुझाव दिए गए हैं, जिन पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अनुमति केवल नेशनल एनवायरमेंट इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनईईआरआई) द्वारा प्रमाणित ग्रीन पटाखों के निर्माण और बिक्री तक सीमित रखी जाए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 26 सितंबर को अपने आदेश में एनईईआरआई-सर्टिफाइड ग्रीन पटाखों के निर्माण की अनुमति दी थी, लेकिन एनसीआर क्षेत्र में उनकी बिक्री पर रोक बरकरार रखी थी, जब तक कि कोर्ट से स्पष्ट मंजूरी न मिल जाए।

दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के 16 जिले शामिल हैं, जहां वायु प्रदूषण हर साल दीवाली के बाद खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। इसी वजह से पिछले कुछ वर्षों से अदालत और प्रशासन द्वारा पारंपरिक पटाखों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

95 साल से किसी भी भारतीय वैज्ञानिक को नहीं मिला नोबेल पुरस्कार

-कम फंडिंग, नौकरशाही, शोध क्षमताओं के विकास में बाधाओं के कारण भारत पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में काम करने वाले किसी वैज्ञानिक को फिजिक्स, केमिस्ट्री या मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार मिले अब 95 साल हो गए हैं। 1930 में सी वी रमन को फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार मिला था, जो आज तक भारत में काम करने वाले किसी वैज्ञानिक को मिला एकमात्र सम्मान है। इसके बाद हरगोविंद खुराना (1968, मेडिसिन), सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर (1983, फिजिक्स) और वेंकटरमन रामकृष्णन (2009, केमिस्ट्री) ने यह पुरस्कार जीता था, लेकिन ये सभी अपने काम के समय भारत से बाहर रहते थे और भारतीय नागरिक नहीं थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वैज्ञानिक और शोध क्षमताओं के विकास में कई बाधाएं आती हैं। मूलभूत रिसर्च पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता, सरकारी फंडिंग कम है और नौकरशाही के कारण काम धीमा होता है। निजी क्षेत्र में रिसर्च के लिए प्रोत्साहन और अवसर सीमित हैं। विश्वविद्यालयों में शोध क्षमता कमजोर है और जनसंख्या के अनुपात में शोधकर्ताओं की संख्या वैश्विक औसत से पांच गुना कम है। यही कारण है कि भारत में नोबेल पुरस्कार के लिए योग्य वैज्ञानिकों का समूह बहुत छोटा है।

भारत से कई वैज्ञानिकों को नोबेल के लिए नॉमिनेट किया गया, लेकिन पुरस्कार नहीं मिला। मेघनाद साहा, होमी भाभा और सत्येंद्रनाथ बोस को फिजिक्स में, जी.एन. रामचंद्रन और टी शेषाद्रि को केमिस्ट्री में और उपेंद्रनाथ ब्रह्मचारी को मेडिसिन में नामांकित किया गया। जगदीश चंद्र बोस और के एस कृष्णन जैसे वैज्ञानिक अपने अहम योगदान के बावजूद वंचित रहे। ईसीजी सुदर्शन को 1979 और 2005 में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से दो बार वंचित रखा गया। सीएनआर राव के सॉलिड स्टेट केमिस्ट्री में योगदान को भी नोबेल योग्य माना, लेकिन उन्हें अब तक यह सम्मान नहीं मिला है।

वैज्ञानिक पुरस्कारों में अमेरिका और यूरोप का दबदबा ज्यादा रहा है। उत्तरी अमेरिका और यूरोप के अलावा केवल नौ देशों के शोधकर्ताओं ने विज्ञान में नोबेल पुरस्कार जीते हैं। जापान ने 21 पुरस्कार जीतकर एशिया में सबसे ज्यादा जीते हैं। अमेरिका और यूरोप में मजबूत रिसर्च इंफ्रास्ट्रक्चर, वित्तीय सहयोग और बेहतर इको-सिस्टम के कारण वहां के वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार जीतने में सफलता मिलती है।

भारत के वैज्ञानिकों को सम्मान नहीं मिलने का कारण केवल पुरस्कार प्रणाली नहीं है। अनुसंधान के लिए फंडिंग, बुनियादी ढांचा और सरकारी समर्थन की कमी ने वैज्ञानिकों के काम को पूरी तरह विकसित होने से रोका है। भविष्य में भारत के वैज्ञानिकों की नोबेल जीत मुख्य रूप से उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और जुगाड़ पर निर्भर रहेगी, न कि सिस्टम के समर्थन पर।